डाक पंजीयन नं. 99/2021-23

E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com

website:www.adhuniksamachar.com

सुबह 5:11 बजे
शाम 6:54बजे

अधिकतम 43 से 45 डिग्री
न्यूनतम 31 से 33 डिग्री

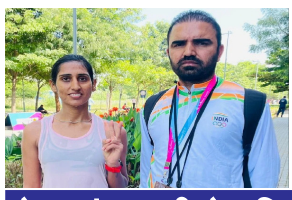

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

# आधुनिक समाचार

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

खेलः मंजू रानी ने महिलाओं की 35 किमी पैदलचाल जीती...

सिनेमाः 'जिंदगी के मुश्किल वक्त में हूं'....

वर्ष -09 अंक -94 | प्रयागराज, शनिवार 17 जून,2023 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 2.00 रूपये

## संक्षिप्त समाचार

### सेंथिल बाला की जांच जारी, रिपोर्ट के आधार पर बाइपास सर्जरी पर फैसला होगा

चेन्नई। धनशोधन के आरोपों में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा गिरफ्तार किए गए तमिलनाडु के विद्युत मंत्री वी सेंथिल बालाजी का गहन चिकित्सा इकाई (आईसीयू) में इलाज किया जा रहा है, जहां उनके हृदय की स्थिति पर नजर रखी जा रही है। बालाजी का उपचार कर रहे एक निजी अस्पताल ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। मद्रास उच्च न्यायालय ने प्रवर्तन निदेशालय द्वारा गिरफ्तार किए जाने के बाद से एक सरकारी अस्पताल में उपचार करा रहे सेंथिल बालाजी को निजी अस्पताल में स्थानांतरित करने की बृहस्पतिवार को अनुमति दे दी थी, जिसके बाद उन्हें 'कावेरी मेन' अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

### महागठबंधन सहयोगियों की 'जासूसी' कर रहे थे : नीतीश कुमार

झी पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को लाभ पहुंचाने के लिये महागठबंधन के सहयोगियों की जासूसी करने का आरोप लगाया और दावा किया कि महागठबंधन से उनका बाहर निकलना अच्छी बात है। नीतीश कुमार ने स्वीकार किया कि पूर्व मुख्यमंत्री मांझी 23 जून को होने वाली विपक्षी दलों की बैठक का हिस्सा बनना चाहते थे, लेकिन उन्हें (नीतीश को) डर था कि उनके (मांझी) द्वारा बैठक का विवरण भाजपा को लीक किया जा सकता है। उन्होंने कहा, वह (मांझी) भाजपा नेताओं के लगातार संपर्क में थे। उन्होंने हाल ही में कई भाजपा नेताओं से मुलाकात की थी।

### कर्नाटक के सभी मंत्रियों को 21 जून को दिल्ली बुलाया गयाः शिवकुमार

बेंगलुरु। कर्नाटक के उप मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने शुक्रवार को कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने राज्य के सभी मंत्रियों को आगामी 21 जून को दिल्ली बुलाया है। उन्होंने यह भी बताया कि कर्नाटक सरकार के मंत्री अपने दिल्ली प्रवास के दौरान केंद्र सरकार के अलग अलग मंत्रियों से भी मुलाकात कर प्रदेश से जुड़ी परियोजनाओं के बारे में बात कर सकते हैं। शिवकुमार ने इससे इनकार नहीं किया कि मुख्यमंत्री सिद्धरमैया और वह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात कर सकते हैं।

### पुरुषों में थी दिलचस्पी, इसलिए आयशा बनकर करता था उनका इलाज ऐसे हुआ जावेद का पर्दाफाश

मुम्बई। महाराष्ट्र के नागपुर से एक चौकाने वाला मामला सामने आया है, जो सोशल मीडिया पर काफी ज्यादा चर्चा में बना हुआ है। दरअसल, नागपुर के एक हॉस्पिटल से एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। इस व्यक्ति पर महिला नर्स बनकर पुरुषों का इलाज करने का आरोप लगा है। नागपुर पुलिस द्वारा व्यक्ति, जिसका नाम जावेद बताया जा रहा है, की गिरफ्तार के बाद से ये मामला सोशल मीडिया पर ट्रेंड कर रहा है। जावेद नागपुर के इंदिरा गांधी गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में आयशा नाम की नर्स बनकर 20 दिनों से लोगों का इलाज कर रहा था। इन 20 दिनों में वह बुर्का पहनकर अस्पताल आता और सिर्फ पुरुषों का इलाज करता। उसकी इस हरकत पर अस्पताल की सुरक्षा में तैनात महाराष्ट्र सुरक्षा बल की एक अफसर को शक हुआ।

# अब कमजोर पड़ा चक्रवात,छोड़े तबाही के निशान पर नहीं हुई है जनहानि

नई दिल्ली। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने कहा कि चक्रवात बिपारजॉय के शुक्रवार सुबह तक कमजोर पड़ गया। हालांकि, तेज हवाएं चलने और भारी बारिश होने से कच्छ और सौराष्ट्र के इलाकों में भारी तबाही हुई है। भले ही चक्रवात बिपारजॉय कमजोर पड़ गया है लेकिन इसके तबाही के निशाना देखने को मिल रहे हैं। कच्छ में बिजली के खंभों के गिरने के कारण करीब 45 गांव अंधेरे में डूब गए और जगह जगह पेड़ उखड़ गए। आईएमडी के अधिकारियों ने कहा कि गंभीर चक्रवाती तूफान बिपरजोय सौराष्ट्र-कच्छ क्षेत्र पर केंद्रित है और इसके उत्तर-पूर्व की ओर बढ़ने की उम्मीद है, जिससे आज राजस्थान में भारी बारिश की उम्मीद है।

गुजरात के गृह मंत्री हर्ष संघवी ने कहा है कि बीती रात बहुत चुनौतीपूर्ण थी। आज फिर टीम गुजरात उसी साहस के साथ ग्राउंड जीरो पर काम कर रही है। सरकार के प्रो एक्टिव काम के कारण आज सुबह 8 बजे तक किसी भी प्रकार की जनहानि नहीं हुई है। कुछ लोग घायल हुए हैं जिनका इलाज चल रहा है। तेज हवाओं के कारण कई जगह पर बिजली के खंभे और पेड़ गिरे जिसे पुलिस, उेंइ, एंेइ की टीम ने साथ मिलकर तुरंत हटाया।

एनडीआरएफ डीजी अतुल करवाल ने कहा कि तूफान जैसे-जैसे कमजोर और गहरे दबाव में परिवर्तित हो रहा है, तो इससे दक्षिण राजस्थान में बारिश होने की संभावना है। राजस्थान सरकार के अनुरोध पर हमने एक टीम जालौर में पहुंचा दी है। इसके अलावा हमारी कर्नाटक में 4, महाराष्ट्र में भी 5 टीमें तैनात हैं। उन्होंने कहा कि लैंडफॉल से पहले 2 लोगों की मृत्यु हुई थी। लैंडफॉल के बाद कोई जनहानि नहीं हुई। 24 जानवरों की मृत्यु हुई है और 23 लोग घायल हुए हैं। करीब हजार गांवों में बिजली की आपूर्ति बाधित हुई है। 800 पेड़ गिरे हैं। राजकोट के अलावा कहीं और भारी बारिश नहीं हो रही है।

कच्छ के कलेक्टर अमित अरोड़ा ने कहा कि कई जगहों पर तेज हवा के कारण एहतियातन बिजली आपूर्ति नहीं की जा रही है। नुकसान का सर्वे जारी है सही आंकड़े सर्वे के बाद आएंगे। बिजली के खंभे और ट्रांसफार्मर को ज्यादा नुकसान हुआ है। काफी पेड़ गिरे हैं। किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई है। हम चीजें सामान्य करने की जल्द से जल्द कोशिश करेंगे। 2 हाईवे बंद हैं जिस पर से पेड़ हटाने का काम जारी है। भुज एङ करण सिंह वघेला ने कहा कि मुंद्रा, मांडवी, नलिया, जखाऊ आदि जगह पर भारी बारिश के साथ तेज़ हवाएं चल रही हैं। पुलिस की टीम हर जगह तैनात हैं। पुलिस पूरे ज़िले में तैनात है जिससे कहीं भी कुछ जरूरत हो वहां पहुंच सके। जहां भी रोड ब्लॉक है उसे जल्द से जल्द साफ कराया जा रहा है। किसी भी जनहानि की सूचना अभी तक नहीं आई है। हम लोगों से अपील करते हैं चक्रवात का पूरी तरह से शांत हो जाने के बाद ही वे अपने घर से बाहर निकलें। इसी के साथ जैसलमेर, जोधपुर, पाली, व सिरोही के कुछ हिस्सों में भी भारी बारिश की संभावना है। वही बीकानेर, राजसमंद, उदयपुर और डूंगरपुर जिले के कुछ हिस्सों मे भी मूसलाधार बारिश की हो सकती है। मौसम विभाग ने राज?य में 40-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने की संभावना व्यक्त की हैं वही दक्षिण राजस्थान में 16 जून को दोपहर तक 60 किलोमीटर प्रति घण्टे की रफ्तार से तेज हवायें चलने का अनुमान है। विभाग ने 17 जून को बाड़मेर और जोधपुर जिलों के लिए रेड अलर्ट जारी किया है। इसी के साथ भीलवाडा, करौली, सवाईमाधोपुर, सीकर, टोंक, बीकानेर, नागौर में तेज गरज के साथ वर्षा और तेज हवाएं चलने का अनुमान है। इस बीच प्रशासन ने भारी बारिश से प्रभावित लोगों के बचाव के लिए जयपुर, कोटा, भरतपुर, उदयपुर, अजमेर, जोधपुर और बीकानेर में राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) की आठ और किशनगढ़, अजमेर में एनडीआरएफ की एक कंपनी को तैनात किया है।

## आप जो देंगे वही आपको वापस मिलेगा

# स्टालिन के 'उकसाओ मत' वाली चेतावनी के बाद अन्नामलाई ने दिया डीएमके को जवाब

नई दिल्ली (एजेंसी)। तमिलनाडु के मंत्री सेंथिल बालाजी को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा गिरफ्तार किए जाने के कुछ दिनों बाद सीएम एमके स्टालिन ने एक वीडियो जारी करते हुए कहा कि यह कदम राजनीतिक प्रतिशोध है और भाजपा को डीएमके कैडर को नहीं उकसाने की चेतावनी दी। अन्नामलाई ने सीएम को चुनौती दी और कहा कि उन्होंने जो दिया वह उन्हें वापस मिलेगा। शिवगंगई में एक जनसभा को संबोधित करने से पहले अन्नामलाई ने कहा कि स्टालिन ने बीजेपी कैडर को चेतावनी देकर अपनी हदें पार कर दी हैं। उन्होंने कहा कि कनिमोझी की गिरफ्तारी के दौरान भी मैंने मुख्यमंत्री को इस कदर नाराज नहीं देखा। इससे यही पता चलता है कि जैसा जनता कहती है, सेंथिल बालाजी डीएमके के कोषाध्यक्ष हैं। अन्नामलाई ने कहा कि सीएम स्टालिन ने वीडियो बयान में अपनी हदें पार कर दी हैं। तमिलनाडु भाजपा प्रमुख ने कहा कि अन्नामलाई ने सीएम स्टालिन को चुनौती दी और उन्हें भाजपा कार्यकर्ताओं को छूने की चुनौती दी। हमारे कैडर को छूने की कोशिश करो। यह मत सोचो कि हम तुम्हारी धमकियों से डरते हैं। आप जो देंगे वही आपको वापस मिलेगा। मंत्री सेंथिल बालाजी की गिरफ्तारी के एक दिन बाद, तमिलनाडु सीबीआई द्वारा जांच के लिए सामान्य सहमति वापस लेने वाला 10वां भारतीय राज्य बन गया। बता दें कि तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने बिजली मंत्री सेंथिल बालाजी की प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की गिरफ्तारी को राजनीतिक बदले की कार्रवाई करार दिया है और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) को उकसाने की चेतावनी नहीं दी है। उन्होंने कहा कि हमें उकसाओ मत। डीएमके या उसके कार्यकर्ताओं को भड़काएं नहीं। यह धमकी नहीं बल्कि चेतावनी है। सीएम स्टालिन ने 10 साल पहले दी गई शिकायत पर बालाजी को जल्दबाजी में गिरफ्तार करने की जरूरत पर सवाल उठाया।

# सिरसा से भाजपा के 'मिशन 2024' का शंखनाद करेंगे अमित शाह

नई दिल्ली (एजेंसी)। 18 जून को एक वीवीआईपी कार्यक्रम का हवाला देते हुए हरियाणा के सिरसा में जिला पुलिस ने 130 लोगों को नोटिस जारी किया है, जिसमें उन्हें बांड भरने के लिए कहा गया है कि वे शांति बनाए रखेंगे। केंद्रीय गृह मंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता अमित शाह उस दिन सिरसा में एक रैली कर रहे हैं, जहां उनके 2024 के लोकसभा चुनावों के लिए पार्टी के अभियान की शुरुआत करने की भी उम्मीद है। जिन लोगों को नोटिस दिया गया है उनमें सरपंच, किसान संघ के कार्यकर्ता और आम आदमी पार्टी (आप) और कांग्रेस के स्थानीय नेता शामिल हैं। शाह का दौरा ऐसे समय में हो रहा है जब किसान कई मुद्दों पर सरकार के खिलाफ उठ खड़े हैं और इस सप्ताह के शुरू में सरकार को एक आंदोलन के बाद सूरजमुखी के बीजों पर न्यूनतम समर्थन मूल्य की अपनी मांग को मानने के लिए मजबूर होना पड़ा। हरियाणा सरपंच एसोसिएशन के प्रमुख रणबीर सिंह समैन ने भी 8 जून को घोषणा की थी कि उनकी यूनियन ई-टेंडरिंग प्रक्रिया को खत्म करने और पंचायती राज अधिनियम के सभी प्रावधानों को बहाल करने की मांग को लेकर

### इससे पहले आप-किसान नेता एवं सरपंचों को प्रशासन ने क्यों थमाया नोटिस?

शाह की रैली के दौरान विरोध प्रदर्शन करेगी। पिछले महीने, मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर के जनसंवाद कार्यक्रम में कई व्यवधान देखे गए। सिरसा के बानी गांव की सरपंच नैना झोरार ने अपना दुपट्टा खट्टर के चरणों में फेंक दिया, क्योंकि उन्हें खट्टर के सामने अपनी मांगों को रखने की अनुमति नहीं थी। एक अन्य अवसर पर, डोगडा अहीर के ग्रामीणों ने सिहमा गाँव को अपने गाँव के बजाय उप-तहसील का दर्जा देने के खिलाफ खट्टर के घर के बाहर धरना दिया।

### बीजेपी पर गहलोत का निशाना, उन्होंने देश को लूटा और बहुत कमाया है, फाइव स्टार होटल जैसे बना रहे दफ्तर

नई दिल्ली। राजस्थान में इस साल होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक हलचल तेज होती दिखाई दे रही है। भाजपा और कांग्रेस के बीच जुबानी जंग जारी है। इस सब के बीच राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भाजपा पर निशाना साधा है। गहलोत ने आरोप लगाया कि उन्होंने देश को लूटा और बहुत कमाया है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि वे फाइव स्टार होटल जैसे दफ्तर बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि चाल, चरित्र, चेहरा की बात करते थे लेकिन उनकी सादगी चली गई। कांग्रेस की जनसभाओं पर सकारात्मक प्रतिक्रिया के बारे में पूछे जाने पर, राजस्थान के सीएम अशोक गहलोत ने कहा कि मैंने सभाओं में कहा है कि इस गति को बनाए रखें। भाजपा के पास धन या शक्ति की कोई कमी नहीं है। उन्होंने देश को लूटा है और बहुत कमाया है।

# 'चिंगारी का खेल बुरा होता है',बीजेपी का आरोप-बंगाल में खत्म हो चुका लोकतंत्र

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में पंचायत चुनाव को लेकर राजनीतिक बवाल लगातार जारी है। विपक्षी दलों का आरोप है कि तृणमूल कांग्रेस और उसके समर्थक लगातार हिंसा कर रही है। विरोधी दलों को निशाना बना रही है। हालांकि, ममता बनर्जी की ओर से इसे खारिज कर दिया गया जबकि भाजपा ने आज साफ तौर पर कहा है कि पश्चिम बंगाल में लोकतंत्र खत्म हो चुका है। अब वहां संगीत के बदले धमाके सुनाई देते हैं। भाजपा की ओर से संवाददाता सम्मेलन करते हुए पार्टी के वरिष्ठ नेता सुधांशु त्रिवेदी ने किया।

सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि पश्चिम बंगाल के पंचायत चुनावों में जिस प्रकार के दृश्य दिखाई दे रहे हैं, हिंसा का जो तांडव दिखाई पड़ रहा है... यह कष्टकारक है। उन्होंने कहा कि इस से भी अधिक दुखद है, वहां की सरकार की असंवेदनशीलता। हमारे कार्यकर्ताओं पर प्राणघातक हमले हुए हैं। भाजपा नेता ने कहा कि पश्चिम बंगाल की

### संगीत की जगह धमाके सुनाई दे रहे हैं

सरकार और पुलिस जिस प्रकार से बर्ताव कर रही है वो भारत के लोकतांत्रिक और चुनावी इतिहास में एक बहुत ही काला अध्याय है। उन्होंने कहा कि बंगाल में 341 ब्लॉक हैं। आखिरी दिन यहां, 4 घंटे के अंदर 40 हजार से अधिक लोगों ने नामांकन किया है, वो भी 340 ब्लॉक में... यानी एक व्यक्ति के नामांकन का समय औसतन 2 मिनट आता है। इस गति से हुए नामांकन दर्शाते हैं कि स्थानीय सरकार किस तरह से व्यवस्था को अपने हाथ में लिए हुए है। क्या यह लोकतंत्र का उपहास नहीं है? उन्होंने कहा कि रवींद्र संगीत की भूमि में अब बम धमाकों की आवाज सुनाई दे रही है। जिस तरह से राज्य सरकार और पुलिस काम कर रही है वह भारत में लोकतंत्र और चुनाव के इतिहास में एक काला अध्याय है। भाजपा के राज्यसभा सांसद ने कहा कि मैं ऊश्ण को यह कहना चाहता हूं कि यह हिंसा का जो खेल आप खेल रहे हैं, ऐसा ही कम्युनिस्ट सरकार करती थी... आज आप उनका हाल देख लीजिए। उन्होंने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी की लिखी पंक्तियां हैं कि - चिंगारी का खेल बुरा होता है, औरों के घर में आग लगाने का सपना... अपने घर में ही अक्सर खरा होता है। इससे पहले कलकत्ता हाई कोर्ट की मुख्य न्यायाधीश खंडपीठ ने 8 जुलाई को होने वाले पंचायत चुनाव के लिए राज्य के सभी जिलों में केंद्रीय अर्धसैनिक बलों के लिए आदेश दिए थे। पश्चिम बंगाल के विपक्ष के नेता सुवेंदू अधिकारी ने कहा कि कलकत्ता हाई कोर्ट की मुख्य न्यायाधीश खंडपीठ का जो निर्णय आज शाम को आया है वो एकदम स्पष्ट है। जो निर्णय आया है इससे बंगाल में राजनीतिक हिंसा खत्म हो जाएगी और लोकतंत्र रिटोर होगा। गांव का पंचायत, गांव का आदमी लोकतांत्रिक तरीके से ये पंचायत चुनाव कराएगा।

# पंचायत चुनाव के दौरान होगी केंद्रीय सुरक्षा बल की तैनाती

कोलकाता (एजेंसी)।पश्चिम बंगाल पंचायत चुनाव को लेकर राजनीति जारी है। हालांकि, नामांकन के दौरान हिंसा की भी खूब खबरे आईं हैं। विपक्षी दल राज्य सरकार पर हमलावर हैं। विपक्षी दलों की ओर से राज्य में चुनाव के दौरान अर्धसैनिक बलों की तैनाती की मांग की गई थी। इन सब के बीच कलकत्ता हाई कोर्ट ने राज्य निर्वाचन आयोग को सभी जिलों में 48 घंटे के अंदर केंद्रीय बलों की तैनाती का निर्देश दिया है। कलकत्ता हाई कोर्ट की मुख्य न्यायाधीश खंडपीठ ने 8 जुलाई को होने वाले पंचायत चुनाव के लिए राज्य के सभी जिलों में केंद्रीय अर्धसैनिक बलों के लिए आदेश दिए। 48 घंटे के भीतर राज्य चुनाव आयोग को केंद्रीय बलों के लिए केंद्र से अनुरोध करना होगा।

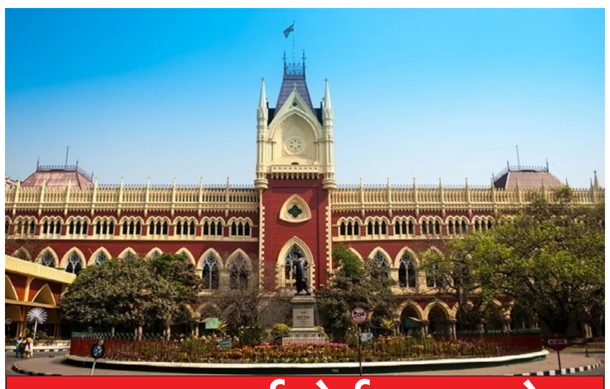

कलकत्ता हाईकोर्ट का आदेश

इससे पहले उच्च न्यायालय ने पंचायत चुनावों में केंद्रीय बलों की तैनाती को लेकर राज्य निर्वाचन आयोग (एसईसी) से स्पष्टीकरण मांगा था। कलकत्ता उच्च न्यायालय ने आठ जुलाई को होने वाले पश्चिम बंगाल पंचायत चुनावों के लिए केंद्रीय बलों की तैनाती का मंगलवार को आदेश दिया था। साथ ही अदालत ने एसईसी को पंचायत चुनावों के लिए पश्चिम बंगाल के पुलिस बल के साथ मिलकर काम करने के वास्ते केंद्रीय बलों की मांग करने को कहा था। मुख्य न्यायाधीश टी.एस. शिवज्ञानम की अध्यक्षता वाली खंडपीड ने कहा कि मंगलवार को पारित उसके आदेश के खिलाफ एसईसी हमेशा अर्जी दाखिल कर सकता है, अन्यथा केंद्रीय बलों की मांग और उनकी तैनाती करनी होगी।

नामांकन के दौरान हुई हिंसा की घटनाओं पर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इस पर अपना बयान दिया है। उन्होंने कहा कि इस्लामपुर और अन्य जगह जो समस्या हुई उसमें हमारी पार्टी की कोई भागीदारी नहीं है। जिन लोगों ने किया है उन्हें हमने टिकट नहीं दिया, उन्होंने हमसे टिकट मांगा लेकिन उनका रिकॉर्ड देखते हुए हमने उन्हें टिकट नहीं दिया। हमने साख देखकर टिकट दिया है, मैंने पुलिस को भी उनके खिलाफ सख्त एक्शन लेने को कहा है। ममता ने आरोप लगाया कि पंचायत चुनाव नामांकन के दौरान हुई हिंसा में माकपा, आईएसएफ संलिप्त हैं। गौरतलब है कि पश्चिम बंगाल में पंचायत चुनाव के लिए नामांकन पत्र दाखिल करने का आज आखिरी दिन है।

### बंगाल में राजनीतिक हिंसा हर हाल में खत्म होनी चाहिए : राज्यपाल बोस

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सी. वी. आनंद बोस ने शुक्रवार को दक्षिण 24 परगना जिले में भंगोर का दौरा करने के बाद कहा कि राज्य में राजनीतिक हिंसा हर हाल में खत्म होनी चाहिए। राज्यपाल ने कहा कि वह पहले ही मौजूदा स्थिति पर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के साथ चर्चा कर चुके हैं। भंगोर में स्थिति का जायजा लेने के बाद बोस ने संवाददाताओं से कहा, ''बंगाल के कुछ हिस्सों में कुछ अवांछित घटनाएं हुई हैं। किसी भी तरह की हिंसा बर्दाश्त नहीं की जाएगी और हमें इसे रोकना होगा।'' बृहस्पतिवार को राजनीतिक कार्यकर्ताओं के बीच हुई झड़पों में तीन लोगों की मौत हो गई थी और कई घायल हुए थे। हाल में दक्षिण 24 परगना जिले के भंगोर में इंडियन सेक्युलर फ्रंट (आईएसएफ) और सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ताओं के बीच झड़प की घटनाएं सामने आई हैं। स्थिति पर चर्चा का हवाला देते हुए बोस ने कहा, ''मुख्यमंत्री मेरी संवैधानिक सहयोगी हैं।

# करछना में सड़क दुर्घटना में एक मौत दो गंभीर अवस्था में है

**आधुनिक समाचार सेवा**

प्रयागराज। कमिश्नरेट के करछना थाना करछना कोहदार घाट मार्ग पर बीमार होने के इलाज के लिए भाभी के साथ बाइक से जा रहा युवक सड़क दुर्घटना का शिकार हो गया। घायल देवर भाभी और बच्चे को अधम अस्पताल में ले जाया गया। जहां इलाज के दौरान कुछ देर बाद ही युवक की मौत हो गई। घटना से क्रोधित ग्रामीण कोहरार मार्ग पर धरावारा गांव के सामने लाश रखने वाला चक्का जाम कर दिया और कार्रवाई की मांग करने लगे। सूचना के बाद पहुंची पुलिस ने करीब दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद जैम ने दस्तावेजों को खत्म कर दिया और शव को पोस्टमॉर्टम हाउस भेज दिया। परिवार के लोगों को आपदा राहत कोष से सहायता राशि और दुर्घटना करने वाले कार और चालक पर कार्रवाई की क्षति होती है।

हादसा तब हुआ जब खेक्सा गांव के नजदीक आमने सामने मुलाकात हुई। तीन घायलों को सीएचसी करछना ले जाया गया। जहां पर स्थिति को गंभीर देखते हुए डॉक्टर ने स्वरूपरानी नेहरू चिकित्सालय के लिए भेज दिया।

यमुनानगर के करछना थाना चटवारा गाँववासी दीवान (20) बेटे बनवारी लाल अपनी भाभी नीतू (28) पत्नी सुनील कुमार व एक साल के लिए अयान के साथ करछना दवा लेने का फैसला किया था। भतीजा अयान बीमार चल रहा था। दवा कर तीनो एक ही बाइक से वापस घर की ओर जा रहे थे वही कोहदार शहर की ओर जा रही कार ने खेक्सा गांव के सामने अपनी बाइक में टक्कर मार दी। जिसमें बाइक सवार तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंचने पर पुलिस तीनों क्षेत्रों के कुशगढ़ स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती दावों पर पहुंचती है।

## इलेक्ट्रॉनिक चैनल के पत्रकार की मौत, भूमि विवाद में सिर पर रॉड से किया गया था हमला

प्रयागराज। भूमि विवाद के दौरान हुए जानलेवा हमले में गंभीर रूप से घायल एक निजी न्यूज चैनल से जुड़े पत्रकार सऊद अहमद की मौत एसआरएन अस्पताल में शुक्रवार को हो गई। इस मामले में चार लोगों को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। अब उनके ऊपर हत्या का मुकदमा भी चलेगा। 10 जून को सऊद अंसारी और उनके वकील भाई सरफराज अपने खेत में ट्रैक्टर से जुताई करा रहे थे। इसी दौरान मकनपुर असरावल कला के कुछ दबंगों ने लोहे के रॉड, सरिया आदि से हमला कर दिया था। इसके बाद दबंगों ने दोनों भाइयों को घेरकर बुरी तरह पीटा था। ग्रामीणों और परिजनों के पहुंचने पर हमलावर भाग खड़े हुए थे। दोनों भाइयों को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। सिर में गंभीर चोट लगने से सऊद अंसारी कोमा में चले गए थे। शुक्रवार को एसआरएन में उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। इस मामले में पुलिस ने चार लोगो को गिरफ्तार किया है। एसपी कौशाम्बी ने बताया कि मुकदमे में हत्या की धारा बढाई जाएगी, जो अन्य आरोपी हैं उनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस की कई टीमें लगी हैं। आरोपियों को किसी भी दशा में बख्शा नहीं जाएगा।

# आवारा पशु के मारने के आरोप में युवक पर गो हत्या का मुकदमा दर्ज

**आधुनिक समाचार सेवा**

फूलपुर। फूलपुर थाना क्षेत्र के कोड़ापुर गांव में आवारा पशु को मारने के आरोप में विश्व हिंदू परिषद के पदाधिकारी ने उक्त युवक पर गो हत्या का मुकदमा दर्ज कराया तो पशु चिकित्साधिकारी फूलपुर डाक्टर ए के सिंह ने मौके पर पहुंच कर शुक्रवार को उक्त मृत्यु पशु का पोस्ट मार्टम किया। फूलपुर थाना क्षेत्र के कोड़ापुर गांव निवासी उदय राज यादव 28 वर्ष पुत्र दयाराम यादव पर आरोप है कि उसके खेत के पास आवारा पशु चला गया जिससे क्रोध में आकर उक्त पशु की बल्लम चोंक चोंक कर हत्या कर दी। इसकी जानकारी जब विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ताओं को हुई तो प्रदेश स्तर पर हड़कंप मच गया। जिले से लेकर प्रदेश स्तर तक के विहिप कार्यकर्ता थाना प्रभारी फूलपुर को फोन करके कार्यवाही करने के लिए दबाव बनाने लगे। विहिप कार्यकर्ता फूलपुर के पूरे महारथ मोहल्ला निवासी सांतनु तिवारी पुत्र लाल कृष्ण तिवारी का आरोप है कि उक्त युवक की लंबे समय से शिकायत मिल रही थी कि वह कई अन्य आवारा पशुओं की हत्या कर चुका है। गुरुवार दोपहर में उसने फिर से एक पशु की हत्या कर दी। अब उसे किसी

भी हाल में बक्सा नही जायेगा। उनके तहरीर पर फूलपुर पुलिस ने उक्त आरोपी युवक के खिलाफ गो हत्या का मुकदमा दर्ज करके उसके खोजबीन में जुट गई है। इसको लेकर क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है। पुलिस के अनुसार आरोपी घर छोड़कर फरार है जल्द ही उसकी गिरफ्तारी की जायेगी। थाना प्रभारी फूलपुर यशपाल सिंह ने बताया की अपराधी कोई भी हो उसे उसकी सजा हरहाल में जल्द से जल्द मिले यही प्रयास रहेगा।वही विहिप कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र ही उक्त आरोपी युवक को गिरफ्तार नही किया गया तो विहिप के कार्यकर्ता सड़कों पर उतर कर आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे।

# प्लेटफार्म नंबर चार पर आने लगी ट्रेनें

**आधुनिक समाचार सेवा**

प्रयागराज। प्रयागराज जंक्शन का प्लेटफॉर्म नंबर चार चालू हो गया। रेलवे ने अब इस प्लेटफार्म पर ट्रेनों के ठहराव की की । शुरुआत कर दी। इससे यात्रियों को बड़ी राहत मिली है। यह प्लेटफार्म बंद होने से दूसरे प्लेटफार्मों पर लोड बढ़ गया था। इसकी वजह से आउटर पर ट्रेनों को रोका जा रहा था। रेलवे के ब्लॉक लेने की वजह से 59 ट्रेनों का ठहराव प्लेटफार्म नंबर चार से दूसरे प्लेटफॉर्म पर हो रहा है। जंक्शन का यह प्लेटफार्म करीब दो महीने के बाद खुला है। प्लेटफार्म नंबर चार की लाइन पर वाशेबल एप्रन के निर्माण के लिए 15 अप्रैल को रेलवे ने ब्लॉक लिया था।

## मुस्लिम धोबी समाज को भी मिले आरक्षण इलाहाबाद जन कल्याण समिति की मांग

प्रयागराज। दरियाबाद कटेहरा को इलाहाबाद जन कल्याण समिति ने मांग किया कि मुस्लिम धोबी समाज को भी आरक्षण दिया जाए,आजादी के 75 वर्ष बाद भी देश मे अपना आरक्षण नहीं पा सका मुस्लिम धोबी समाज, इलाहाबाद जन कल्याण समिति के प्रदेश कोषाध्यक्ष मोहम्मद नासिर ने कहा धोबी समाज के हित के लिए आवाज उठाई और सरकार से मांग किया कि मुस्लिम धोबी समाज को भी आरक्षण दिया जाए।

# शासन की आंखों में धूल झोंक रहे अधिकारी ग्राम चौपाल फोटों खिचाई रश्म तक सीमित

अमेठी।ग्रामीणों की समस्या का गांव में ही समाधान कर गांव के विकास को गति देने के उद्देश्य से शासन द्वारा ग्राम पंचायत स्तर पर संचालित की जाने वाली ग्राम चौपाल स्थानीय विकास खंड में महज फोटो खिचाई रश्म तक सीमित होकर रह गई है

शुक्रवार विकास खंड की ग्राम पंचायत राजापुर कल्याण में दोपहर एक बजे के दौरान ग्राम चौपाल का निरीक्षण करने पर पता चला कि चौपाल में न तो नोडल अधिकारी मौजूद हैं न ही पंचायत सचिव अन्य विभागों के प्रतिनिधि भी चौपाल से नदारद दिखे

ग्रामीणों ने भी ग्राम पंचायत में चौपाल के प्रति अनभिज्ञता जाहिर की जिसका सीधा सा मतलब यही है कि ब्लाक में अधिकारी कर्मचारी ग्राम चौपाल की महज खानापूर्ति में जुटे हैं,न ग्रामीणों को चौपाल की सूचना दी जा रही है,न चौपाल में सुनवाई के लिए अधिकारी उपलब्ध हो रहे हैं और सफाई देते दिखे कि हम तो चौपाल में गये ही थे फरियादी नहीं आये तो हम बैठकर ही क्या करते

न ही ग्रामीणों की समस्याओं का निराकरण ही हो रहा है

हालांकि जब ब्लाक पर जिम्मेदार अधिकारियों से इस संदर्भ में बात की गई तो वे चौपाल में अपनी उपस्थिति की जीपीएस फोटो मुहैया कराते हुए

मतलब साफ है सरकार कितनी भी कोशिश कर ले उसके मातहत सरकार के जनहितैषी हर व्यवस्था का क्रियान्वयन अपनी सुविधा अनुसार ही करेंगे फिर चाहे सरकार की किरकिरी हो या जनता बिलखती रहे।

# कुम्भ मेला अधिकारी कल करेंगे जिले का निरीक्षण

**आधुनिक समाचार सेवा**

प्रयागराज। महाकुम्भ 2025 की तैयारियों को देखने के लिए कुम्भ । मेलाधिकारी विजय किरन आनंद शनिवार को प्रयागराज आएंगे। इस दौरान प्रस्तावित योजनाओं का स्थनीय निरीक्षण करेंगे। इस बार सूबेदारगंज आरओबी का एलाइनमेंट बदल गया है। इसका निरीक्षण दोपहर ढाई बजे होगा। इसके साथ । ही संगम तक जाने वाली सड़क का भी निरीक्षण किया जाएगा। निरीक्षण के बाद काम किस गति से होगा इस पर चर्चा की जाएगी। इसके बाद अगले चरण में 20 जून को स्टेक होल्डर्स के साथ बैठक क जाएगी। जिसमें टेंडर आदि की प्रक्रिया पर भी चर्चा होगी। प्रयागराज मेला प्राधिकरण का लक्ष्य है कि जून के आखिरी सप्ताह तक टेंडर का काम पूरा हो जाए।

# हेडक्वार्टर रेस्तरां में नशे में धूत युवकों ने की छेड़खानी, जमकर किया जबरदस्त

**आधुनिक समाचार सेवा**

प्रयागराज।शहर के म्योहाल चौक के पास स्थित हेडक्वार्टर रेस्तरां में महिला से छेड़खानी के बाद गुरुवार रात जमकर बखेड़ा हुआ। दोनों तरफ से एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप आवेदकों पर आरोप लगे। स्टेट्स पर पहुंचने पर सिविल लाइंस पुलिस किसी न किसी तरह से जाम लगाती है, लेकिन कार्रवाई करने की जिद पर अड़े थे।

सिविल लाइन्स थाना क्षेत्र में पीडी टंडन रोड पर मुख्यालय रेस्तरां है। आरोप है कि

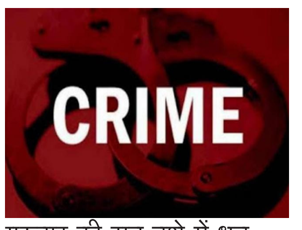


गुरुवार की रात नशे में धुत एक युवक ने महिला मैनेजर, का हाथ पकड़ा और अभद्रता करने लगा। इसका विरोध करने पर वह दिखावा करता है, जहां भी लोग मौजूद हैं, वहां खलबली मच गई। कुछ ही देर में महिला प्रबंधक और युवक की तरफ से कई लोग आ गए, जिसके बाद बेदखल हो गए। एक पक्ष ने खींचाखानी करने का आरोप लगाया तो दूसरे ने आरोप को गलत बताया। सूचना मिलने पर सिविल लाइंस थाने के कार्य पर्यवेक्षक भानु कुमार फोर्स के साथ रेस्टोरेंट पहुंचे। इसके बाद सभी से पूछताछ करते हुए घटनाओं की जानकारी ली। पुलिस का कहना है कि सीसीटीवी फुटेज को खंगाला जा रहा है। तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज होने पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। इससे पहले भी इस रेस्तरां में कई बार प्रभावित होने की घटना हो चुकी है।

## फर्राटा में उतरे करंट से किशोरी की मौत

**आधुनिक समाचार सेवा**

फूलपुर। थाना अंतर्गत सराय दाऊद उर्फ ढकपूरा गांव में शुक्रवार को भोर में फर्राटा फैन हटाते समय कुमारी सविता उम्र 17 वर्ष पुत्री देवीदीन करंट की चपेट में आ गई। सविता की चीख-पुकार सुनकर घर व आसपास के लोग दौड़े आए परंतु सविता पंखे से बुरी तरह चिपक गई थी। आनन फानन लाइन काटकर सविता को पंखे से अलग किया गया। इससे पहले उसे चिकित्सकीय सहायता दी जाती उसकी मौत हो चुकी थी। इस घटना से घर गांव के लोग स्तब्ध रह गए।

# अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून 2023 कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए योग सप्ताह का हुआ शुभारंभ

देवरिय। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून 2023 कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए योग सप्ताह का शुभारंभ किया गया, जो 15 जून 2023 से 21 जून 2023 तक निरंतर चलेगा। प्रातः काल बड़ी संख्या में लोग योग करने के लिए रविन्द्र किशोर शाही स्पोर्ट्स स्टेडियम पहुंचे। योग शिविर का शुभारंभ जिला विकास अधिकारी रविशंकर राय की अध्यक्षता में मुख्य अतिथि नगर पालिका अध्यक्ष अलका सिंह के द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। डा0 दिनेश कुमार चौरसिया क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी द्वारा नगर पालिका अध्यक्ष का स्वागत पुष्प गुच्छ एवं स्मृति चिन्ह देकर किया गया। मुख्य अतिथि नगर पालिका अध्यक्ष ने कहा की योग हमारे जीवन का अहम हिस्सा है। योग करने से शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक विकास आदि होता है। योग दिवस का मुख्य उद्देश्य लोगों में योगाभ्यास के प्रति जागरुकता लाने की है, क्योंकि, आजकल शारीरिक गतिविधि में कमी के कारण लोगों को विभिन्न समास्याएं होती हैं। नियमित कुछ देर योग का अभ्यास करके हम खुद को पूर्ण रूप से पूर्ण स्वस्थ रख सकते हैं। जिला विकास अधिकारी ने कहा कि अधिक से अधिक लोगों को योग का लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से 15 जून से 21 जून 2023 तक योग सप्ताह मनाया जाएगा। शासन द्वारा योग दिवस कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजित कराने के निर्देश दिए गए है। योग सप्ताह की शुरुआत आज की गई है। योगाभ्यास आर्ट ऑफ लिविंग के योग प्रशिक्षक समीर जौली, सारंग सिंह एवम आयुष विभाग से योग प्रशिक्षक यतेन्द्र विश्वकर्मा , शैलेंद्र सिंह, ऊषा चौरसिया के द्वारा कराया गया। कॉमन योग प्रोटोकॉल में ग्रीवा चालन,स्कंध चालन, सशकासन , शवासन इत्यादि कराया गया। इस दौरान डा राजेश झा मुख्य चिकित्सा अधिकारी, हरीश चंद्र नाथ बेसिक शिक्षा अधिकारी, डा ज्ञान चंद मौर्य,आयुष चिकित्सक, योग प्रशिक्षक जितेंद्र दीक्षित, पिंटू लाल,कंचन तिवारी,विक्रम ज्योति पाण्डेय, इत्यादि लोग उपस्थित रहें।

# चार दशक से सीओ चकबंदी कोर्ट में चल रहा मुकदमा-नहीं मिला न्याय

## सुस्त न्याय प्रणाली बन रहा विवाद का कारण

मुसाफिरखाना सरकारों द्वारा जनता को सस्ता और सुलभ न्याय दिलाने के उद्देश्य से समय-समय पर प्रयास जारी हैं बावजूद इसके 41 वर्षों से एक ही अदालत में सह खातेदारी का विवाद चकबंदी न्यायालय में विचाराधीन है दोनों पक्षों के एक-एक अधिवक्ता स्वर्गवासी हो चुके हैं संभव है कि न्याय मांगने वाला भी आज धरती पर जीवित न हो लेकिन मुकदमा जिंदा भी है और हष्ट पुष्ट भी आखिर में गरीबों को सस्ता और सुलभ न्याय मिले भी तो कैसे

जिक्र कर रहे हैं चकबंदी न्यायालयों में लंबित वादों की जहां पर गांव की गरीब जनता जमीन के छोटे से टुकड़े में अपना हक पाने के लिए लंबे समय तक मुकदमे बाजी के जंजाल में उलझे रहते हैं फिर भी न्याय नसीब नहीं होता आखिर यह कैसा न्याय जिसका कोई पैमाना ही न हो जी हां ऐसा ही एक मामला चकबंदी न्यायालय सीओ मुसाफिरखाना के यहां 1982 से लंबित है हनीफ बनाम केवला जिस की अग्रिम तारीख पेशी 20 जून है भनौली निवासी श्यामलाल मौर्य के मामा भुलई लावल्द थे बहन की लड़की केवला को उन्होंने बैनामा किया था 1973 में केवला देवी को 1/2 भाग का बैनामा हुआ एसडीएम न्यायालय में 33/ 39 का वाद दायर हुआ उसमें आदेश भी हो गया लेकिन दौरान चकबंदी कुछ नंबरों पर हुआ आदेश प्रभावी नहीं हुआ किसी सह खातेदारी को लेकर सीओ चकबंदी मुसाफिरखाना के न्यायालय में 41 वर्षों से मुकदमा चल रहा है हजारों तारीख पड़ चुकी हैं दो वकील स्वर्गवासी हो चुके हैं लेकिन न्याय अभी तक नहीं मिल सका यह है हाल चकबंदी न्यायालय में न्याय देने की परिपाटी का जोत चकबंदी अधिनियम की धारा 9क (2)में सह खातेदारी को 41 वर्षों पूर्व दायर किया गया मुकदमा आज भी जिंदा है नहीं मिला तो सिर्फ न्याय और न्याय मिलेगा भी तो किसे इसका भी कोई अता पता नहीं है ऐसे में गांव की गरीब जनता का विश्वास चकबंदी न्यायालयों पर आखिर कब तक बना रहे शासन प्रशासन को पहल करने की आवश्यकता तो है।

# चोरों ने लाइसेंसी बंदूक सहित लाखों के जेवरात उड़ाए

मुसाफिरखाना अमेठी कोतवाली क्षेत्र के शीतल पांडे मजरे बगिया बहोरखा गांव में अज्ञात चोरों ने घर के अंदर घुसकर 2 कमरों का ताला तोड़कर लाइसेंसी डीबीबीएल बंदूक लाखों के जेवरात एवं नगदी लेकर फरार हो गए सुबह जानकारी होने पर परिजनों ने घटना की सूचना कोतवाली पुलिस को दी मौके पर पहुंची कोतवाली पुलिस मामले की जांच पड़ताल शुरू कर दी।

रात क्षेत्र के पूरे शीतल पांडे मजरे बगिया बहोरखा निवासी धर्मेंद्र शुक्ला के घर के अंदर घुसकर 2 कमरों का ताला तोड़कर अज्ञात चोरों ने लाइसेंसी डीबीबीएल बंदूक सोने की दो चेन पांच सोने की अंगूठी मंगलसूत्र तीन पायजेब एक दर्जन पायल एवं 50 हजार नगदी लेकर फरार हो गए सुबह परिजनों को जानकारी होने पर घटना की सूचना पीड़ित धर्मेंद्र शुक्ला व ग्राम प्रधान ने डायल 112 को दी मौके पर पहुंची कोतवाली पुलिस घटनास्थल का निरीक्षण करते हुए मामले की जांच पड़ताल शुरू कर दी है इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक अमर सिंह ने बताया कि मामला संज्ञान में है जांच पड़ताल की जा रही है तहरीर मिलने पर मामला दर्ज कर शीघ्र घटना का खुलासा किया जाएगा।

सीधे प्रवेश
नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र
15% Fee Concession
(भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त)
पहले आओ पहले पाओ
15% Fee Concession

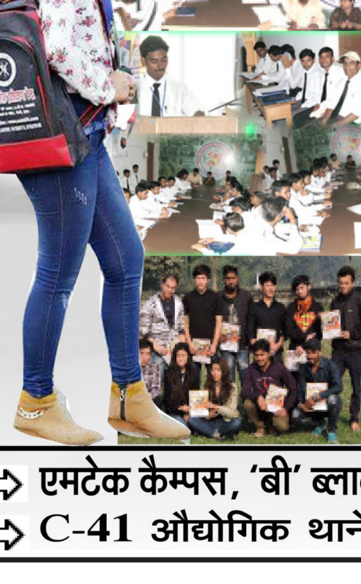

- कम्प्यूटर हार्डवेयर
- डाटा इंट्री ऑपरेटर
- फायर सेफ्टी
- कम्प्यूटर ऑपरेटर (कोपा)
- कम्प्यूटर टीचर ट्रेनिंग
- इलेक्ट्रीशिन
- सीएनसी प्रोग्रामिंग
- इलेक्ट्रिक मैकेनिक
- बेसिक कम्प्यूटिंग
- सीसीए
- वेल्डर
- फिटर
- रेफ्रीजरेटर एवं ए.सी.
- सिक्योरिटी सर्विस

Apply Online: www.nainiiti.com
प्रवेश हेल्पलाइन नं.:
8081180306 ,9415608710 ,8103021873
⇨ एमटेक कैम्पस, 'बी' ब्लाक, ए.डी.ए. कालोनी (पुलिस चौकी के पीछे), नैनी, प्रयागराज।
⇨ C-41 औद्योगिक थाने के पीछे औद्योगिक क्षेत्र UPSIDC नैनी, प्रयागराज।

# कर्नाटक के बहाने फडणवीस का उद्धव ठाकरे पर तंज, पूछा- अब आपकी विचारधारा कहां है?

नई दिल्ली। स्कूली पाठ्यक्रम से वीर सावरकर और केबी हेगड़ेवार पर अध्यायों को हटाने का हवाला देते हुए, भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने पूर्व सहयोगी उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना पर तंज कसा है। पत्रकारों से बात करते हुए, उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि दक्षिणी राज्य में कांग्रेस की सत्ता में वापसी के बाद कर्नाटक में स्कूल की पाठ्यपुस्तकों में संशोधन की उम्मीद थी। फडणवीस ने साफ तौर पर कहा कि उद्धव ठाकरे ने सत्ता के लिए अपनी विचारधारा से समझौता किया है। फडणवीस ने कहा कि कांग्रेस सावरकर और हेडगेवार को पाठ्यपुस्तकों से हटा सकती है लेकिन लोगों के दिलो-दिमाग से नहीं। महाराष्ट्र में विपक्ष कर्नाटक मॉडल को दोहराना चाहता है। मैं उद्धव ठाकरे

से पूछना चाहता हूं कि इस मुद्दे पर उनका क्या स्टैंड है? नागपुर में पत्रकारों से बात करते हुए, फडणवीस के पार्टी सहयोगी और भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले ने कहा कि ठाकरे को पाठ्यपुस्तक के मुद्दे के साथ-साथ पिछली सरकार द्वारा लाए गए धर्मांतरण विरोधी कानून को रद्द करने के कर्नाटक सरकार के फैसले पर अपना रुख स्पष्ट करना चाहिए। महाराष्ट्र के वरिष्ठ भाजपा नेताओं ने स्कूल की पाठ्यपुस्तकों को संशोधित करने के कर्नाटक सरकार के कदम को अल्पसंख्यक तुष्टिकरण बताया और शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे से इस मामले पर अपना रुख स्पष्ट करने को कहा। कांग्रेस की अगुवाई वाली कर्नाटक सरकार ने गुरुवार को आरएसएस के संस्थापक केबी हेडगेवार और हिंदुत्व के विचारक वीडी सावरकर सहित अन्य अध्यायों को हटाकर इस शैक्षणिक वर्ष के लिए राज्य में कक्षा 6 से 10 की कन्नड़ और सामाजिक विज्ञान की पाठ्यपुस्तकों के पुनरीक्षण को मंजूरी दे दी।

# पूर्वोत्तर रेलवे ने जागरूकता अभियान के तहत लोगो को किया जागरूक

**आधुनिक समाचार सेवा**

वाराणसी। पूर्वोत्तर रेलवे का वाराणसी मंडल यात्रियों की सुविधाओं के साथ-साथ आम जनता की संरक्षा व सुरक्षा के लिए लगातार प्रयासरत है। इसी क्रम में मंडल रेल प्रबंधक रामाश्रय पाण्डेय के निर्देशन में तथा सहायक मंडल संरक्षा अधिकारी प्रदीप कुमार सिंह के नेतृत्व में आज गुरुवार को वाराणसी मंडल पर अंतर्राष्ट्रीय समपार जागरूकता दिवस मनाया गया।

आज अन्तर्राष्ट्रीय समपार जागरूकता दिवस के अवसर पर सहायक मंडल संरक्षा अधिकारी श्री प्रदीप कुमार सिंह एवं सेफ्टी कौंसलरों द्वारा वाराणसी मंडल के वाराणसी सिटी-सारनाथ-राजवारी-औड़िहार रेल खण्ड के समपार फाटकों सं-25 स्पेशल,24 स्पेशल,22 सी,21 सी,19 सी,14 सी,12 स्पेशल,9 सी,7 सी एवं 02 बी रेलवे क्रासिंगों पर दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से वाराणसी मंडल के संरक्षा संगठन द्वारा मंडल स्तर पर अभियान चलाकर आस पास के नागरिकों स्कूल एवं विद्यालयों के बच्चों को संरक्षा के प्रति जागरूक किया। रेलवे फाटकों के नजदीकी गावों, ब्लाकों, आंगनबाड़ी केन्द्रों एवं विद्यालयों में संरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से सड़क उपयोगकर्ताओं हेतु रेलवे सुरक्षा बल के साथ संयुक्त जाँच एवं काउन्सलिंग अभियान चलाया गया।

इस दौरान 'जीवन समय से ज्यादा मूल्यवान है, समपारों को पार करने में सावधानी बरतें' 'समपारों के बन्द होने की स्थिति में उसके नीचे से न जांये' तथा 'समपार खोलने के लिये गेटमैन परअनर्गल दबाव न बनायें' स्लोगन का व्यापक प्रचार-प्रसार किया गया। इन संदेशों का आकाशवाणी एवं रेडियो के एफ.एम चैनलों पर प्रसारण किया गया । इसी क्रम में 15 लाख मोबाइल उपभोक्ताओं को एस.एम.एस. के माध्यम से इन संदेशों को भेजकर जागरूक किया गया। उल्लेखनीय है कि वाराणसी मंडल के बड़ी लाइन पर स्थित सभी अमानवित समपारों को समाप्त किया जा चुका है तथा मानवित समपारों को विभिन्न तरीकों से बन्द किया जा रहा है । वाराणसी मंडल पर लेवल क्रॉसिंग को खत्म करने के लिए लगातार प्रयास कर किया जा रहा है।

इन सबके बाद भी सतर्कता बरतने के लिए वाराणसी मंडल पर स्थित सभी समपार फाटकों पर पर्याप्त प्रकाश हेतु सोलर विद्युत प्रकाश रखने , समपार फाटकों पर सड़क की सरफेस को सुगम रखने,गेट सिगनल को दुरुस्त रखने,दोनों दिशाओं में चेतावनी बोर्ड के स्थापन,उचित दुरी पर गति-अवरोधक बनाने, गेट मैन ड्यूटी-हट पर पर्याप्त व्यवस्था रखने,बैरियर गिरने के पूर्व एलार्म बजने ,गेट खराब होने की दशा में गेट बंद करने हेतु सेफ्टी चेन लगाने एवं चेतावनी संकेत देने ,विद्युतीकृत एवं दोहरीकृत रेल खण्ड पर कार्य करने हेतु गेट मैनों को पर्याप्त संरक्षा ज्ञान सुनिश्चित करने तथा गेट बंद हो जाने पर अनाधिकृत प्रवेश पर रोक लगाया जाना तय किया गया।

पूर्वोत्तर रेलवे मण्डल रेल प्रबंधक वाराणसी के जनसम्पर्कअधिकारी अशोक कुमार ने मीडिया को बताया कि वर्तमान में अब मानवित यानि रक्षित समपारों को भी रोड अण्डर ब्रिज रोड ओवर ब्रिज के माध्यम से चरणबद्ध तरीके से समाप्त किया जा रहा है। इन्हीं प्रयासों का फल है कि पिछले वर्ष समपारों पर कोई भी परिणामी दुर्घटना नहीं हुई ।

# मंदिर के गर्भगृह में लगा सोना पीतल में हुआ तब्दील, पुरोहितों ने की आंदोलन की चेतावनी

नई दिल्ली।केदारनाथ धाम के मंदिर के गर्भगृह में पिछले साल एक दानदाता ने सोने की परत जड़ित प्लेटों को लगवाया था। इन प्लेटों को लेकर अब विवाद हो गया है। केदारनाथ के पुरोहितों ने सोने की परत जड़ित प्लेटों पर सवाल खड़े कर दिए है। चारधाम महापंचायत उपाध्यक्ष और केदारनाथ के वरिष्ठ तीर्थ पुरोहित आचार्य संतोष त्रिवेदी ने बीकेटीसी पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि मंदिर के गर्भ गृह में लगा सोना पीतल में तब्दील हो गया है। बता दें कि मुंबई के एक कारोबारी ने 230 किलोग्राम सोना दान किया था, जिससे मंदिर में सोने जड़ित परत दीवारों पर लगाई गई थी। अब जानकारी सामने आई है कि सोने की ये परतें गायब हो गई है। सोने की जगह मंदिर के गर्भगृह में पीतल की प्लेटें लग गई है। इन प्लेटों के बदलने में सवा अरब रुपये की धांधली को अंजाम दिया गया है, जिसका आरोप वरिष्ठ तीर्थ पुरोहित आचार्य संतोष त्रिवेदी ने लगाया है। उन्होंने ये भी चेतावनी दी है कि अगर सवा अरब रुपये का घोटाला करने वाले आरोपियों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई नहीं की गई तो विशाल जन आंदोलन को शुरू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि बीकेटीसी सरकार और प्रशासन में जो भी लोग इस पूरे मामले में जिम्मेदार हैं जाच में उनकी पहचान कर उनके खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए। बता दें कि तीर्थ पुरोहितों ने लगातार इस सोने को लगाने का विरोध किया था मगर इसके बाद भी यहां सोना लगाया गया था। मामले में बदरी-केदार मंदिर समिति ने केदारनाथ के वरिष्ठ तीर्थ पुरोहित आचार्य संतोष त्रिवेदी के आरोपों का विरोध किया है। उन्होंने संतोष त्रिवेदी के आरोपों को भ्रामक बताया है। इसे लेकर समिति के आरसी तिवारी ने बताया कि सोशल मीडिया पर एक वीडियो जमकर वायरल हो रहा है, जिसमें सोने की लागत को लगभग एक अरब बताया जा रहा है। इस वीडियो में बिना तथ्यों के भ्रामक जानकारी साझा की गई है। मंदिर के गर्भगृह में लगाया गया सोना 23,777.800 ग्राम है, जिसका मूल्य 14.38 करोड़ रुपये है। वहीं कॉपर की प्लेटों पर स्वर्ण जड़ित कार्य के लिए 1,001.300 किलोग्राम है, प्लेटें लगी थी, जिसकी लागत कुल 29 लाख रुपये है। सोशल मीडिया पर भ्रामक जानकारी फैलाने वालों के खिलाफ समिति ने सख्त कार्रवाई करनी शुरू कर दी है।

# अंतर्राष्ट्रीय हिंदू रक्षा मंच के संरक्षक बने समाजसेवी डॉ0 संदीप सरावगी

## हिंदू समाज के ज्वलंत मुद्दों को लेकर आचार्य विवेकानंद के सानिध्य में हुई चर्चा

**आधुनिक समाचार सेवा**

झाँसी। अंतर्राष्ट्रीय हिंदू रक्षा मंच जो काफी समय से हिंदू समाज के ज्वलंत मुद्दों पर कार्य कर रहा है जिसके अध्यक्ष आचार्य विवेकानंद का झांसी जनपद की प्रतिष्ठित समाज सेवी संस्था संघर्ष सेवा समिति में आगमन हुआ जहां संगठन के झांसी जनपद के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता गण उपस्थित रहे। साथ ही नए पदाधिकारियों को जोड़कर संगठन का विस्तार भी किया गया। आचार्य विवेकानंद ने संबोधित करते हुए कहा हिंदू समाज के ज्वलंत मुद्दे जैसे लव जेहाद, धर्मांतरण, गौ हत्या, जनसंख्या अस्थिरता, असमान नागरिक संहिता से समाज में द्वेष भावना बढ़ रही है इसके लिए हिंदू समाज को जागृत होना होगा खासतौर से सनातन धर्म की महिलाओं को, लव जिहाद जैसे मुद्दे हमारे समाज के लिए अभिशाप बन चुके हैं। वहीं अंतर्राष्ट्रीय हिंदू रक्षा मंच के संरक्षक एवं समाजसेवी डॉ0 संदीप सरावगी ने कहा वर्तमान में बढ़ती हुई जनसंख्या हमारे देश के लिए गंभीर मुद्दा बन चुकी है प्राकृतिक संपदाओं का दोहन बढ़ता जा रहा है जिससे महंगाई बेरोजगारी जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। हमारा संगठन संघर्ष सेवा समिति गौ संरक्षण पर विशेष रूप से कार्य कर रहा है आगामी समय में हम गौ संरक्षण के लिए एक बड़ा उपक्रम तैयार करने जा रहे हैं जिसमें सैकड़ों गायों को संरक्षण मिलेगा एवं उनसे लोगों की आय का श्रोत भी सृजित होगा। तत्पश्चात उन्होंने कहा पूरे देश में एक समान सिविल संहिता लागू होना चाहिए जिससे सभी को कानूनी रूप से समानता प्राप्त हो सके। कार्यक्रम में नए पदाधिकारियों के रूप में उमेश कुमार प्रजापति को जिला प्रभारी, किरण गौतम को जिलाध्यक्ष महिला मोर्चा, सोनू नामदेव को जिला अध्यक्ष युवा मोर्चा, गीता शर्मा को संरक्षक महिला मोर्चा, प्रहलाद साहू को जिला महामंत्री युवा मोर्चा एवं कविता शर्मा को महामंत्री महिला मोर्चा नियुक्त किया गया। इस अवसर पर रीना अधिकारी, रेनू गुप्ता, नीलम गुप्ता, शांति रायकवार, मनोरमा शर्मा, सुनीता गुप्ता, अमृता खरे, नीलिमा कौशले, वार्ड न0 5 से सभासद राहुल अहिरवार, करन सिंह, अजय राय, पूजा रायकवार, बसंत गुप्ता, सुशांत गेड़ा, राकेश अहिरवार, संदीप नामदेव, महेंद्र रायकवार, मिंटू बाल्मीकि, भूपेंद्र यादव, मीना मसीह, नीलू रायकवार, हाजरा रब आदि उपस्थित रहे।

# हमारी विभिन्न योजनाओं की वजह से आज पूरे देश में राजस्थान की चर्चा हैः गहलोत

जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने शुक्रवार को कहा कि राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं के चलते आज पूरे देश में राजस्थान की चर्चा है। उन्होंने कहा कि लंपी रोग से दुधारू गायों की मौत पर 40-40 हजार रुपये का मुआवजा देने वाला राजस्थान पहला राज्य बन गया है। गहलोत ने यहां मीडिया से बातचीत में अपनी सरकार के महंगाई राहत शिविरों का जिक्र किया। उन्होंने कहा,''इन शिविरों में सात करोड़ गारंटी कार्ड बंट चुके हैं, 1.60 करोड़ घर में हम लगभग पहुंच चुके हैं. इतना बड़ा अभियान चल रहा है। पूरे देश में चर्चा किसी राज्य की है तो उस राज्य का नाम राजस्थान है। फिर चाहे 25 लाख रुपये के स्वास्थ्य बीमा की बात हो या पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) की चर्चा हो। और भी कई योजनाएं हैं आठ-दस योजनाएं ऐसी हैं जो सिर्फ राजस्थान में शुरू हुई हैं।'' उन्होंने कहा,''(राजस्थान) पूरे देश में चर्चा का विषय बना हुआ है। अब कई राज्यों में बनने वाले चुनावी घोषणा पत्रों का आधार राजस्थान की योजनाएं ही हैं।'' इससे पहले गहलोत ने राजस्थान किसान महोत्सव को संबोधित किया और उन 41 हजार से अधिक किसानों/पशुपालकों के खातों में 175 करोड़ रुपये से अधिक की प्रत्यक्ष राशि अंतरित (डीबीटी) की जिनकी दुधारू गायों की मौत गांठदार लंपी रोग से हो गई। उन्होंने दावा किया कि राजस्थान देश का पहला राज्य बन गया है जिसने लंपी रोग से मरने वाली दुधारू गायों के मुआवजे के रूप में पशुपालकों को 40-40 रुपये डीबीटी किए हैं। गहलोत ने कहा,'' हमने बजट में घोषणा की थी कि लंपी से जिन पशुपालकों की दुधारू गाय मर गई हैं उन्हें हम 40-40 हजार रुपये प्रति गाय की दर से सहायता देंगे। अब हमने आगे के लिए बीमा कर दिया है, कामधेनु योजना के तहत हर परिवार में दो पशुओं (गाय हो या भैंस) 40-40 हजार रुपये का बीमा करवाया जाएगा। यह बीमा सरकार कराएगी ताकि पशुपालकों का विश्वास पशुपालन में बना रहे।'' मुख्यमंत्री ने कहा कि कृषि के अलावा पशुपालन भी रोजगार का बड़ा साधन होता है। किसानों के साथ साथ सरकार पशुपालकों को भी पूरी तवज्जो दे रही है। उन्होंने कहा कि हम पशुपालकों को अब हम दूध पर पांच रुपये प्रति लीटर बोनस दे रहे हैं। गहलोत ने दावा किया कि राजस्थान आज देश में दुग्ध संग्रहण में देश में 'नंबर वन' हो गया है।

# योग शिविरों में अच्छी संगत,सकारात्मक विचार, अच्छी शिक्षा पाकर बच्चे लाभान्वित होंगे-डा आरके आर्य

**आधुनिक समाचार सेवा**

नोएडा।गाज़ियाबाद अखिल भारतीय ध्यान योग संस्थान के तत्वावधान मे ई- ब्लॉक,जानकी वाटिका,नेहरू नगर में बाल योग एवं संस्कार शिविर में मुख्य अतिथि के रूप में पधारे स्वदेशी आयुर्वेद,हरिद्वार के निदेशक डा आर के आर्य का संस्थान के उपाध्यक्ष मनमोहन वोहरा ने शाल,पीत वस्त्र एवं माला द्वारा स्वागत किया गया।उन्होंने दीप प्रज्वलन कर सत्र को प्रारंभ किया और सुन्दर आयोजन व बहुआयामी प्रतिभा को बच्चों तक पहुंचाने के लिए आयोजकों को बधाई दी।डा आर्य ने बच्चों को जीवन में आगे बढ़ने के लिए जीवानुपयोगी सूत्र दिए नियम और संयम का पालन करें वाणी का प्रयोग घर और बाहर पहले तोलें फिर बोलें,अपनी वाणी से किसी को पीड़ा नहीं पहुंचायें।उन्होंने आगे कहा यह बच्चे हमारे कल का भविष्य हैं गाजियाबाद के नाम को रोशन करेंगे,जब ये अलग अलग क्षेत्रों में जाएंगे निश्चित रूप से यह छाप इनके मन पर रहेगी,यह शिविर आपको अच्छी

## अष्टांग योग के नियमों के आचरण से ही मानव का सुखी होना संभव है-मनमोहन वोहरा

शिक्षा,सकारात्मक विचार, अच्छी संगति दे रहा है,निश्चित रूप से आपको लाभ भी देंगे और प्रभावित भी करेंगे। इसके अतिरिक्त स्वस्थ रहने के लिए खान पान पर विषय

पर भी विस्तृत चर्चा की। योगी राम प्रकाश गुप्ता ने ओउम् की ध्वनि एवं गायत्री मंत्र के साथ सत्र को प्रारंभ किया। योगाचार्य नेतराम ने ताड़ासन, अर्धचन्द्राकार आसान,वृक्षासन, त्रिकोणासन, हाथों पैरों वा आखों के सूक्ष्म व्यायाम,इंजन दोड आदि योगाभ्यास कराए जिसे बच्चो ने बड़ी प्रसन्नता से किया। योग शिक्षिका विभा भारद्वाज ने मंत्रों के साथ सूर्य नमस्कार का अभ्यास कराया और लाभों को समझाया,बैठ कर विश्राम कराया और शिक्षा प्रद गीत 'दूसरों को सुधारना है अगर,अपना जीवन सुधार को पहले' सुनाया। संस्थान के उपाध्यक्ष श्री मनमोहन वोहरा ने बच्चों को खिलखिला कर हंसने की प्रेरणा दी उन्होंने बच्चों को महर्षि पतंजलि के अष्टांगयोग यम,नियम,आसन, प्राणायाम,प्रत्याहार,धारणा, ध्यान,समाधि के विषय में समझाया उन्होंने कहा हमें यम नियम का पालन करते हुए अपने शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य के साथ इस समाज को सशक्त बनाना है।हमें वेद,रामायण,गीता जैसे शास्त्रों का अध्ययन करना चाहिए। उपाध्यक्ष अशोक शास्त्री ने एक गीत सुनाकर भाव विभोर कर दिया।तालासन के साथ विभिन्न हांस्यासन कराकर बच्चों में ऊर्जा का संचार कर दिया। मुख्य शिविर संयोजिका वीना वोहरा,जोली शर्मा,उमा शर्मा, माला सिंह,रूपाली अग्रवाल, मोनिका गुप्ता,इन्दु गर्ग,शालिनी त्यागी,ज्योति आदि ने सुन्दर डेमोस्ट्रेशन दिया जिसे देखकर बच्चों ने बहुत अच्छे ढंग से अभ्यास किए। इस अवसर पर मुख्य रूप से प्रदीप गोयल,रेनू गोयल,डी के अरोड़ा,वीना गुप्ता,दर्शना मेहता, अनुराधा भटनागर एवं डा प्रमोद सक्सेना आदि मौजूद रहे। सर्वश्री जुगल किशोर गोयल,राम प्रकाश गुप्ता,अरविन्द गर्ग,सीमा अग्रवाल आदि का शिविर में सराहनीय सहयोग रहा। मंच का कुशल संचालन योगी प्रवीण आर्य ने किया। शांतिपाठ एवं अल्पाहार वितरण के साथ सत्र संपन्न हुआ।

# ग्रेनो प्राधिकरण पर 43 वें दिन भी धरना जारी रहा, किसानों की बिना शर्त रिहाई व मांगों के लिए समर्थन का दायरा बढ़ा

**आधुनिक समाचार सेवा**

नोएडा। अखिल भारतीय किसान सभा के नेतृत्व में ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण पर धरने के आज 53 वें दिन समाजवादी पार्टी का भारी-भरकम प्रतिनिधिमंडल व कांग्रेस का प्रतिनिधिमंडल धरने के मध्य पहुंचा और किसानों को अपना समर्थन दिया।

आज के धरने की अध्यक्षता संतराम भाटी ने व संचालन अजय पाल रामपुर ने किया।

समाजवादी पार्टी का प्रतिनिधिमंडल पहले जेल में बंद किसानों से मिलने जेल पहुंचा।

समाजवादी पार्टी के विधायक अतुल प्रधान ने बताया कि सरकार की मंशा किसानों के मुद्दे हल करने के बजाय उन्हें प्रताड़ित करके धरने को समाप्त करने की ज्यादा है उन्होंने बताया कि जब हम किसानों से मिलने जेल गए तो पहले तो हमें किसानों से मिलने नहीं दिया गया परंतु जब समाजवादी पार्टी का प्रतिनिधिमंडल जेल पर ही मिलने के लिए बैठ गया तब जेल प्रशासन ने हमारी किसानों से कई घंटे बाद मुलाकात कराई किसानों ने हमको बताया कि सुबह 8:00 बजे हमको रिहा कर दिया गया था परंतु 5 मिनट बाद ही दोबारा 151 के तहत अंदर बंद कर दिया गया अतुल प्रधान ने बताया कि सरकार किसानों के धरने पर बढ़ती हुई संख्या को देखकर घबराई हुई है और वह किसानों को किसी भी रूप में उलझा कर जेल के अंदर बंद रखना चाहती है जो बाहर लोग धरने को संचालित कर रहे हैं उन पर फर्जी मुकदमे लगाए जा रहे हैं और उनके घर पुलिस जाकर डराने और धमकाने का कार्य कर रही है। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव व पूर्व सांसद हरेंद्र मलिक ने बताया कि हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव जी ने 12 सदस्य प्रतिनिधि मंडल का गठन किया और हम लोगों को किसानों के मध्य बात करने के लिए भेजा हम लोगों ने जेल में मुलाकात करने के बाद धरने पर लोगों से बातचीत की और जिन लोगों को 6 जून की रात को पुलिस द्वारा लाठीचार्ज में चोट लगी थी उनसे भी मुलाकात की,अब हम अपनी रिपोर्ट बनाकर अपने राष्ट्रीय अध्यक्ष जी को सौंपेंगे और हमें उम्मीद है कि वह बहुत ही जल्द किसानों के मध्य आने के लिए समय निर्धारित करेंगे। कांग्रेस पार्टी से भी पूर्व मंत्री नसीमुद्दीन सिद्दीकी व प्रदेश अध्यक्ष बृजलाल खाबरी के नेतृत्व में नेताओं ने आकर समर्थन की घोषणा की उन्होंने बताया कि भाजपा सरकार गौतम बुद्ध नगर के अंदर ही नहीं बल्कि पूरे देश के अंदर किसान और मजदूरों पर अत्याचार कर रही है कांग्रेस सरकार ने नया भूमि अधिग्रहण कानून बनाकर किसानों के हित में कदम उठाया था परंतु भाजपा सरकार उसे लागू ही नहीं करना चाहते और जो लाभ किसानों को नई भूमि अधिग्रहण के तहत मिलना चाहिए उन लाभों से किसान वंचित है। बृजलाल खाबरी ने बताया कि हम बहुत ही जल्द कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मलिकार्जुन खरगे राहुल गांधी और प्रियंका वाड्रा से मुलाकात कर किसानों के साथ हुए अन्याय से अवगत कराएंगे और बहुत ही जल्द इन तीनों को किसानों के मध्य लाने का कार्य करेंगे। किसान सभा के जिला सचिव जल्दी नंबरदार ने बताया कि हम पिछले 53 दिन से बहुत ही शांतिपूर्वक धरना दे रहे हैं परंतु प्राधिकरण का कोई भी अधिकारी सरकार के प्रतिनिधि हमारी समस्याओं का निराकरण करने के लिए तैयार नहीं है जो हमारे साथी जेल के अंदर बंद है उन्हें भी अभी तक रिहा नहीं किया गया है शासन प्रशासन के लोगों को समझना चाहिए कि यह महापड़ाव बहुत ही लंबा हो गया है और लोगों में दिन पर दिन असंतोष व्यापक होता जा रहा है अगर आगे कोई भी अनहोनी घटना होती है तो की जिम्मेदारी शासन और प्रशासन की होगी।

आज के धरने में मुख्य रूप से राजकुमार भाटी फकीर चंद नागर सुनील भाटी इंद्र प्रधान सुधीर भाटी सतीश यादव अजय चौधरी एडवोकेट रणवीर मास्टर हरेंद्र खारी सुरेंद्र यादव रंगी लाल भाटी सुशील प्रधान टीकल नागर मनोज मास्टर रोहित बसोया विकास गुर्जर निशांत भाटी मोहित नागर रिंकू प्रधान अजय चौधरी, सीटू जिलाध्यक्ष गंगेश्वर दत्त शर्मा, महासचिव राम सागर, जनवादी महिला समिति की नेता आशा यादव, चंदा बेगम, किसान सभा केंद्रीय कमेटी सदस्य पुष्पेंद्र त्यागी व मनोज सहित हजारों की संख्या में किसान मौजूद रहे।

# पीड़ितों से मिले राज्यपाल, कहा- बंगाल में हर हाल में खत्म होनी चाहिए राजनीतिक हिंसा

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में पंचायत चुनाव का दौर लगातार जारी है। इसको लेकर राजनीति भी खूब हो रही है। दक्षिण 24 परगना जिले में भंगोर से हिंसा की खबर भी आई थी। बृहस्पतिवार को राजनीतिक कार्यकर्ताओं के बीच हुई झड़पों में तीन लोगों की मौत हो गई थी और कई घायल हुए थे। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने शुक्रवार को दक्षिण 24 परगना जिले में भंगोर का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने साफ तौर पर कहा कि राज्य में राजनीतिक हिंसा हर हाल में खत्म होनी चाहिए। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सी. वी. आनंद बोस ने कहा कि राज्य में राजनीतिक हिंसा हर हाल में खत्म होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि मैंने हिंसा के पीड़ितों और स्थानीय लोगों से बातचीत की। मैंने जो देखा, सुना और अनुभव किया उसके वस्तुपरक विश्लेषण के आधार पर आगे की कार्रवाई करना चाहूंगा। इन चुनावों में हिंसा पहली पीड़ित होगी। हिंसा एक धीमी मौत मरेगी। हिंसा के अपराधियों को संविधान और क़ानून के तहत हमेशा के लिए शांत किया जाएगा। उन्होंने कहा कि बंगाल के शांतिप्रिय लोगों को अपने मताधिकार का प्रयोग करने में सक्षम होना चाहिए। उन्होंने कहा कि बंगाल के कुछ हिस्सों में कुछ अवांछित घटनाएं हुई हैं। किसी भी तरह की हिंसा बर्दाश्त नहीं की जाएगी और हमें इसे रोकना होगा। पश्चिम बंगाल में आठ जुलाई को होने वाले पंचायत चुनाव के लिए नामांकन को लेकर जारी हिंसा के दौरान बृहस्पतिवार को दो जिलों में तीन लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी गई जबकि कई अन्य घायल हो गए।पुलिस अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि दक्षिण 24 परगना जिले के भांगर में दो लोगों की हत्या कर दी गई जबकि उत्तर दिनाजपुर जिले के चोपड़ा में उद्रवियों ने एक युवक को गोली मारकर मौत के घाट उतार दिया। बृहस्पतिवार नामांकन पत्र दाखिल करने का अंतिम दिन था। विपक्षी दलों ने आरोप लगाया है कि सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस के समर्थकोंने उनके उम्मीदवारों को नामांकन पत्र दाखिल करने से रोकने के लिए हिंसा की। हालांकि राज्य सरकार ने दावा किया कि बुधवार तक सत्तारूढ़ दल की तुलना में विपक्षी दलों के ज्यादा उम्मीदवारों ने नामांकन किया।

# ममता का कांग्रेस पर वार, कहा-माकपा से हाथ मिलाने के बाद आप बंगाल में हमसे सहयोग मांगने न आएं

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में पंचायत चुनाव को लेकर राजनीतिक बवाल जबरदस्त तरीके से जारी है। विपक्षी दल तृणमूल कांग्रेस पर हिंसा को लेकर आरोप लगाए हैं। कांग्रेस, भाजपा सहित तमाम विपक्षी दल तृणमूल कांग्रेस पर जबरदस्त तरीके से हमलावर हैं। इन सब के बीच आज ममता बनर्जी ने पूरे मामले पर पलटवार किया है। ममता बनर्जी ने साफ तौर पर कह दिया है कि कांग्रेस अगर राज्य में भाजपा और सीपीआईएम का सहयोग करती है तो हमसे राष्ट्रीय स्तर पर समर्थन की उम्मीद ना करें।

दक्षिण 24 परगना में ममता बनर्जी ने कहा कि आज जो लोग बोल रहे हैं कि बंगाल में शांति नहीं है, मैं उनसे पूछती हूं कि ण्ड्ढ(श) के राज में कौनसी शांति थी। कांग्रेस तो बहुत राज्यों में रही है, वे संसद में हमारा सहयोग चाहते हैं। उन्होंने कहा कि हम भाजपा के खिलाफ उनका साथ देने को तैयार हैं लेकिन ण्ड्ढ(श) से हाथ मिलाने के बाद आप बंगाल में हमसे सहयोग मांगने न आएं। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि आज आप(कांग्रेस, ण्ड्ढ(श), भाजपा) बड़ी-बड़ी बातें कर रहे हैं लेकिन जब आप सत्ता में थे तब आपकी क्षमता सिर्फ लोगों को मारने की थी। उन्होंने कहा कि आज कांग्रेस, ण्ड्ढ(श), भाजपा सब साथ हैं।

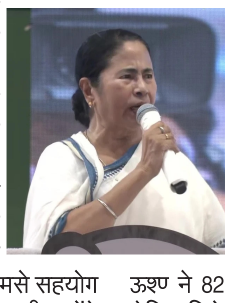

नामांकन के दौरान भांगर के र्श्ई ने गुंडागर्दी की। क्या आपको एक र्श्ई होकर ऐसा करते हुए शर्म नहीं आई? ममता ने कहा कि कल तक पंचायत चुनाव के लिए 2 लाख 31 हज़ार नामांकन हुए जिसमें से ऊश्ण ने 82 हजार नामांकन किया लेकिन विरोधी दल ने एक-डेढ़ लाख नामांकन किया। ऊश्ण कुछ करे तो खराब और भाजपा के ज्यादातर लोग चोर, डकैत, गुंडे हैं। मैं जब तक रहूंगी तब तक कभी भेदभाव नहीं करूंगी। इस पंचायत चुनाव के दौरान मैं ऐलान करती हूं कि 2024 में हम नरेंद्र मोदी को उनकी कुर्सी से हटा देंगे। इससे पहले पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सी. वी. आनंद बोस ने कहा कि राज्य में राजनीतिक हिंसा हर हाल में खत्म होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि मैंने हिंसा के पीड़ितों और स्थानीय लोगों से बातचीत की। मैंने जो देखा, सुना और अनुभव किया उसके वस्तुपरक विश्लेषण के आधार पर आगे की कार्रवाई करना चाहूंगा। इन चुनावों में हिंसा पहली पीड़ित होगी। हिंसा एक धीमी मौत मरेगी। हिंसा के अपराधियों को संविधान और क़ानून के तहत हमेशा के लिए शांत किया जाएगा।

# सोनभद्र को नंबर वन बनाने के लिए काम कर रही सरकार- मुख्यमंत्री

## विकास में व्यवधान डाल रहा विपक्ष-सीएम योगी

**आधुनिक समाचार सेवा**

सोनभद्र।जिले मे 417करोड़ की 217 विकास परियोजनाओं की सौगात देने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आज सोनभद्र पहुंचे।एक विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने विपक्ष पर हमला बोला। सोनभद्र को नंबर वन बनाने की बात कही।

मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ आज शुक्रवार को सोनभद्र पहुंचे। जनपदवासियों को 414 करोड़ लागत की 217 विकास परियोजनाओं की सौगात दी। डायट परिसर में आयोजित कार्यक्रम में जनसभा को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने सोनभद्र जिले को विकास के पैमाने पर नंबर बनाने की बात कही। तो वहीं विपक्ष पर निशाना साधने से नहीं चूके।

इस दौरान मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि सोनभद्र जिले को सोनांचल के तौर पर विकसित करना है। सोनभद्र को यूपी का नंबर वन जिला बनाने के लिए सरकार काम कर रही है। यह बात विपक्ष को रास नहीं आ रहा है। नकारात्मक राजनीति होने वाले विकास की संभावनाओं पर बाधा पैदा कर रहा है। विपक्ष विकास में व्यवधान डाल रहा है। जनसभा में मौजूद भीड़ से मुख्यमंत्री ने बच्चों को स्कूल भेजने की अपील की। इससे पहले सीएम योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में विगत 09 वर्षों में पर्यावरण संरक्षण, ऊर्जा के अक्षय प्राकृतिक स्रोतों के सदुपयोग के द्वारा देश का सतत विकास सुनिश्चित हुआ है।

करीब डेढ़ साल बाद सीएम की जनसभा 'माता भूमिः पुत्रोऽहं पृथिव्याः' भाव को साकार करती पीएम मोदी की जैव संरक्षण केंद्रित नीतियों और मिशन लाइफ जैसे अभियानों ने सतत वृद्धि के विचार को आकार प्रदान किया है। कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही, स्टांप पंजीयन व न्यायालय शुल्क विभाग के मंत्री रवींद्र जायसवाल और समाज कल्याण विभाग के राज्य मंत्री संजीव सिंह गोंड ने सीएम का स्वागत किया। करीब डेढ़ साल बाद सीएम की जिला मुख्यालय पर जनसभा हुई।

इन परियोजनाओं का शिलान्यास आईटीआई राबर्ट्सगंज व दुद्धी में आधुनिक कार्यशाला व प्रशिक्षण कक्ष, राजकीय हाईस्कूल खरहरा, कुसुम्हा, मऊकला, मारकुंडी घाटी, सुकृत, डायट परिसर में बाउंड्रीवाल व सुंदरीकरण, शिवद्वार मंदिर के पर्यटन स्थल के लिहाज से विकास कार्य, राजकीय प्रक्षेत्र ओबराडीह में हाईटेक वेजिटेबल सीडलिंग प्रोडक्शन इकाई, लोढ़ी में सोन ईको प्वाइंट पर सुंदरीकरण आदि।

इनका लोकार्पण राजकीय महाविद्यालय बभनी, हाथीनाला, बभनी, पिपरी, मांची, शाहगंज, करमा, घोरावल व महिला थाने में बैरक व विवेचना कक्ष, घोरावल में हाईटेक वेजिटबेल सीडलिंग प्रोडक्शन इकाई, बसुहारी पंप नहर परियोजना, 70 कंपोजिट विद्यालय में टैब लैब, पर्यटन विभाग के वे फाइंडिंग एवं ट्रैफिक साल्यूशन आदि।

# चैंपियंस क्लब चुर्क ने मून लाइट को 17 रनो से हराकर महादेव कप 2023 का खिताब अपने नाम किया

**आधुनिक समाचार सेवा**

सोनभद्र । नगर के घुवास कॉलोनी स्थित खेल मैदान पर आयोजित प्रथम रात्रिकालीन ऊ-10 कैनवस क्रिकेट प्रतियोगिता में बुधवार को चैंपियंस क्लब चुर्क ने मून लाइट को 17 रनों से हराकर महादेव कप-2023 का खिताब अपने नाम किया। इस दौरान मुख्य अतिथियों जिला समाज कल्याण अधिकारी रामशंकर यादव, डीपीआरओ विशाल सिंह और जनपद न्यायालय के इंट दिलीप कुमार जायसवाल ने विजेता और उपविजेता टीम को पुरस्कृत किया।

इससे पूर्व पहला सेमीफाइनल मुकाबला सन लाइट और मून लाइट रॉबर्ट्सगंज के बीच खेला गया। जिसमें मून लाइट ने आनन्द चौबे के शानदार 28 रनों की बदौलत निर्धारित 10 ओवरों में रन बनाये। वहीं लक्ष्य का पीछा करने उतरी सन लाइट की टीम रनों पर ही ऑल आउट हो गयी। इस मैच में मून लाइट के आनंद चौबे को शानदार बल्लेबाजी के लिए मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया। वहीं दूसरा सेमीफाइनल मुकाबला प्रयागराज और चुर्क के बीच खेला गया। जिसमें चुर्क ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 56 रनों के एक सम्मानजनक स्कोर खड़ा किया। वहीं लक्ष्य का पीछा करने उतरी प्रयागराज की टीम 33 रनों पर ही ऑल आउट हो गयी। इस मैच में चुर्क के शमशेर को मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया।

वहीं मून लाइट और चुर्क के बीच हुए फाइनल मुकाबले में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए चुर्क की टीम निर्धारित 10 ओवरों में 42 रन ही बना सकी। वहीं लक्ष्य का पीछा करने उतरी मून लाइट की मनीष की घातक गेंदबाजी (3विकेट) के आगे 28 रनों पर ही ऑल आउट हो गयी। फाइनल मैच में चुर्क के मनीष को मैच का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी घोषित किया गया। वहीं मून लाइट के कौस्तुभम मिश्रा को पूरे टूर्नामेंट में बेहतरीन हरफनमौला प्रदर्शन के लिए का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी घोषित किया गया। वहीं चुर्क के मनीष को सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज और प्रयागराज के फैजल को सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज घोषित किया गया।

मैदानी एम्पायर की भूमिका जीतू, अनुपम पांडेय और मोबाइल एम्पायर की भूमिका में धर्मेश और अमित मौर्या ने निभाई जबकि स्कोरर आनन्द मौर्या रहे। वहीं बलराम सोनी और प्रीतम पांडेय ने अपनी कमेंट्री से दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। इस दौरान महादेव कमेटी के अध्यक्ष डॉ0 अनिल पासवान, कोषाध्यक्ष सूर्या, शशांक मिश्रा, मेराज खालिद, मेराज फिरोज, पंकज, अनिल, अजय, माजिद, आयुष, प्रिंस समेत भारी संख्या में दर्शकों ने मैच का लुफ्त उठाया।

# जिलाधिकारी ने विकास खण्ड मझवा, सीखड़ नरायनपुर व जमालपुर में ग्राम प्रधानों के साथ बैठक कर किया सवांद कर योजनाओं को जन-जन पहुंचाने पर दिया बल

## गांव के गौरवशाली इतिहास के बारे में भी आने पीढ़ी को दे जानकारी

**सरकारी जमीनों, चकरोड व नाले, नालियों पर अवैध कब्जा करने वालों को चिहिन्त कर सम्बन्धित उप जिलाधिकारी को दे रिपोर्ट, कराया जायेगा खाली**

**आधुनिक समाचार सेवा**

मिर्जापुर। जिलाधिकारी दिव्या मित्तल ने आजव मुख्य विकास अधिकारी श्रीलक्ष्मी वीएस के साथ विकास खण्ड मझवा, सीखड़, नरायनपुर व जमालपुर के सभागारों में सम्बन्धित विकास खण्ड ग्राम प्रधानों के साथ बैठक करते हुये संवाद स्थापित किया तथा गांव के चहुमुखी विकास व केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा संचालित जन कल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने पर बल दिया। उन्होने कहा कि संचालित जन कल्याणकारी एवं विकास परख योजनाओं की घर-घर पहुंचाने एवं धरातल पर शत प्रतिशत लागू करने में ग्राम प्रधान महत्वपूर्ण कड़ी साबित हो सकते हैं। उन्होने कहा कि वे अपने गांव को मॉडल गांव बनाने की दिशा में ले जाये। इसके लिये गांव निर्माणाधीन परियोजनाओं की गुणवत्ता एवं निर्मित परियोजनाओं के सौन्दर्यीकरण हेतु उसके आस पास सफाई, वृक्षारोपण, चित्र पेंटिंग आदि कराना सुनिश्चित करायें ताकि गांव मॉडल गॉव के रूप में दिखायी पड़े। उन्होने कहा कि केन्द्र व प्रदेश सरकार द्वारा संचालित प्रत्येक योजना को प्रत्येक पात्र व्यक्ति के दरवाजे तक पहुंचाने के लिये उनमें जन जागरूकता लायी जाय। उन्होने कहा कि प्रधानमंत्री आवास मुख्यमंत्री आवास, सम्पर्क मार्ग, विभिन्न पेंशन, शिक्षा, स्वास्थ्य आदि के योजनाओं से लोगो को लाभान्वित करने की दिशा में कार्य करे तथा आवेदनोंपरान्त पूरी पादर्शिता के साथ पात्र व्यक्तियो का ही चयन सुनिश्चत कराये। जिलाधिकारी ने कहा कि ग्राम सभाओं की जमीनों सहित चकरोड, पगडंडी नाला नालियों सहित किसी भी सरकारी जमीन पर यदि किसी के द्वारा अवैध कब्जा किया गया हो तो उसे चिहिन्त करते सम्बन्धित उप जिलाधिकारी को उपलब्ध करा दे उसकी जांच कराते हुये जमीनो को खाली कराया जायेगा तथा दोषियों के विरूद्ध भू माफिया के विरूद्ध कार्यवाही की जायेगी। उन्होने सभी सम्बन्धित लेखपालों को भी निर्देशित करते हुये कहा कि अपने गांव में रहकर जन समस्याओं को सुने तथा उसका निस्तारण सुनिश्चित करायें। जिलाधिकारी ने यह भी कहा कि गांव के गारैवशाली के इतिहास के बारे में भी आने वाली पीढ़ियों को अवगत करायें तथा गांव में लाइब्रेरी बनाते हुये यह भी सुनिश्चित करें कि गांव के बच्चें शिक्षा प्राप्त करने के बाद किस क्षेत्र में जाना चाहते हैं उसकी रूचि के अनुसार स्लोगन, चित्रकला आदि बनवाकर उन्हें उस दिशा में प्रोत्साहित किया जाय। इस अवसर पर जिला पंचायत राज अधिकारी अरविन्द कुमार, तहसीलदार चुनार नूपुर सिंह सम्बन्धित विकास खण्ड के खण्ड विकास अधिकारी उपस्थित रहें।

# नगर विधायक रत्नाकर मिश्र ने प्रेस वार्ता कर सरकार की उपलब्धियों को गिनाया

**आधुनिक समाचार सेवा**

मिर्जापुर। लालडिग्गी स्थित एक स्कूल के सभागार में प्रेस वार्ता नगर विधायक रत्नाकर मिश्र द्वारा आयोजित की गई । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार की सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के 09 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में पत्रकारों से वार्ता करते हुए बताया कि 2004-2014 भारत के विकास यात्रा में ये 10 साल थ्रद्रू अॢम् रहा है। 10 साल देश ने कमजोर नेतृत्व का दंश झेला, रिमोट कंट्रोल वाली सरकार कैसे चलती थी, ये बात किसी से छिपी नहीं । सरकार और एक परिवार के चक्कर में देश के सबसे कीमती 10 साल बर्बाद हो गए । इन 10 सालों में भारत को 'ुित ग्नि' अर्थव्यवस्था कहा जाने लगा, कमर तोड़ महंगाई, विकास दर बेहद कम, देश का आत्मविश्वास ही कमजोर पड़ चुका था। नगर विधायक रत्नाकर मिश्र ने बताया कि 10 साल में भारत की हालत क्या हो गई थी ये बात न दुनिया से छिपी थी, न देशवासियों से । देश की 130 करोड़ जनता ने नरेंद्र मोदी के नेतृत्व पर भरोसा कियाऔर इस भरोसे ने 2014 से 2023 के 9 साल में ही देश में शांति, समृद्धि और विकास की प्रगति के साथ-साथ स्केल भी दिखाई । उन्होंने कहा कि भारत ने वो दिन भी देखा है, जब पोलियो, टिटनेस और बीसीजी जैसे टीकों को भारत आने में 50 से ज्यादा साल लग गए थे । ड्रोन से वैक्सीन डिलिवरी दुर्गम इलाकों में भारत सरकार ने सुनिश्चित कराई । मोदी सरकार ने रिकॉर्ड समय में लाखों लोगों का

टीकाकरण करने का लगभग असंभव कार्य हासिल किया, और वह भी एक सदी में सबसे खराब ज्ञात वैश्विक महामारी के सामने । पहले भारत पश्चिम से दवाओं और टीकों के लिए निर्भर था, भारत ने दो स्वदेशी ण्व्न्छ३-19 टीके विकसित किए और कई देशों को जीवन रक्षक दवाओं की आपूर्ति की। गरीब परिवार में जन्मे मोदी ने गरीबों के कष्ट को समझा । बीमारी और इलाज से होने वाली समस्याओं और उनके आर्थिक परिणामों से गरीब डरता था, त्रस्त था । स्वतंत्र भारत के इतिहास में पहली बार लालकिले की प्राचीर से सैनिटरी पैड का जिक्र किया । अब 11.4 करोड़ किसान सम्मान राशि पा रहे हैं । फसल बीमा के अंतर्गत 1.4 लाख करोड़ रूपये के क्लेम किसानों को मिले हैं । माइक्रो इरीगेशन और सूक्ष्म सिंचाई से करोड़ों किसानों की पैदावार बढ़ी है, वो कृषि में नई तकनीक का इस्तेमाल कर रहे हैं । किसानों की मौसम पर निर्भरता कम हुई है। भारत इस समय दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है । विशेषज्ञों का अनुमान है कि अगर भारत इसी तरह बढ़ता रहा, तो यह 2047 तक 40 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बन जाएगा - भारत की स्वतंत्रता का शताब्दी वर्ष । के साथ - साथ नगर विधायक नगर विधानसभा में प्रदेश सरकार की 06 वर्ष के उपलब्धियों के विषय में चर्चा करते हुए कहा कि रू0 5.93 करोड़ की लागत से विन्ध्याचल में गंगा नदी के दाहिने किनारे पर पक्का घाट / स्नान घाट का निर्माण । रू0 78.95 लाख की लागत से विन्ध्याचल में 09 घाटो पर सोलर हाईमास्ट की स्थापना का कार्य । रू0 50.00 लाख की लागत से ग्राम चेतगंज स्थित मंदिर एवं तालाब को सम्मिलित कराने, मंदिर का सुंदरीकरण एवं पर्यटन विकास कार्य । रू0 88.00 लाख की लागत से विन्ध्याचल में वे फाइडिंग एवं ट्रैफिक सॉल्यूशन की स्थापना का कार्य । रू0 10.86 करोड़ की लागत से राजकीय पॉलिटेक्निक 60 शैय्या महिला छात्रावास, आई0टी0 ब्लॉक, इलेक्ट्रॉनिक लैब एवं वर्कशॉप एवं पुस्तकालय का निर्माण । रू0 7.31 करोड़ की लागत से अकोढ़ी ग्राम में कर्णावती नदी के अकोढ़ी बबुरा जोपा मार्ग पर सेतु एवं पहुँच मार्ग का निर्माण कार्य । रू0 4.80 लाख की लागत से ड्राइविंग ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट का निर्माण कार्य । रू0 1.03 करोड़ की लागत से राही पर्यटक आवास गृह (होलट जानवी) का उच्चीकरण एवं सौंदर्यीकरण का कार्य । रू0 48.69 लाख की लागत से व स्टॅाप सेंटर का निर्माण कार्य । रू0 1.40 करोड़ की लागत से राजकीय रेशम प्रशिक्षण संस्थान, हडौरा मीरजापुर की स्थापना । रू0 127.30 करोड़ की लागत से विंध्य कॉरिडोर का कार्य निर्माणाधीन । के साथ - साथ अनेकों किये हुए कार्यों को बताया । अन्त में नगर विधायक द्वारा आये हुए पत्रकार बंधुओं का आभार व्यक्त किया ।

## शास्त्री सेतु का मरम्मत, भारी वाहनों का आवागमन होगा फिर से शुरु

**आधुनिक समाचार सेवा**

7.48 करोड़ में होगी शास्त्री सेतु की मरम्मत, मुंबई की कम्पनी को दिया गया टेंडर, 4 से 5 महीने में होगा शास्त्री सेतु का मरम्मत, भारी वाहनों का आवागमन होगा फिर से शुरू, दुध्धि लुम्बिनी मार्ग को जोड़ने वाला शास्त्री सेतु 9 महीने से भारी वाहनों के लिए है बन्द , हर बार मरम्मत के बाद इंजीनियरों की टीम देती है पुल के सही होने का क्लियरेंस, साल भर भी नही चलता करोड़ो रुपये से मरम्मत हुआ पुल, 3 साल में तीसरी बार मरम्मत के लिए हुए टेंडर, वर्ष 2020 में 8 करोड़, 2021/22 में 5.64 करोड़ से हुआ था पुल का मरम्मत, वर्ष 1976 में जिले में बना था पहला पक्का पुल ।

# पेट्रोल टंकी के बगल में संदिग्ध परिस्थितियों में लगी आग

**आधुनिक समाचार सेवा**

दुद्धी/ सोनभद्र ।स्थानीय कस्बा के चीर घर के पास स्थित जिओ ऑफिस के ठीक पीछे खेत मे बेहाया की फुलवारी में संदिग्ध परिस्थितियों में आग लगने से हड़कम्प मच गया पेट्रोल टंकी कर्मी एवं अन्य लोगों ने

घंटों मशक्कत कर आग पर काबू पाने का प्रयास किया लेकिन तेज आग पर काबू पाना आसान नहीं था घंटों बाद पहुंची फायर ब्रिगेड की वाहन ने आग पर किसी तरीके से काबू पाया तब जाकर लोगों ने राहत की सांस ली ।अगलगी से कोई भी जान माल की हानि नही हुई ,आग किन परिस्थितयो में लगी इसका पता नही चल पाया है ।

**आधुनिक समाचार ब्यूरो प्रभारी चिंता पाण्डेय हुई सम्मानित।**

# महुअरिया के लाल ने किया कमाल एमबीबीएस में,5वीं बार प्रयास में हुआ सफ़ल

## 720 में 625 अंक प्राप्त कर देश मे लाया 16195 रैंक

**आधुनिक समाचार सेवा**

दुद्धी/ सोनभद्र। पेशे से किसान महुअरिया निवासी सत्यदेव के तीसरे नम्बर पर सबसे छोटे पुत्र परमानंद का चयन एमबीबीएस में हो गया ,नीट की परीक्षा में 720 अंकों में 625 अंक लाकर पूरे देश मे 16195 रैंक लाया है , परमानन्द का सपना कुशल चिकित्सक बन कर देश का सेवा करना है । उधर मंगलवार को नीट परीक्षा का परिणाम आते ही अपने पुत्र का चयन होने की खबर जान परमानंद के माता पिता खुशी के मारे उछल पड़े । परमानंद के पिता सत्यदेव जहां किसान है वहीं उनकी माँ शीला देवी गृहणी है जो खेती किसानी में अपनी पति का हाथ बंटाती हैं।

परमानंद ने बताया कि उन्हें शुरू से ही सपना था कि वे

**पेशे से किसान पिता के पुत्र का सपना हुआ साकार**

चिकित्सक बनेंगे लेकिन घर की माली स्थिति देखकर सपना पूरा होने भरोसा नही हो रहा था लेकिन उन्होंने हिम्मत नही हारी और पांचवे प्रयास में नीट का एग्जाम क्रैक किया । परमानंद ने बताया कि उनकी शुरुवाती शिक्षा दिखा महुअरिया गांव में ही हुई गांव के ही राजा चन्डोल विद्यालय से हाईस्कूल किया उसके बाद जीआईसी दुद्धी से इंटरमीडिएट किया ,बीएससी की पढ़ाई अनपरा के अवधूत भगवान राम कालेज से किया उसके बाद नीट की तैयारी के लिए वे 2017 में कोटा राजस्थान चले गए जहां दो वर्षों तक तैयारी की उसके नीट की परीक्षा देने में जुट गए ,कोटा से लौटकर कानपुर आये और वहां तीन वर्षों तक सेल्फ स्टडी में जुटे रहे पर हार नहीं मानी और आखिरकार पांचवे प्रयास में उनका चयन नीट परीक्षा में हो गया ,उन्होंने बताया कि आगे एमएम एमडी की पढ़ाई कर कुशल चिकित्सक के रूप में देश मे सेवाएं देंगे।

# मंजू रानी ने महिलाओं की 35 किमी पैदलचाल जीती लेकिन एशियाड के लिये क्वालीफाई नहीं कर सकी

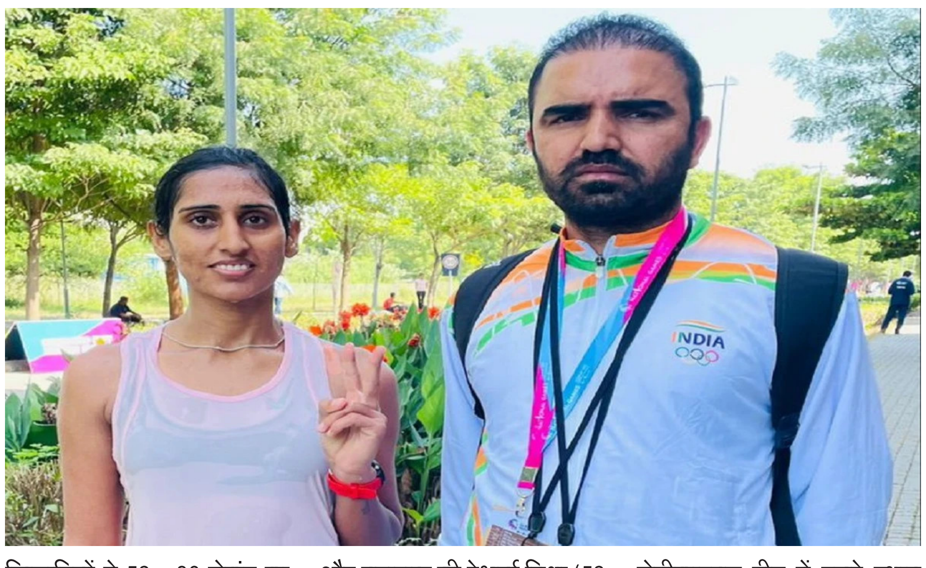

भुवनेश्वर। राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी पंजाब की मंजू रानी ने राष्ट्रीय अंतर प्रांत एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में महिलाओं की 35 किलोमीटर पैदल चाल जीती लेकिन एशियाई क्वालीफाइंग मार्क नहीं छू सकी। 24 वर्ष की रानी ने बेहद गर्मी और उमस के बीच तीन घंटे 21 मिनट और 31 सेकंड में रेस पूरी की। एशियाई खेलों का क्वालीफाइंग मार्क 2 : 58 . 30 है। उसने फरवरी में रांची में भारतीय पैदल चाल चैम्पियनशिप में 2 : 58.30 का समय निकाला था। हरियाणा के जुनैद खान ने पुरुष वर्ग में तीन घंटे 37 सेकंड का समय निकालकर जीत दर्ज की लेकिन एशियाई खेलों का दो घंटे 35 मिनट का क्वालीफाइंग आंकड़ा नहीं छू सके। राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी राम बाबू ने इस टूर्नामेंट में भाग नहीं लिया। उन्होंने रांची में दो घंटे 31 मिनट 36 सेकंड का समय निकालकर खिताब जीता था। महिलाओं की 400 मीटर दौड़ सेमीफाइनल में चार खिलाड़ियों ने 52 . 96 सेकंड का एशियाई खेल क्वालीफाइंग मार्क पार किया। हरियाणा की अंजलि देवी ने 52 . 03 सेकंड का समय निकाला। तमिलनाडु की विद्या राज (52 . 43) दूसरे, हरियाणा की हिमांशी मलिक (52 . 46) तीसरे और महाराष्ट्र की ऐश्वर्या मिश्रा (52 . 73) चौथे स्थान पर रहीं। पुरुष वर्ग में केरल के मुहम्मद अजमल (45 . 51) ने टूर्नामेंट का रिकॉर्ड तोड़ा।वहीं केरल के ही राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी मुहम्मद अनस 45 . 63 सेकंड का समय निकालकर सेमीफाइनल हीट में दूसरे स्थान पर रहे। ओडिशा की स्रबानी नंदा ने 11 . 69 सेकंड का समय निकालकर महिलाओं के 100 मीटर फाइनल में प्रवेश कर लिया। ज्योति याराजी ने 11 . 72 सेकंड के साथ फाइनल में जगह बनाई।

## भारत ने जापान को हराया, सेमीफाइनल में मुकाबला मलेशिया से

चेन्नई। दूसरी वरीयता प्राप्त भारत एसडीएटी डब्ल्यूएसएफ स्क्वाश विश्व कप में पूल बी के मैच में जापान को 3 . 1 से हराकर शीर्ष पर रहा और अब सेमीफाइनल में सामना मलेशिया से होगा। भारत पहली बार सेमीफाइनल में पहुंचा है जहां चौथी वरीयता प्राप्त मलेशिया से खेलेगा। भारतीय टीम में अभय सिंह, जोशना चिनप्पा, सौरव घोषाल और तन्वी खन्ना हैं। भारत ने पहले दो मैचों में हांगकांग चीन और दक्षिण अफ्रीका को 4 . 0 से हराया था। जापान पर मिली जीत के बाद यह तय हो गया कि सेमीफाइनल में उसे शीर्ष वरीयता प्राप्त मिस्र से नहीं खेलना होगा। भारत की शुरुआत खराब रही और अभय सिंह को तोमोताका एंडो ने हरा दिया। अगले मैच में हालांकि जोशना चिनप्पा ने सातोमी वातानाबे को हराया। फिर भारत के नंबर एक पुरुष खिलाड़ी सौरव घोषाल ने आर टीसुकुए को मात दी। आखिरी मैच में खन्ना ने अकारी मिदोरिकावा को हराया। अब जापान सेमीफाइनल में मिस्र से खेलेगा जिसने मलेशिया को 3 . 1 से मात दी।

# एशिया कप 2023 हाइब्रिड मॉडल को मंजूरी मिलने के बाद पीसीबी प्रमुख सेठी का आया बयान, कहा-'एसीसी अध्यक्ष जय शाह...'

नई दिल्ली। पाकिस्तान में एशिया कप 2023 खेलने से बीसीसीआई की तरफ से लंबे अर्से पहले ही इंकार किया जा चुका है। इसके बाद पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने जोर दिया था कि मुकाबले हाइब्रिड मॉडल पर खेले जाएं ताकि उसे गैर भारत मुकाबलों की मेजबानी करना का मौका मिले। बीसीसीआई के साथ महीनों की बातचीत के बाद आखिरकार एशियन क्रिकेट काउंसिल ने इसकी इजाजत दे दी है।

एसीसी ने गुरुवार को इसकी घोषणा कर दी है कि एशिया कप का आयोजन 31 अगस्त से 17 सितंबर के बीच श्रीलंका और पाकिस्तान में होगा। यानी ये तय है कि भारत और पाकिस्तान के मुकाबले श्रीलंका में खेले जाएंगे। टूर्नामेंट की शुरुआत पाकिस्तान के लाहौर से होगी, जिसमें नेपाल के साथ भी भिड़ंत होनी है। दूसरे ग्रुप के तीन मैच- बांग्लादेश बनाम अफगानिस्तान, अफगानिस्तान बनाम श्रीलंका और श्रीलंका बनाम बांग्लादेश भी लाहौर में खेले जाएंगे। टूर्नामेंट के मुकाबले श्रीलंका में तब भेजे जाएंगे जब भारत और पाकिस्तान के बीच मुकाबले होंगे। दोनों को अगले

दौर में शामिल होने के लिए नेपाल को हराना जरुरी होगा। इसके बाद ही दोनों टीमों के बीच मुकाबला खेला जाएगा। बता दें कि पीसीबी के लिए एशिया कप का आयोजन काफी अहम है क्योंकि पाकिस्तान में 15 वर्षों के लंबे अर्से के बाद बहु राष्ट्रीय क्रिकेट की वापसी हो रही है। इससे पहले वर्ष 2008 में पाकिस्तान ने एशिया कप का आयोजन किया था।

इस संबंध में पीसीबी के अध्यक्ष नजम सेठी ने कहा कि मुझे खुशी है कि एसीसी एशिया कप 2023 के लिए हमारे हाइब्रिड वर्जन को स्वीकार कर लिया गया है। इसका मतलब यह है कि पीसीबी इवेंट होस्ट के रूप में रहेगा और पाकिस्तान में मैचों का मंचन श्रीलंका के तटस्थ स्थान के रूप में होगा। जिसकी आवश्यकता भारतीय क्रिकेट टीम के पाकिस्तान जाने में असमर्थता के कारण थी।

उन्होंने कहा कि हमारे जोशीले प्रशंसक 15 साल में पहली बार भारतीय क्रिकेट टीम को पाकिस्तान में एक्शन करते देखना पसंद करते, लेकिन हम बीसीसीआई की स्थिति को समझते हैं। पीसीबी की तरह बीसीसीआई को भी सरकार के बॉर्डर पार करने के लिए परमिशन की आवश्यकता होती है। इस परिस्थिति में, हाइब्रिड मॉडल सबसे अच्छा समाधान था, जिसके हमने भी वकालत की थी।

नजम सेठी ने कहा कि मैं एसीसी अध्यक्ष जय शाह द्वारा एसीसी को मजबूत करने के लिए उठाए गए प्रयासों की सराहना करता हूं। इससे हम सामूहिक रूप से एक-दूसरे के हितों की रक्षा करना जारी रख सकेंगे। सभी मिलकर एशियाई देशों को अवसर और मंच आगे भी प्रदान करना जारी रखेंगे।

# क्या विश्व कप 2023 से पहले ठीक हो जाएंगे ऋषभ पंत? बीसीसीआई के सूत्रों ने क्या कहा है

मुम्बई। भारत के स्टार विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत बेंगलुरु में राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी में पुनर्वास के दौर से गुजर रहे हैं। वह एक गंभीर कार दुर्घटना दुर्घटना से उबरने की राह पर हैं। चोट के बाद पंत की सर्जरी हुई थी। दावा किया जा रहा है कि भारतीय बोर्ड की अपेक्षा की तुलना में तेजी से ठीक हो रहे हैं। ऐसे में बोर्ड पंत को एकदिवसीय विश्व कप 2023 के लिए तैयार करना चाहता है। हालांकि, फिलहाल यह सिर्फ संभावनाएं हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय बोर्ड पंत के रिहैब को फास्ट ट्रैक करने की कोशिश कर रहा है और उन्हें भारत में होने वाले विश्व कप 2023 के लिए तैयार करने की कोशिश कर रहा है। हालांकि, रिपोर्ट में कहा गया कि पुनर्वास प्रक्रिया के लंबे समय तक चलने की संभावना है। यह भी कहा गया है कि पंत 'काफी हद तक दर्द से मुक्त' दिख रहे हैं, लेकिन उनका 'कौशल से वह अभी कुछ समय दूर है'। वह फिजियो एस रजनीकांत के अधीन की देखरेख में हैं और अपने शरीर की गतिशीलता पर काम कर रहे हैं। स्टार विकेटकीपर आयु वर्ग के क्रिकेटरों के साथ इंटरएक्टिव सत्र भी आयोजित कर रहा है, जो प्रशिक्षण शिविरों के लिए एनसीए में हैं। पंत ने हाल ही में बिना बैसाखी के चलना और बिना किसी सहारे के सीढ़ियों पर चलना शुरू किया है। उन्होंने इसका एक वीडियो भी अपलोड किया था। पंत ने हाल ही में सोशल मीडिया पर शेयर किए गए एक वीडियो में लिखा, 'बुरा नहीं यार ऋषभ। सिंपल चीजें कभी-कभी मुश्किल हो सकती हैं।' पंत ने आखिरी बार बांग्लादेश के खिलाफ भारत की टेस्ट सीरीज में खेला था। वह बाद के भारतीय मैच और इंडियन प्रीमियर लीग 2023 खेलने से भी चूक गए। अपने पुनर्प्राप्ति समय के दौरान, पंत अपने स्वास्थ्य के बारे में भारतीय प्रशंसकों को अपडेट करते रहे हैं। उन्होंने कई मौकों पर अपने रिहैब की तस्वीरें और वीडियो पोस्ट किए।

## जर्मनी में अमेरिकी व्यक्ति ने दो महिला पर्यटकों पर हमला किया, एक की मौत

बर्लिन। दक्षिणी जर्मनी के नेउशवांस्टीन कैसल के निकट दो महिला पर्यटकों पर कथित तौर पर हमला करने के बाद एक अमेरिकी नागरिक को गिरफ्तार कर लिया गया। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि हमले में एक पर्यटक की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि आस्ट्रिया की सीमा के निकट लोकप्रिय पर्यटन स्थल पर बुधवार दोपहर यह घटना हुई। उसने एक बयान में बताया कि नजदीक स्थित केम्पटेन में अभियोजकों ने कहा कि घटना से कुछ देर पहले ही 30 वर्षीय संदिग्ध 21 और 22 वर्ष की इन महिला पर्यटकों से मिला था।

अनुसार, यह हमला मेरीनब्रुक के पास हुआ, जो कैसल के पास एक खाई के ऊपर बना पुल है, जहां से नेउशवांस्टीन का मनोरम दृश्य दिखता है। पुलिस ने बताया कि व्यक्ति ने 21 वर्षीय महिला पर हमला कर दिया। इसके बाद, 22 वर्षीय महिला उसकी सहायता के लिए आगे बढ़ी, और व्यक्ति ने उसे खड़ी ढलान से नीचे धक्का दे दिया।

# इमरान के सोशल मीडिया प्रोफाइल क्यों खंगाल रही पाक की एजेंसी?जांच के लिए एफआईए को भेजा गया

कारांची। पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान पर पाकिस्तान सरकार की नकेल और भी कसती जा रही है। पिछले कुछ दिनों में पाकिस्तानी मीडिया में इमरान खान को ढूंढना या उनके नाम या फोटो का जिक्र तक करना मुश्किल हो गया है। अब उनके सोशल मीडिया प्रोफाइल पर भी कार्रवाई शुरू हो गई है। सरकार ने पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान और उनकी पार्टी के कई अन्य नेताओं के सोशल मीडिया प्रोफाइल को संघीय जांच एजेंसी (एफआईए) के साथ साझा किया है ताकि 8 मार्च से 9 मई के बीच विवादास्पद राज्य-विरोधी सामग्री को कथित रूप से साझा करने के लिए फॉरेंसिक परीक्षण किया जा सके। समा टीवी ने पुलिस के विवरण का हवाला देते हुए बताया कि खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी के नेताओं के इंस्टाग्राम, फेसबुक और ट्विटर से कुल 23 लिंक एफआईए को भेजे गए हैं। एफआईए संघीय अपराधों की जांच करने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर पाकिस्तान की प्रमुख एजेंसी है। पुलिस ने कहा कि साझा किए गए लिंक पीटीआई नेताओं शाह महमूद कुरैशी, मुराद सईद और हम्माद

अजहर के वीडियो और पोस्ट पर आधारित हैं और राजनीतिक नेताओं के बयान भी 9 मई की हिंसा के मामलों पर संयुक्त जांच दल की अंतिम रिपोर्ट का हिस्सा होंगे।

पुलिस ने कहा कि प्रसिद्ध पीटीआई व्यक्तित्व और सोशल मीडिया हैंडलर कथित रूप से आपत्तिजनक सामग्री साझा करते रहे। साझा किए गए लिंक में निहित कथित रूप से राज्य विरोधी बयानों पर वीडियो और पोस्ट पर एक फोरेंसिक परीक्षण किया जा रहा है। लिंक्स की फॉरेंसिक रिपोर्ट को जांच रिपोर्ट का हिस्सा बनाया जाएगा। सोशल मीडिया के जरिए युवाओं को राज्य के खिलाफ भड़काया गया। इससे पहले, 14 मई को, इस्लामाबाद पुलिस ने कहा कि पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के अध्यक्ष इमरान खान की गिरफ्तारी के बाद हुई हिंसा के लिए 564 लोगों को गिरफ्तार किया गया था और डॉन के अनुसार, और गिरफ्तारियां की जा रही हैं।

## कनाडा में कसीनो ले जा रही एक बस और ट्रक की0 टक्कर, 15 लोगों की मौत

टोरंटो। कनाडा में बुजुर्गों को एक कसीनो ले जा रही एक बस और ट्रक के बीच मैनिटोबा प्रांत के एक ग्रामीण इलाके में राजमार्ग पर बृहस्पतिवार को टक्कर हो जाने से कम से कम 15 लोगों की मौत हो गई और 10 से अधिक लोग घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। 'मैनिटोबा रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस' (आरसीएमपी) के कमांडिंग ऑफिसर रॉब हिल ने बताया कि बस में 25 लोग सवार थे। अधिकारी राहत एवं बचाव कार्य के लिए आवश्यक सभी संसाधनों को घटनास्थल पर तैनात कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि 10 घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

आरसीएमपी अधीक्षक रोब लेसन ने कहा, "बस चालक और ट्रक चालक, दोनों जीवित हैं और अस्पताल में भर्ती हैं।" उन्होंने यह नहीं बताया कि क्या ये दोनों घायलों के रूप में सूचीबद्ध 10 लोगों में शामिल हैं या नहीं। मृतकों में मुख्य रूप से वरिष्ठ नागरिक शामिल हैं।

# एशिया कप 2023 की तारीखों का ऐलान, 31 अगस्त से 17 सितंबर तक खेले जाएंगे मैच

नई दिल्ली। एशिया कप 2023 टूर्नामेंट 31 अगस्त से 17 सितंबर के बीच खेला जाएगा। एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) ने इसका ऐलान कर दिया है। टूर्नामेंट पाकिस्तान में चार मैचों के साथ शुरू होगा जिसमें

एसीसी हाइब्रिड मॉडल की स्वीकृति दे दी है। इस साल एशिया कप एकदिवसीय प्रारूप में खेला जाएगा। उसके बाद अंतिम नौ मैच श्रीलंका में खेला जाएगा। एशियन क्रिकेट काउंसिल के मुताबिक एशिया कप 2023 31 अगस्त से 17 सितंबर 2023 तक आयोजित किया जाएगा और भारत, पाकिस्तान, श्रीलंका, बांग्लादेश, अफगानिस्तान और नेपाल की टीमें कुल 13 रोमांचक एकदिवसीय मैचों में प्रतिस्पर्धा करेंगी। टूर्नामेंट को हाइब्रिड मॉडल में होस्ट किया जाएगा, जिसमें चार मैच पाकिस्तान में होंगे और बाकी के नौ मैच श्रीलंका में खेले जाएंगे। 2023 संस्करण में दो समूह होंगे, जिसमें प्रत्येक समूह की दो टीमें सुपर फोर चरण के लिए क्वालिफाई करेंगी। सुपर फोर चरण की शीर्ष दो टीमें फिर फाइनल में आमने सामने होंगी। एशियाई क्रिकेट परिषद ने कहा कि हम क्रिकेट के इस उत्सव को बेहतरीन तरीके से देखने के लिए दुनिया भर के प्रशंसकों का स्वागत करने के लिए उत्सुक हैं।

# पाक की वजह से विश्व कप के शेड्यूल में हो रही देरी

## अहमदाबाद में खेलने को लेकर भी कर रहा इनकार

नई दिल्ली। एशिया कप के शेड्यूल का ऐलान हो गया है। इसके साथ ही अब लोगों को वर्ल्ड कप के शेड्यूल का भी इंतजार है। हालांकि, पाकिस्तान की वजह से वर्ल्ड कप के शेड्यूल में लगातार देरी हो रही है। पिछले दिनों माना गया था कि वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल के दौरान वर्ल्ड कप 2023 की तारीखों की घोषणा हो जाएगी। लेकिन ऐसा नहीं हो सका। इसका सबसे बड़ा कारण यह है कि पाकिस्तान अभी भी भारत दौरे को लेकर साफ शब्दों में कोई बात नहीं कह रहा।

पिछले दिनों आईसीसी की एक टीम पाकिस्तान पहुंची थी। पाकिस्तान से फीडबैक भी मांगा गया था। लेकिन अब तक पाकिस्तान की ओर से कोई साफ प्रतिक्रिया नहीं दी गई है। पीसीबी

के सूत्रों का कहना है कि पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने अभी तक टीम के भारत दौरे को लेकर कोई फैसला नहीं किया है। पाकिस्तान की टीम वहां की सरकार से मिलने वाले फैसले पर निर्भर करेगी। पीसीबी ने इसके लिए सभी डाक्यूमेंट्स संबंधित मंत्रालय को भी भेज दी हैं। सरकार की स्थिति जानने के बाद ही पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड कोई फैसला लेगी। जानकारी के मुताबिक खबर यह भी है कि पाकिस्तान की टीम 15 अक्टूबर को अहमदाबाद में होने वाले मुकाबले को खेलने के लिए तैयार नहीं है। जानकारी के मुताबिक भारत और पाकिस्तान के बीच अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में एक लीग मुकाबला खेला जाएगा। लेकिन पाकिस्तान इसके लिए तैयार नहीं है। हालांकि, अगर पाकिस्तान की टीम फाइनल में पहुंचती है तो उसे अहमदाबाद में खेलने में कोई दिक्कत नहीं है। यह कारण भी है कि वर्ल्ड कप के शेड्यूल में देरी हो रही है।

# नॉटिंघम ध्वजह में सभी वरीय खिलाड़ी क्वार्टर फाइनल से पहले बाहर

नॉटिंघम। विम्बलडन की तैयारी के लिये महत्वपूर्ण माने जाने वाले नॉटिंघम ओपन टेनिस में सभी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी क्वार्टर फाइनल से पहले ही बाहर हो गए। तीसरी वरीयता प्राप्त पोलैंड की मागडा लिनेट को

ब्रिटेन की जोडी बुराज ने 7 . 5, 6 . 3 से हराया। इससे पहले अमेरिका की एलिजाबेथ मैंडलिक ने सातवीं वरीयता प्राप्त इटली की कैमिला जियोर्जी को 7 . 5, 5 . 7, 6 . 3 से मात दी। पांचवीं वरीयता प्राप्त यूक्रेन की अनहेलिना कालिनिना को ब्रिटेन की हैरियट डार्ट ने 6 . 0, 7 . 5 से हराया। कैटी बूल्टर ने डारिया स्निगुर को हराया।

## उत्तर क्षेत्र की कमान संभालेंगे मनदीप सिंह, दिल्ली के ध्रुव शोरे और हर्षित राणा भी टीम में शामिल

नयी दिल्ली। पंजाब के कप्तान मनदीप सिंह 28 जून से शुरू हो रही दलीप ट्रॉफी में उत्तर क्षेत्र की कमान संभालेंगे। टीम में पंजाब के सलामी बल्लेबाज प्रभसिमरन सिंह और तेज गेंदबाज सिद्धार्थ कौल

तथा बलतेज सिंह भी हैं। दिल्ली के बल्लेबाज ध्रुव शोरे और तेज गेंदबाज हर्षित राणा को भी टीम में जगह मिली है। भारत के अंडर 19 कप्तान यश धुल को नहीं चुना गया है जो इस सत्र में शेष भारत टीम का हिस्सा थे। **टीम :** मनदीप सिंह (कप्तान), प्रशांत चोपड़ा, ध्रुव शोरे, अंकित कलसी, प्रभसिमरन सिंह, अंकित कुमार, पुलकित नारंग, निशांत सिंधू, मनन वोहरा, जयंत यादव, बलतेज सिंह, वैभव अरोड़ा, हर्षित राणा, सिद्धार्थ कौल, आबिद मुश्ताक।

# पाकिस्तान में 82,000 लोग सुरक्षित स्थानों पर भेजे गए

इस्लामाबाद/कराची। चक्रवात बिपारजॉय के बृहस्पतिवार को पाकिस्तान के तटीय क्षेत्रों में दस्तक देने से पहले देश के दक्षिणी सिंध प्रांत में 82,000 से ज्यादा लोगों को उनके घरों से सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। चक्रवात के प्रभाव से कई शहरों में भारी बारिश और बाढ़ की संभावना है और इससे निपटने के लिए तैयारियां की जा रही हैं। 'बिपारजॉय' का अर्थ बांग्ला में आपदा या विपदा होता है। वर्तमान में "बहुत गंभीर चक्रवाती तूफान" में तब्दील हो चुका बिपारजॉय पाकिस्तान के करीब पहुंच रहा है, जिसकी वजह से अधिकारी जानमाल के संभावित नुकसान को कम करने के लिए एहतियाती कदम उठा रहे हैं।

"बेहद गंभीर चक्रवाती तूफान" के सिंध के थट्टा जिले में केटी बंदरगाह और भारत में कच्छ जिले के बीच पहुंचने की संभावना है। पाकिस्तान के मौसम विभाग द्वारा बृहस्पतिवार की शाम जारी ताजा अपडेट के अनुसार, चक्रवात और पूर्व-उत्तर-पूर्व की ओर बढ़ गया है और अब यह कराची से करीब 245 किलोमीटर दक्षिण में, थट्टा से 200 किलोमीटर दक्षिण में और केटी बंदरगाह से 150 किलोमीटर दक्षिण में है। जलवायु परिवर्तन और पर्यावरणीय समन्वय मंत्री शेरी रहमान ने कहा कि चक्रवात 'बिपारजॉय' की 'गति कम' हो गई है और यह रात से पहले नहीं टकराएगा। मंत्री ने इस्लामाबाद में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि पहले अनुमान था कि चक्रवात सुबह करीब 11 बजे तट से टकराएगा।

उन्होंने कहा, "लेकिन उसकी गति घटकर 6-7 किलोमीटर प्रतिघंटा रह गई है, उसके टकराने का समय भी देर हो गया है और अब उसे रात होने के बाद तट से टकराने की संभावना है।" हालांकि मंत्री ने कहा है कि चक्रवात की गति कम हो गई है लेकिन यह अभी भी गंभीर बना हुआ है और पहले से चिन्हित स्थान अभी भी खतरे की जद में हैं और उन्हें सतर्क रहने की जरूरत है। रास्ता उत्तर-पूर्व की ओर हो गया है, थारपारकड़ क्षेत्र को भी चक्रवात के प्रभाव को लेकर सचेत रहने की जरूरत है।" उन्होंने बताया कि प्रभावित तटवर्ती क्षेत्रों से लोगों को सुरक्षित स्थानों पर ले

जाना जरूरत है। शेरी ने कहा, "हमने पहले चार जिलों को खतरे की जद में कहा था। थट्टा, बादिन, सुजावल और मालीर (कराची)। लेकिन, अब जबकि जाने का काम पूरा हो गया है और अभी तक करीब 82,000 लोगों को सुरक्षित जगहों पर ले जाया गया है।" मंत्री ने कहा, "नौसेना, पुलिस बल, रेंजर्स सहित सभी संस्थाएं इसमें मदद कर रही हैं।" उन्होंने कहा कि फिलहाल वायुसेना की जरूरत नहीं है और जरूरत पड़ने पर वह मदद करेगी। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया है कि चक्रवात से निपटने के लिए एहतियाती कदम के तहत वे तटीय इलाकों से हजारों लोगों को निकालकर सुरक्षित स्थान पर पहुंचाएं और अन्य इंतजाम करें। उन्होंने बुधवार को ट्वीट किया, "मैंने अभी सिंध के मुख्यमंत्री सैयद मुराद अली शाह से बात की और चक्रवात से निपटने की तैयारियों पर चर्चा की। मैं मुख्यमंत्री के नेतृत्व में सिंध सरकार द्वारा की गई व्यवस्था की सराहना करता हूं। मैंने सिंध सरकार को संघीय सरकार के पूर्ण समर्थन का आश्वासन दिया। अल्लाह ने चाहा तो जनता के सहयोग से हम इस स्थिति से उबर जाएंगे।" पाकिस्तान ने तटीय क्षेत्रों में बचाव कार्यों में मदद के लिए नागरिक प्रशासन और सशस्त्र बलों के कर्मियों को पहले से ही तैनात कर दिया है।

मंत्री ने चेतावनी दी कि चक्रवात कराची के तटीय इलाकों और सिंध के अन्य हिस्सों में बिजली पारेषण प्रणाली को प्रभावित कर सकता है। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) के अध्यक्ष लेफ्टिनेंट जनरल इनाम हैदर मलिक ने कहा कि बिपारजॉय उसी मार्ग पर अग्रसर है जिसके बारे में पीएमडी ने अनुमान जताया था।

कराची में रक्षा आवास प्राधिकरण के एक प्रवक्ता ने भी कहा कि सीव्यू बीच के पास स्थित सीव्यू और दाराकशान आवास क्षेत्रों में रहने वाले लगभग 2,000 निवासी स्वेच्छा से अन्य सुरक्षित स्थानों पर चले गए हैं।

## सम्पादकीय

### डायबिटीज की चुनौती

देश में डायबिटीज के मरीजों की संख्या को लेकर आए ताजा आंकड़े निश्चित रूप से चौंकाने वाले हैं, लेकिन इन्हें चेतावनी के रूप में भी देखा जाना चाहिए। जाने-माने हेल्थ जर्नल 'लांसेट' में प्रकाशित इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च (घ्ण्श्ें) की ताजा स्टडी के मुताबिक देश में डायबिटीज के मरीजों की संख्या 10 करोड़ से ऊपर हो गई है। हैरानी की बात यह है कि पिछले चार साल के अंदर इसमें 44 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। जो बात इन आंकड़ों को ज्यादा गंभीर बनाती है वह यह भी है कि प्री-डायबिटीज मामलों की संख्या भी कम नहीं है। ताजा सर्वे के मुताबिक अगर देश की 11.4 फीसदी आबादी डायबिटीज से पीड़ित है तो 15.3 फीसदी लोग प्री-डायबिटीज श्रेणी में हैं। प्री-डायबिटीज कैटिगरी में उन लोगों को रखा जाता है जिनका ब्लड शुगर लेवल सामान्य से ज्यादा होता है, लेकिन इतना ऊपर नहीं होता कि टाइप-2 डायबिटीज की कैटिगरी में शामिल किया जा सके। ये ऐसे लोग होते हैं जिनके डायबिटिक होने का अंदेशा रहता है। प्री-डायबिटीज का कोई मामला डायबिटीज में शामिल होगा या नहीं और होगा तो कितने समय में, इसे लेकर निश्चित तौर पर कुछ नहीं कहा जा सकता, लेकिन एक्सपर्ट्स आम तौर पर मानते हैं कि ऐसे एक तिहाई मामले डायबिटीज में तब्दील हो जाते हैं।

दूसरे एक तिहाई मामले प्री-डायबिटीज कैटिगरी में ही बने रहते हैं जबकि आखिरी एक तिहाई जीवनशैली में बदलाव और ऐसे अन्य उपायों से बेहतर होकर नॉर्मल स्थिति में लौट जाते हैं। अगर प्री-डायबिटीज के एक तिहाई मामले भी डायबिटीज में कन्वर्ट हुए तो स्वास्थ्य के मोर्चे पर अगले कुछ वर्षों में गंभीर चुनौती पैदा हो सकती है। खासकर उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश जैसे राज्यों में, जहां हर एक डायबिटिक व्यक्ति पर प्री-डायबिटीज के क्रमशः चार और तीन मामले बताए जा रहे हैं। इन हालात में खास तौर पर किडनी पेशंट्स की संख्या में इजाफा होने जैसी स्थितियों के लिए तैयार रहने की जरूरत है। ऐसे कई मरीजों को डायलिसिस की जरूरत पड़ती है। न केवल ऐसी मशीनें कम हैं और ज्यादातर शहरी केंद्रों तक सीमित हैं बल्कि उनका बेहद खर्चीला होना भी उन्हें ज्यादातर किडनी मरीजों की पहुंच से दूर कर देता है। ञ्उध् और अन्य सेवाभावी संस्थाओं की ओर से जहां-तहां ऐसी सेवाएं मुफ्त या कम कीमत पर उपलब्ध कराई जा रही हैं, लेकिन यह अव्यवस्थित, अनियमित और अपर्याप्त हैं। हाल में केरल सरकार की ओर से जरूर राज्य में किडनी पेशंट्स को फ्री डायलिसिस सेवा उपलब्ध कराने की एक योजना लॉन्च की गई है, जिसके तहत हर जिले के कम से कम एक प्रमुख स्वास्थ्य केंद्र में इसे शुरू करने की बात है। यह पहल सराहनीय तो है ही, अन्य राज्यों के लिए अनुकरणीय भी है।

# कई फसलों की एमएसपी बढ़ाकर मोदी सरकार ने जीत लिया देश के किसानों का दिल

केन्द्र सरकार ने खरीफ फसल की धान एवं ज्वार की दो किस्मों सहित 16 फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य की घोषणा कर एक बार फिर किसानों को बड़ी राहत दी है। देखा जाए तो एक दशक पहले यानी कि 2010-11 की तुलना में एमएसपी में कई गुणा बढ़ोतरी हुई है तो कृषि लागत में भी बढ़ोतरी हुई है। खरीफ फसलों में वैसे तो सबसे अधिक तिल की एमएसपी में 805 और मूंग के भावों में 803 रुपए की बढ़ोतरी की गई है। कहा यह भी जा रहा है कि धान, ज्वार, बाजरा, रागी, मक्का, अरहर, मूंग, उड़द, मूंगफली, सूरजमुखी, सोयाबीन, तिल, रामतिल व कपास सभी के भावों में लागत से 50 प्रतिशत से भी अधिक की बढ़ोतरी की गई है। अच्छी बात यह मानी जा सकती है कि अब केंद्र सरकार बुवाई आरंभ होने से पहले ही फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य यानी की सरकारी खरीद की न्यूनतम दर तय कर देती है। हालांकि विचारणीय प्रश्न और किसान संगठनों के आंदोलन का एक प्रमुख कारण यह था कि जिस तरह से सरकार न्यूनतम समर्थन मूल्य घोषित करती है ठीक इस तरह की व्यवस्था सुनिश्चित कर दे कि सरकार द्वारा घोषित न्यूनतम समर्थन मूल्य से मण्डी में भाव कम आएं तभी सरकारी खरीद बिना किसी ना नुकर के आरंभ हो जाए।

इस तरह की व्यवस्था पहले से ही तय हो जाए तो फिर एमएसपी का अन्नदाता को पूरा-पूरा लाभ मिल सकता है। दरअसल यक्ष प्रश्न यह हो गया है कि सरकारी खरीद कब से आरंभ हो और किस जिंस की हो। दरअसल और खासतौर से खरीफ अनाज यानी बाजरा, रागी, मक्का आदि का न्यूनतम मूल्य प्राप्त करने के लिए किसानों को सबसे अधिक परेशानी होती है। बहुत अधिक जोर देने पर बाजरा की खरीद कभी तो आरंभ हो जाती है व कभी मांग यों ही निकल जाती है।

सवाल यह है कि जब सरकार एमएसपी घोषित करती है तो उसी दिन यह व्यवस्था भी सुनिश्चित हो जानी चाहिए कि सरकार द्वारा घोषित एमएसपी राशि तो काश्तकार को मिले ही मिले। इसके लिए उसे किसी की ओर ताकना नहीं पड़े। किसान आंदोलन के दौरान सबसे महत्वपूर्ण विवाद का कारण एमएसपी व्यवस्था जारी रखने की गॉरन्टी रही। सरकार का दावा रहा है कि एमएसपी व्यवस्था किसी भी तरह से प्रभावित नहीं हो रही है। दरअसल एमएसपी व्यवस्था को लेकर एक खासतौर से विवाद की स्थिति बनी हुई है।

किसानों को कम से कम उनकी लागत का पूरा मूल्य मिल सके इसके लिए सरकार द्वारा न्यूनतम समर्थन मूल्य की घोषणा की जाती है। देश में पहली बार 1966-67 में सबसे पहले गेहूं की सरकारी खरीद के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य की घोषणा की गई। तत्कालीन प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री ने एक अगस्त 1964 को एलके झा की अध्यक्षता में इसके लिए कमेटी गठित की थी। इसके बाद सरकार ने अन्य प्रमुख फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य निर्धारित करने की ओर कदम बढ़ाए। केन्द्र सरकार द्वारा सीएसीपी यानी कि कृषि मूल्य एवं लागत आयोग की सिफारिश पर कृषि जिंसों के न्यूनतम समर्थन मूल्य की घोषणा की जाने लगी। आज देश में 23 फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य की घोषणा की जाती है। इसमें 7 गेहूं, धान आदि अनाज फसलें, 5 दलहनी फसलें, 7 तिलहनी फसलों, 4 नकदी फसलों के समर्थन मूल्य की घोषणा की जाती है। नकदी फसलों में गन्ना के सरकारी खरीद मूल्य की सिफारिश गन्ना आयोग द्वारा की जाती है तो गन्ने की खरीद भी सीधे गन्ना मिलों द्वारा की जाती है। इसी तरह से कपास की खरीद सीसीआई यानी कि कॉटन कारपोरेशन ऑफ इण्डिया द्वारा की जाती है। मुख्यतौर से अनाज की खरीद भारतीय खाद्य निगम के

माध्यम से और दलहन व तिलहन की खरीद नेफैड द्वारा राज्यों की सहकारी संस्थाओं और अन्य खरीद केन्द्रों के माध्यम से की जाती है। केरल सरकार ने 16 तरह की सब्जियों के बेस मूल्य तय कर सब्जी उत्पादक किसानों को बड़ी राहत देने की पहल की है तो हरियाणा सरकार भी केरल की तरह सब्जियों का बेस मूल्य तय करने की दिशा में कदम बढ़ा रही है।

किसानों के लिए सर्वाधिक चर्चित एमएस स्वामीनाथन आयोग की सिफारिशों को लागू करने को लेकर भी प्रमुखता से जोर दिया जाता रहा है। एमएस स्वामीनाथन आयोग ने 2004 में अपनी सिफारिश में न्यूनतम समर्थन मूल्य घोषित करने का एक फार्मूला सुझाते हुए सुझाव दिया कि उत्पादन लागत से कम से कम 50 प्रतिशत अधिक एमएसपी घोषित की जाए। एमएसपी की सिफारिश करते समय सीएसीपी द्वारा देश के अलग-अलग हिस्सों में फसल के अनुसार प्रति हैक्टेयर लागत, खेती के दौरान अन्य खर्चों, भण्डारण की स्थिति, विदेशों में उपलब्धता आदि पैमाने पर आकलन कर प्रत्येक फसल की एमएसपी की सिफारिश की जाती है। 2004 में स्वामीनाथन आयोग की सिफारिश को ध्यान में रखते हुए केन्द्र सरकार ने 2018-19 में उत्पादन लागत से 50 प्रतिशत अधिक मूल्य घोषित करने का निर्णय किया। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि केन्द्र व राज्य सरकारों द्वारा एमआईएस यानी कि बाजार हस्तक्षेप योजना के तहत एमएसपी के दायरे में नहीं आने वाली फसलों की खरीद की व्यवस्था करती आई है। लहसुन की खरीद, प्याज की खरीद आदि इसका उदाहरण है।

देश के अधिकांश प्रदेशों में एमएसपी पर खरीद व्यवस्था का विश्लेषण किया जाए तो कुछ दशकों पहले तक स्थितियां बिल्कुल अलग रही हैं। यह तो साफ है कि गेहूं और धान की खरीद सरकार द्वारा व्यापक स्तर पर की जाती रही है और इसका प्रमुख कारण सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत वितरण व्यवस्था के सुचारू संचालन और बाजार पर नियंत्रण रखना रहा है। अन्य फसलों का जहां तक सवाल है देश के अधिकांश प्रदेशों में खाद्यान्नों की खरीद एफसीआई द्वारा राज्यों के मार्केटिंग फेडरेशनों के माध्यम से सहकारी संस्थाओं के माध्यम से व तिलहनों और दलहनों की खरीद नैफड द्वारा भी इसी व्यवस्था के तहत की जाती रही है। एक समय था जब राजस्थान में प्रमुख सरसों उत्पादक प्रदेश होने के कारण प्रायः एक साल छोड़कर दूसरे साल एमएसपी की खरीद की आवश्यकता महसूस होती थी। बाजार व्यवस्था का अध्ययन करें तो यह सामान्य धारणा व वास्तविकता थी कि बाजार में जब भी किसी फसल के भाव एमएसपी से नीचे आने लगते तो राज्यों के मार्केटिंग फेडरेशनों द्वारा खरीद की घोषणा करते हुए बाजार में भावों में हल्की तेजी तो तत्काल देखने को मिल जाती थी। इसी तरह से एमएसपी पर खरीद शुरू करने के समय यह माना जाता था कि अधिकतम 25 से 30 प्रतिशत तक खरीद होते होते बाजार में उस फसल के भाव एमएसपी के बराबर या अधिक आ जाएंगे और वास्तविकता तो यह रही कि दस से 15 प्रतिशत तक खरीद होते होते मण्डियों में भाव लगभग एमएसपी के आसपास आ ही जाते थे। पर करीब एक दशक से स्थितियों में तेजी से बदलाव आया है। मानें या ना मानें पर यह काफी हद तक सही है कि एमएसपी खरीद व्यवस्था में अब निजी खरीददारों की भागीदारी बढ़ गई है। इस आरोप को सिरे से नकारा नहीं जा सकता कि छोटे किसानों से उनकी फसलों को कम दामों में खरीद कर उनके नाम से एमएसपी पर खरीद केन्द्रों पर बेच कर किसान के नाम पर उसका लाभ बिचौलिए लेने लगे हैं। यही कारण है कि इस तरह के उदाहरण आम हैं कि कई स्थानों पर उस क्षेत्र में कुल पैदावार से भी अधिक की खरीद एमएसपी पर देखने को मिल जाती है। दरअसल पंजाब, हरियाणा आदि की तरह अब कुछ स्थानों पर अन्यों के माध्यम से खरीद होने लगी है और इस दखल का सीधा परिणाम आए दिन शिकायतों के रूप में देखा जा सकता है।

सवाल यह है कि केन्द्र व राज्य सरकारें एमएसपी व्यवस्था को फूलप्रुफ बनाना सुनिश्चित कर दें और सरकार द्वारा घोषित एमएसपी से मण्डियों में भाव नीचे जाते ही तत्काल खरीद आरंभ कर दें तो निश्चित रूप से अन्नदाता को इस व्यवस्था का पूरा-पूरा लाभ मिल सकता है। इसके साथ ही इस व्यवस्था में जिस तरह से सेंध लगाई गई है उसे रोकने के भी ठोस प्रयास किए जाने आवश्यक हैं। कहीं ना कहीं एक बार फिर से बाजार व्यवस्था का भी अध्ययन करना पड़ेगा कि जब तक किसान की पूरी फसल बाहर नहीं आ जाती तब तक क्या कारण है कि बाजार में उस फसल के भाव एमएसपी के बराबर नहीं आते। इसके पीछे जो बाजार ताकतें सक्रिय हुई हैं उनसे भी किसानों को बचाने का समय आ गया है। असल में अन्नदाता को एमएसपी का लाभ दिलाना सरकारों का दायित्व है तो व्यवस्था को प्रभावित करती बाजार ताकतों को भी व्यवस्था से हटाने का दायित्व सरकारों का हो जाता है। ऐसे में एमसएपी खरीद व्यवस्था का लाभ अन्नदाता को मिले ही मिले यह व्यवस्था सुनिश्चित होनी ही चाहिए। तभी एमएसपी घोषित करने के मायने रहते हैं नहीं तो किसानों और सरकारों के बीच विवाद तो बना ही रहेगा, एमएसपी भी सही मायने में अपने उद्देश्यों पर खरी नहीं उतर सकती।

# मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में भाजपा को मात देने के लिए हिंदुत्व की राह पर कांग्रेस

अविभाजित मध्य प्रदेश को आमतौर पर भाजपा के हिंदुत्व की प्रयोगशाला माना जाता रहा है। लेकिन अब इसी मध्य प्रदेश और इससे अलग होकर बने छत्तीसगढ़ को कांग्रेस अपने सॉफ्ट हिंदुत्व की प्रयोगशाला बनाने का प्रयास कर रही है। 2018 में कांग्रेस के विधानसभा चुनाव जीतने के बाद गांधी परिवार के आशीर्वाद से छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री बने भूपेश बघेल ने बहुत जल्द ही यह भांप लिया कि अगर छत्तीसगढ़ में निर्बाध रूप से सरकार चलानी है तो हिंदुत्व के रास्ते पर चलना होगा और उसके बाद लोगों ने देखा किस तरह से बघेल ने एक-एक कर राज्य भाजपा से हिंदुत्व से जुड़े मुद्दों को छीनना शुरू कर दिया।

छत्तीसगढ़ में होने वाले विधानसभा चुनाव 2023 के लिए भाजपा और कांग्रेस में हिंदुत्ववादी राजनीति करने की होड़ लगी हुई है। इस बार दोनों पार्टियां हिंदुत्व को मुद्दा बनाकर चुनावी प्रचार कर रही है। दोनों पार्टियों में होड़ लगी है कि कौन-सी पार्टी हिंदुत्व की राजनीति में आगे निकलती है। गोबर योजना से लेकर, राम वन गमन परिपथ, रामायण प्रतियोगिता, हनुमान चालीसा का पाठ और गोधन न्याय योजना जैसी परियोजनाओं को अपना कर, घोषणाएं करके छत्तीसगढ़ की कांग्रेस सरकार राज्य के हिंदू मतदाताओं को पुरजोर तरीके से और लगातार लुभाने का प्रयास कर रही है। मध्य प्रदेश में 2018 में चुनाव जीतकर गांधी परिवार के आशीर्वाद से मुख्यमंत्री बनने वाले कमलनाथ को जल्द ही भाजपा ने ज्योतिरादित्य सिंधिया की बगावत की मदद से कुर्सी से हटा कर अपने शिवराज सिंह चौहान को फिर से राज्य का मुख्यमंत्री बना दिया लेकिन इसके बाद पूरे प्रदेश में भ्रमण कर रहे कमलनाथ और दिग्विजय सिंह की जोड़ी को जल्द ही हिंदुत्व की राजनीति की अहमियत का भी

अहसास हो गया और इसके बाद कांग्रेस ने मध्य प्रदेश में भी हिंदुत्व की राजनीति पर ही चलने का फैसला कर लिया। इसके बाद ही कांग्रेस में मुख्यमंत्री पद के फिलहाल सबसे बड़े और एकमात्र दावेदार नजर आ रहे कमलनाथ ने अपनी पूजा करती तस्वीरों को सार्वजनिक रूप से शेयर करना शुरू कर दिया, बजरंग सेना का कांग्रेस में विलय कराया और सबसे खास बात यह है कि किसानों, बेरोजगारों, हड़तालों और आदिवासियों सहित तमाम मुद्दों पर शिवराज सरकार को घेरने वाले कमलनाथ बहुत ही जोर-शोर से और प्रमुखता से उज्जैन के महाकाल में गिरी देव प्रतिमाओं का भी मुद्दा उठाकर हिंदू मतदाताओं को खास संदेश देने का प्रयास कर रहे हैं।

यहां तक कि राज्य में चुनावी अभियान का श्रीगणेश करने के लिए मध्य प्रदेश पहुंची प्रियंका गांधी ने भी पहले मां नर्मदा की पूजा अर्चना और आरती कर अपने इरादों को पूरी तरह से स्पष्ट कर दिया। प्रियंका गांधी ने भाजपा सरकार पर व्यापम घोटाले, शिक्षक भर्ती घोटाले, पुलिस भर्ती घोटाले, खनन घोटाले और ई-टेंडर सहित कई घोटाले करने का आरोप लगाते हुए यहां तक कह डाला कि भाजपा की सरकार ने तो घोटालों के मामले में मां नर्मदा और महादेव के महाकाल कॉरिडोर तक नहीं छोड़ा।

साफ-साफ दिखाई दे रहा है कि भाजपा से लगातार चुनाव हारने वाली कांग्रेस ने अब भाजपा की हिंदुत्व वाली पिच पर ही खेलकर उसे हराने का मंसूबा बना लिया है और मध्य प्रदेश एवं छत्तीसगढ़ में होने वाला इस साल का विधानसभा चुनाव कांग्रेस की रणनीति का एक टेस्ट केस माना जा सकता है। अगर इन दोनों राज्यों में कांग्रेस की यह रणनीति कामयाब हो जाती है तो आने वाले दिनों में हम देखेंगे कि लोकसभा चुनाव में भी कांग्रेस एक बार फिर से अपने सॉफ्ट हिंदुत्व के पुराने वाले दौर में लौटने की कोशिश करती नजर आएगी क्योंकि कांग्रेस में नेताओं के एक बड़े समूह का यह मानना है कि अगर हिंदू वोटों के बल पर कांग्रेस भाजपा को हराती नजर आएगी तो अल्पसंख्यक वोटर खासकर मुस्लिम वोटर भी कांग्रेस के पाले में वापस लौट आएगा और अगर ऐसा हुआ तो न केवल लोकसभा में कांग्रेस की सीटें बढ़ेंगी बल्कि विपक्षी दलों में कांग्रेस खासकर राहुल गांधी की स्वीकार्यता भी बढ़ जाएगी।

# भारत के आर्थिक दर्शन के सहारे आज भी आगे बढ़ रही है हमारी अर्थव्यवस्था

एंगस मेडिसन दुनिया के जाने माने ब्रिटिश अर्थशास्त्री इतिहासकार रहे हैं। आपने विश्व के कई देशों के आर्थिक इतिहास पर गहरा अनुसंधान कार्य किया है। भारत के संदर्भ में आपका कहना है कि एक ईस्वीं के पूर्व से लेकर 1700 ईस्वीं तक भारत पूरे विश्व में सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति के रूप में स्थापित था। प्राचीन भारत में अतुलनीय आर्थिक प्रगति, भारतीय आर्थिक दर्शन के अनुसार चलायी जा रही आर्थिक नीतियों के चलते ही सम्भव हो सकी थी। भारत में पिछले 9 वर्षों के दौरान भारतीय आर्थिक दर्शन के सहारे किए गए कई आर्थिक निर्णयों के चलते भारतीय अर्थव्यवस्था का इंजन पुनः अब तेज गति से पटरी पर दौड़ने लगा है। लगभग समस्त अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थान भी लगातार बता रहे हैं कि आगे आने वाले समय में भारत में आर्थिक विकास की दर पूरे विश्व में सबसे अधिक रहने वाली है एवं आर्थिक क्षेत्र में केवल वर्तमान दशक ही नहीं बल्कि वर्तमान सदी ही भारत की रहने वाली है।भारत में 60, 70 एवं 80 के दशकों में हम लगभग समस्त नागरिक हमारे बचपन काल से ही सुनते आए हैं कि भारत एक गरीब देश है एवं भारतीय नागरिक अति गरीब हैं। हालांकि भारत का प्राचीनकाल बहुत उज्ज्वल रहा है, परंतु आक्रांताओं एवं ब्रिटेन ने अपने शासन काल में भारत को लूटकर एक गरीब देश बना दिया था। अब समय का चक्र पूर्णतः घूमते हुए आज के खंडकाल पर आकर खड़ा हो गया है एवं भारत पूरे विश्व को कई मामलों में अपना नेतृत्व प्रदान करता दिखाई दे रहा है। साथ ही, भारत में विशेष रूप से कोरोना महामारी के बीच एवं इसके बाद केंद्र सरकार द्वारा सनातन भारतीय संस्कारों का पालन करते हुए गरीब वर्ग के लाभार्थ चलाए गए विभिन्न कार्यक्रमों के परिणाम अब सामने आने लगे हैं। विशेष रूप से प्रधानमंत्री गरीब अन्न कल्याण योजना के अंतर्गत देश के 80 करोड़ नागरिकों को मुफ्त अनाज की जो सुविधा प्रदान की गई है एवं इसे कोरोना महामारी के बाद भी जारी रखा गया है, इसके परिणामस्वरूप देश में गरीब वर्ग को बहुत लाभ हुआ है। हाल ही में अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने भारत में गरीबी के अनुमान पर एक वर्किंग पेपर जारी किया है। इस वर्किंग पेपर में अलग-अलग मान्यताओं के आधार पर भारत में गरीबी को लेकर अनुमान व्यक्त किए गए हैं। इस वर्किंग पेपर के अनुसार, हाल ही के समय में भारत में 1.2 करोड़ नागरिक अतिगरीबी रेखा के ऊपर आ गए हैं। वर्ष 2022 में विश्व बैंक द्वारा जारी किए गए एक अन्य प्रतिवेदन के अनुसार, वर्ष 2011 में भारत में 22.5 प्रतिशत नागरिक गरीबी की रेखा के नीचे जीवन यापन करने को मजबूर थे परंतु वर्ष 2019 में यह प्रतिशत घटकर 10.2 रह गया है। वर्ष 2016 में भारत में अतिगरीब वर्ग की आबादी 12.4 करोड़ थी जो वर्ष 2022 में घटकर 1.5 करोड़ रह गई है। पिछले दो दशकों के दौरान भारत में 40 करोड़ से अधिक नागरिक गरीबी रेखा से ऊपर आ गए हैं। दरअसल पिछले लगभग 9 वर्षों के दौरान भारत के सामाजिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक परिवेश में कई बड़े बदलाव देखने को मिले हैं। जिसके चलते भारत में गरीबी तेजी से कम हुई है और भारत को गरीबी उन्मूलन के मामले में बहुत बड़ी सफलता प्राप्त हुई है। भारत में अतिगरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले करोड़ों नागरिकों का इतने कम समय में गरीबी रेखा के ऊपर आना विश्व के अन्य देशों के लिए एक सबक है। इतने कम समय में किसी भी देश में इतनी तादाद में लोग अपनी आर्थिक स्थिति सुधार पाए हैं ऐसा कहीं नहीं हुआ है। भारत में गरीबी का जो बदलाव आया है वह धरातल पर दिखाई देता है। इससे पूरे विश्व में भारत की छवि बदल गई है। यह भी सनातनी संस्कार ही हैं जो भारत के नागरिकों

को छोटी-छोटी बचतें करना सिखाते हैं। भारतीय परम्पराओं के अनुसार हमारे बुजुर्ग हममें बचत की प्रवृत्ति बचपन में ही यह कहकर विकसित करते हैं कि भविष्य में आड़े अथवा बुरे वक्त के दौर में, पुराने समय में की गई बचत का बहुत बड़ा सहारा मिलता है। भारतीय परिवारों में तो गृहणियां घर खर्च के लिए उन्हें प्रदान की गई राशि में से भी बहुत छोटी राशि की बचतें करने का गणित जानती हैं एवं वक्त आने पर अपने परिवार के सदस्यों को उक्त बचत की राशि सौंप कर संतोष का भाव जागृत करती हैं। जबकि अन्य देशों के नागरिकों में, विशेष रूप से विकसित देशों में, बचत की आदत नहीं के बराबर होती है। पश्चिमी दर्शन पुनर्जन्म में विश्वास नहीं करता हैं अतः पश्चिमी देशों के नागरिक अपने जीवन को आज ही जी लेना चाहते हैं, कल (भविष्य) पर अधिक भरोसा नहीं करते हैं। इसलिए, पश्चिमी देशों के नागरिक उत्पादों का अधिक से अधिक उपभोग करते हैं एवं अपनी लगभग पूरी आय ही उपभोग पर खत्म कर देते हैं, बचत करने की आवश्यकता ही नहीं महसूस करते हैं। इसके विपरीत भारतीय दर्शन आध्यात्म पर आधारित है एवं जीवन में अच्छे कर्मों को करते हुए मोक्ष की प्राप्ति करने का प्रयास किया जाता है। अतः इस लोक एवं परलोक को सुधारने के लिए समाज के गरीब वर्ग की सहायता करने की प्रवृत्ति भारतीय नागरिकों में पाई जाती है। भारतीय नागरिक इसलिए छोटी से छोटी बचतों पर भी बहुत भरोसा करते हैं। इसी कड़ी में, वर्ष 2014 में केंद्र सरकार ने भारत में गरीब वर्ग के नागरिकों को बैंकों से जोड़ने के लिए जनधन योजना प्रारम्भ की थी। इस योजना के अंतर्गत अभी तक लगभग 50 करोड़ बचत खाते विभिन्न बैंकों में खोले जा चुके हैं एवं छोटी-छोटी बचतों को जोड़कर लगभग 2 लाख करोड़ रुपए से अधिक की राशि इन खातों में जमा की जा चुकी है। भारत ने इस संदर्भ में पूरे विश्व को ही राह दिखाई है। यह बचत गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन कर रहे नागरिकों को कल का मध्यम वर्ग बनाएगी, इससे देश में विभिन्न उत्पादों का उपभोग बढ़ेगा तथा देश की आर्थिक उन्नति की गति भी तेज होगी। यह भारतीय सनातन संस्कारों के चलते ही सम्भव हो पाया है। भारत में परिवार अपने खर्चों को संतुलित करते हुए भविष्य के लिए बचत आवश्यक समझते हैं।एक और क्षेत्र जिसमें भारतीय दर्शन ने पूरे विश्व को राह दिखाई है, वह है मुद्रा स्फीति पर नियंत्रण स्थापित करना। दरअसल, मुद्रा स्फीति को नियंत्रित करने के लिए विकसित देशों द्वारा ब्याज दरों में लगातार वृद्धि करते जाना, अर्थव्यवस्था के अन्य क्षेत्रों को विपरीत रूप से प्रभावित करता नजर आ रहा है, जबकि इससे मुद्रा स्फीति पर नियंत्रण होता दिखाई नहीं दे रहा है। पूंजीवादी अर्थव्यवस्थाओं में अब पुराने सिद्धांत बोथरे साबित हो रहे हैं। और फिर, केवल मुद्रा स्फीति को नियंत्रित करने के उद्देश्य से ब्याज दरों में लगातार वृद्धि करते जाना ताकि बाजार में वस्तुओं की मांग कम हो, एक नकारात्मक निर्णय है। इससे देश की अर्थव्यवस्था पर विपरीत प्रभाव पड़ता है। उत्पादों की मांग कम होने से, कम्पनियों का उत्पादन कम होता है, देश में मंदी फैलने की सम्भावना बढ़ने लगती है, इससे बेरोजगारी बढ़ने का खतरा पैदा होने लगता है, सामान्य नागरिकों की ईएमआई में वृद्धि होने लगती है, आदि। अमेरिका में कई कम्पनियों ने इस माहौल में अपनी लाभप्रदता बनाए रखने के लिए 2 लाख से अधिक कर्मचारियों की छंटनी करने की घोषणा की है। किसी नागरिक को बेरोजगार कर देना एक अमानवीय कृत्य ही कहा जाएगा। और फिर, अमेरिका में ही इसी माहौल के बीच तीन बड़े बैंक फेल हो गए हैं। यदि इस प्रकार की परिस्थितियां अन्य देशों में भी फैलती हैं तो पूरे विश्व में ही मंदी की स्थिति छा सकती है। पश्चिम की उक्त व्यवस्था के ठीक विपरीत, भारतीय आर्थिक चिंतन में विपुलता की अर्थव्यवस्था के बारे में सोचा गया है, अर्थात अधिक से अधिक उत्पादन करो - 'शतहस्त समाहर, सहस्त्रहस्त संकिर' (सौ हाथों से संग्रह करके हजार हाथों से बांट दो)- यह हमारे शास्त्रों में भी बताया गया है। विपुलता की अर्थव्यवस्था में अधिक से अधिक नागरिकों को उपभोग्य वस्तुएं आसानी से उचित मूल्य पर प्राप्त होती रहती हैं, इससे उत्पादों के बाजार भाव बढ़ने के स्थान पर घटते रहते हैं। भारतीय वैदिक अर्थव्यवस्था में उत्पादों के बाजार भाव लगातार कम होने की व्यवस्था है एवं मुद्रा स्फीति के बारे में तो भारतीय शास्त्रों में शायद कहीं कोई उल्लेख भी नहीं मिलता है। भारतीय आर्थिक चिंतन व्यक्तिगत लाभ केंद्रित अर्थव्यवस्था के स्थान पर मानवमात्र के लाभ को केंद्र में रखकर चलने वाली अर्थव्यवस्था को तरजीह देता है।

# पीएम मोदी ने चक्रवात के दस्तक देने के बाद गुजरात के मुख्यमंत्री से बात की

अहमदाबाद। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार रात गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल से फोन पर बात करके शक्तिशाली चक्रवात बिपारजॉय के आने के बाद राज्य की स्थिति के बारे में जानकारी ली। प्रधानमंत्री ने अन्य मामलों के साथ-साथ जंगली जानवरों, विशेषकर गिर के जंगल में शेरों की सुरक्षा के लिए राज्य प्रशासन द्वारा उठाए गए कदमों के बारे में पूछा। पटेल ने ट्वीट किया, प्रधानमंत्री मोदी ने टेलीफोन पर मुझसे बात करके चक्रवात बिपारजॉय के आने के बाद गुजरात की वर्तमान स्थिति के बारे में सभी जानकारी ली।

उन्होंने गिर वन के शेरों समेत सभी जंगली जानवरों की सुरक्षा के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदमों के बारे में भी पूछा।' एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया है कि मुख्यमंत्री गांधीनगर में राज्य आपातकालीन संचालन केंद्र पहुंचे और शीर्ष अधिकारियों के साथ बैठक कर स्थिति की समीक्षा की। बैठक के दौरान, पटेल को सूचित किया गया कि कच्छ, जूनागढ़ और देवभूमि द्वारका जैसे तटीय जिलों में रहने वाले एक लाख से अधिक लोगों को एहतियात के तौर पर अस्थायी आश्रयों में स्थानांतरित कर दिया गया है। गुजरात में 'बिपारजॉय' चक्रवात के कारण हो रही तेज बारिश के बीच भावनगर में बृहस्पतिवार को एक उफनते नाले में फंसी अपनी बकरियों को बचाते समय एक व्यक्ति और उसके बेटे की मौत हो गई। चक्रवात के बृहस्पतिवार को कच्छ जिले में दस्तक देने के बाद भावनगर सहित गुजरात के कई हिस्सों में काफी बारिश हुई है। वहीं कच्छ जिले में चक्रवाती तूफान के कारण तेज हवा चली और भारी बारिश हुई, जिससे सामान्य जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया। जिले में बड़ी संख्या में पेड़ उखड़ गए, कई इलाकों में बिजली गुल हो गई और समुद्र के पास निचले इलाकों में पानी भर गया।

भावनगर में मामलातदार (राजस्व अधिकारी) एस. एन. वाला ने कहा कि सुबह से हुई बारिश के बाद सीहोर शहर के पास भंडार गांव से गुजरने वाले एक नाले के ऊपर से पानी बहने लगा। वाला ने कहा, 'अचानक पानी आने से बकरियों का झुंड नाले में फंस गया। जानवरों को बचाने के लिए 55 वर्षीय रामजी परमार और उनका बेटा राकेश परमार (22) नाले में घुस गए। हालांकि, वे पानी में बह गए। उनके शवों को कुछ दूर से निकाल लिया गया।' अधिकारी ने कहा कि 22 बकरियां और एक भेड़ की भी मौत हो गई। अधिकारियों ने कहा कि इसके अलावा राज्य में कहीं और से चक्रवात संबंधी मौत की जानकारी नहीं मिली है। वहीं मांडवी (कच्छ जिले) में तूफान के असर के कारण कई इलाकों में पेड़ उखड़ गए तो कई इलाकों की बिजली चली गई। वहीं समुद्र के किनारे स्थित निचले इलाकों में पानी भरने की भी जानकारी मिली है। मांडवी शहर में पूरी तरह से बिजली गुल रही। तेज हवाओं के कारण जखौ-मांडवी रोड के साथ-साथ मांडवी शहर में कई पेड़ उखड़ गए। जिला कलेक्टर अमित अरोड़ा ने कहा, अभी तक किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। उन्होंने कहा, हवा की गति बहुत तेज है। अभी हर जगह बारिश हो रही है। लेकिन स्थिति नियंत्रण में है। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, हमें मामूली नुकसान हुआ है जैसे 200 बिजली के खंभे उखड़ गए हैं, 250 पेड़ उखड़ गए हैं और हमने एहतियात के तौर पर पांच तहसीलों में बिजली आपूर्ति काट दी है।

## बीजेपी से मिले हुए थे मांझी, नीतीश कुमार बोले- मीटिंग में रहकर देते थे खबर

नई दिल्ली। हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (सेक्युलर) प्रमुख जीतन राम मांझी के बेटे डॉ. संतोष कुमार सुमन के इस्तीफे पर बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि मैंने खुद इस्तीफा देकर उन्हें(जीतन राम मांझी) मुख्यमंत्री बनाया था, अभी वे क्या बोलते हैं सभी को पता है। सभी को मालूम था कि वे भाजपा के लोगों से मिल रहे थे और फिर हमारे पास भी आते थे। मैंने कहा कि हमने आपको इतना बनाया तो अपनी पार्टी का आप विलय करें तो उन्होंने कहा कि ठीक है हम अलग हो जाते हैं। हिन्दुस्तानी आवाम मोर्चा के संस्थापक जीतन राम मांझी ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर अपने पुत्र संतोष सुमन के राज्य मंत्रिमंडल से बाहर हो जाने का ठीकरा फोड़ा। सुमन के कैबिनेट से इस्तीफा देने के एक दिन बाद अपनी चुप्पी तोड़ते हुए पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी ने आठ साल से अधिक समय पहले उन्हें इस्तीफा देने के लिए मजबूर किये जाने का भी जिक्र किया। आठ साल से अधिक समय पहले मांझी के मुख्यमंत्री पद से हटने के बाद ही जनता दल यूनाइटेड (जदयू) केप्रमुख नीतीश कुमार सत्ता में लौटे थे। पूर्व मुख्यमंत्री ने दावा किया कि जब नीतीश विलय की बात पर अड़े रहे तो उन्होंने कहा कि यह संभव नहीं है, तब कहा गया कि तो बेहतर होगा कि आप बाहर चले जाएं।

## संक्षिप्त समाचार

### चक्काजाम कर रहे बजरंग दल कार्यकर्ताओं पर लाठीचार्ज, 11 गिरफ्तार

इंदौर। इंदौर में एक बेहद व्यस्त चौराहे पर धरना-प्रदर्शन और चक्काजाम कर रहे बजरंग दल कार्यकर्ताओं को तितर-बितर करने के लिए पुलिस ने बृहस्पतिवार देर रात लाठीचार्ज किया और 11 लोगों को एहतियातन गिरफ्तार किया। पुलिस के एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। प्रदर्शनकारियों द्वारा शहर के पलासिया चौराहे पर यह आरोप लगाते हुए विरोध प्रदर्शन किया जा रहा था कि नशे के अवैध कारोबार में शामिल लोगों की शिकायत किए जाने पर इन व्यक्तियों की शह पर बजरंग दल कार्यकर्ताओं के खिलाफ झूठे मामले दर्ज किए जा रहे हैं। भदौरिया के मुताबिक चक्काजाम के दौरान बजरंग दल के उग्र कार्यकर्ताओं पर काबू पाने के दौरान पांच पुलिस कर्मियों को चोटें आई हैं और इस दौरान कुछ लोगों ने पुलिस बल पर पथराव भी किया। डीसीपी ने कहा कि पुलिस इस घटनाक्रम को लेकर उचित कानूनी कार्रवाई कर रही है। चश्मदीदों ने बताया कि बजरंग दल कार्यकर्ताओं के घंटे भर तक चले धरना-प्रदर्शन से पलासिया चौराहे पर वाहनों की लम्बी कतारें लग गईं और यातायात बाधित हुआ।

### कालबुर्गी में रेत माफिया ने कांस्टेबल को ट्रैक्टर से कुचला, दिए गए जांच के आदेश

नई दिल्ली। कलबुर्गी के जेवरगी तालुक में नारायणपुर के पास अवैध रूप से खनन किए जा रहे रेत के ट्रैक्टर को रोकने की कोशिश के दौरान नेलोगी पुलिस थाने के एक कांस्टेबल की शुक्रवार को मौत हो गई। पुलिस ने कहा, चालक ने ट्रैक्टर को कथित तौर पर पुलिस कांस्टेबल के ऊपर चढ़ा दिया। खबरों के मुताबिक, नेलोगी पुलिस स्टेशन में कांस्टेबल के पद पर कार्यरत 51 वर्षीय मयूरा अवैध रेत ले जा रहे ट्रक को रोकने की कोशिश कर रही थी, तभी ड्राइवर ने कांस्टेबल को कुचल दिया। पुलिस ने मामले में आरोपी ड्राइवर सिद्दन्ना को गिरफ्तार कर लिया है और उसने अपना जुर्म कबूल कर लिया है। एक मामला दर्ज किया गया है। राज्य के मंत्री प्रियांक खड़गे ने घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, 'मैंने एक बार फिर पुलिस विभाग को अवैध रेत खनन के खिलाफ तुरंत कानूनी कार्रवाई करने के सख्त आदेश दिए हैं। घटना की जांच के आदेश दिए गए हैं।'

## संजीवनी घोटालाः केंद्रीय मंत्री शेखावत ने भ्रष्टाचार के आरोपों पर गहलोत को खुली बहस की चुनौती दी

जयपुर। केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने संजीवनी क्रेडिट को-ऑपरेटिव सोसायटी घोटाला मामले में उनके खिलाफ लगाए गए आरोपों पर राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को खुली बहस करने की चुनौती दी है। गहलोत द्वारा लगाए गए आरोपों के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने बृहस्?पतिवार को पोकरण में मीडिया से कहा, आज चुनौती देकर यहां से कहता हूं, वो और उनके वकील हिंदुस्तान के किसी भी मंच पर खड़े हो जाएं और वहां खड़े होकर मेरे सामने इस पर बहस करें। वकीलों को लेकर बहस करें, मुझे किस तरह से दोषी ठहरा रहे हैं?

उल्?लेखनीय है कि गहलोत ने जोधपुर से सांसद शेखावत पर बार बार इस घोटाले में शामिल होने का आरोप लगाया है जिसमें बड़ी संख्या में निवेशकों को करोड़ों रुपये का चूना लगा। शेखावत ने उन्हें क्रेडिट सोसाइटी से जोड़ने के आरोपों को खारिज करते हुए गहलोत के

खिलाफ दिल्ली की एक अदालत में मानहानि का मुकदमा भी दायर किया है। शेखावत ने मीडिया से कहा कि मुख्?यमंत्री 2019 के लोकसभा चुनाव में अपने बेटे वैभव गहलोत की हार के कारण उन पर आरोप लगाते हैं। केंद्रीय मंत्री ने जोधपुर लोकसभा सीट पर वैभव को हराया था। जोधपुर गहलोत का गृहनगर भी है। भाजपा नेता ने यह भी कहा कि वह भाजपा के राज्यसभा सदस्?य किरोड़ी लाल मीणा द्वारा गहलोत और उनके बेटे के खिलाफ लगाए गए भ्रष्टाचार के आरोपों को साबित करेंगे। उन्होंने आरोप लगाया, वे करोड़ों रुपए के कालेधन को सफेद करने का काम करते हैं। गहलोत की ओर से इस आरोप पर तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई। शेखावत ने यह भी कहा कि केंद्र सरकार ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में जिस तरह से सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के संकल्प को लेकर देश के हितों को सर्वोपरि मानते हुए, राष्ट्र हितों से समझौता किए हुए बिना, भ्रष्टाचार को कतई बर्दाश्त नहीं करने की नीति पर चलते हुए, जिस तरह से काम किया गया, उसका परिणाम है कि आज व्यवस्था पर लोगों का विश्वास पुनः स्थापित हुआ है।

## अमरनाथः 40 से अधिक खाद्य पदार्थ प्रतिबंधित तीर्थयात्रियों को सेहत पर ध्यान देने की सलाह

जम्मू। आगामी अमरनाथ यात्रा में 40 से अधिक खाद्य पदार्थों पर प्रतिबंध लगाया गया है और तीर्थयात्रियों को प्रतिदिन कम से कम पांच किलोमीटर पैदल चलकर शारीरिक स्वास्थ्य बेहतर करने की सलाह दी गई है। श्री अमरनाथ श्राइन बोर्ड ने बृहस्पतिवार को जारी अपने स्वास्थ्य परामर्श में यह जानकारी दी। प्रतिबंधित खाद्य पदार्थों में 'कोल्ड ड्रिंक' और 'फास्ट फूड' भी शामिल हैं। स्वास्थ्य परामर्श में दक्षिण कश्मीर में स्थित हिमालय के तीर्थस्थल की यात्रा करने वाले श्रद्धालुओं से कहा गया है कि वे प्रतिदिन सुबह और शाम लगभग चार से पांच किलोमीटर की सैर करना शुरू करें ताकि उनका शारीरिक स्वास्थ्य बेहतर रहे। अमरनाथ यात्रा एक जुलाई से शुरू होगी। इसके लिए दो रास्ते हैं, जिनमें अनंतनाग जिले में 48 किलोमीटर लंबा नुंवान-पहलगाम का मार्ग है और गांदरबल जिले में दुर्गम चढ़ाई वाला 14 किलोमीटर लंबा रास्ता शामिल है। अधिकारियों ने कहा, "अमरनाथ यात्रा शुरू करने से पहले प्रतिबंधित खाद्य पदार्थों और ऐसे खाद्य पदार्थों की सूची पर नजर डालें, जिन्हें आप यात्रा के दौरान ले जा सकते हैं।" श्री अमरनाथ श्राइन बोर्ड की सलाह के अनुसार जिन खाद्य पदार्थों पर प्रतिबंध लगाया गया है, उनमें पुलाव, तला चावल, पूड़ी, पिज्जा, बर्गर, भरवां परांठा, डोसा, मक्खन-ब्रेड, अचार, चटनी, तला पापड़, चाउमीन सहित अन्य तले हुए खाद्य पदार्थ शामिल हैं। श्रद्धालुओं के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए बोर्ड ने चावल के कुछ व्यंजनों के साथ अनाज, दालों, हरी सब्जियों और सलाद जैसे स्वस्थ खाद्य पदार्थों की सिफारिश की है।

## धोखाधड़ी के शिकार महाराष्ट्र के व्यक्ति को एक साल बाद वापस मिले 36 लाख रुपये

ठाणे। महाराष्ट्र के ठाणे जिले में पिछले साल क्रिप्टोकरंसी धोखाधड़ी में 36 लाख रुपये गंवाने वाले मोबाइल की दुकान के एक मालिक को उसकी पूरी रकम वापस मिल गई है। पुलिस ने मामला सुलझाते हुए इस अपराध में शामिल चीनी नागरिक का पता लगा लिया। एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इस मामले की जांच मीरा भायंदर-वसई विरार (एमबीवीवी) पुलिस आयुक्तालय के साइबर प्रकोष्ठ ने की। एमबीवीवी साइबर प्रकोष्ठ के वरिष्ठ निरीक्षक सुजीत कुमार गुंजकर ने कहा कि पीड़ित को फरवरी 2022 में क्रिप्टोकरंसी कारोबार के लिए लुभाया गया और फिर वह एक व्हाट्सऐप समूह से जुड़ गया। समूह के प्रशासक ने उससे संपर्क किया और अच्छे

मुनाफे का वादा कर क्रिप्टोकरंसी में निवेश करने को कहा।

उन्होंने कहा, "उसके झांसे में आकर पीड़ित ने एक मोबाइल ऐप के माध्यम से पैसे का निवेश किया और 39,596 अमेरिकी डॉलर मूल्य की क्रिप्टोकरेंसी खरीदी।" अधिकारी ने कहा, हालांकि पिछले साल मई के आखिर में यह व्हाट्सऐप समूह बंद हो गया और कई प्रयासों के बाद भी वह समूह प्रशासक से संपर्क करने में नाकाम रहा। गुंजकर ने कहा, "पीड़ित को फिर एहसास हुआ कि उसके साथ धोखा हुआ है। इसके बाद उसने साइबर पुलिस से संपर्क किया और शिकायत दर्ज कराई। मामले में जांच शुरू की गई और विभिन्न साक्ष्यों के आधार पर कार्रवाई की गई। इस प्रक्रिया के दौरान पुलिस को सेशेल्स में पंजीकृत एक क्रिप्टोकरंसी हस्तांतरण केंद्र ओकेएक्स का पता चला।"

उन्होंने बताया कि जांच के दौरान पुलिस को एक संदिग्ध 'क्रिप्टोकरंसी वॉलेट' का पता चला। पुलिस ने ओकेएक्स से संपर्क किया और पता चला कि यह संदिग्ध वॉलेट एक चीनी नागरिक का है। 'क्रिप्टोकरंसी वॉलेट' एक सॉफ्टवेयर या हार्डवेयर है जो कई विभिन्न आकृति एवं आकार में आता है जिससे यूजर क्रिप्टोकरंसी को वहां रखते और इसका इस्तेमाल करते हैं। अधिकारी ने बताया कि शिकायत और जांच के आधार पर काशिमीरा थाने में भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 420 (धोखाधड़ी), 34 (साझा मंशा) के तहत मामला दर्ज किया गया।

उन्होंने बताया कि साइबर प्रकोष्ठ ने इसके बाद अपराध की विस्तृत जानकारी और जांच के परिणाम के साथ स्थानीय अदालत का रुख किया। उन्होंने अदालत को बताया कि पीड़ित का धन चीनी नागरिक के वॉलेट में है और जिस नंबर से पीड़ित से संपर्क किया गया था वह हांगकांग का है। साइबर प्रकोष्ठ की दलीलों के आधार पर अदालत ने क्रिप्टोकरंसी के रूप में पीड़ित के 36 लाख रुपये शिकायतकर्ता को लौटाने का आदेश दिया। इसके बाद राशि बरामद कर ली गई और कुछ दिनों बाद रकम पीड़ित को वापस कर दी गई।

### लोकायुक्त ने सीएमएचओ को दस हजार रुपये की रिश्वत लेते पकड़ा

उज्जैन। मध्य प्रदेश लोकायुक्त पुलिस के अधिकारियों ने शुक्रवार को आगर मालवा जिले में एक वरिष्ठ स्वास्थ्य अधिकारी को कथित तौर पर एक डॉक्टर से 10 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ पकड़ा है। लोकायुक्त पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) सुनील तालान ने कहा कि आगर मालवा जिले के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) आर सी कुरील ने एक संविदा बाल विशेषज्ञ से अपने विस्तार प्रस्ताव पर कोई प्रतिकूल टिप्पणी नहीं करने के लिए 20,000 रुपये रिश्वत की मांग की। उन्होंने कहा कि एक गुप्त सूचना के आधार पर एक जाल बिछाया गया और कुरील को शिकायतकर्ता से उनके आधिकारिक आवास पर 10,000 रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथ पकड़ा गया।

## जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा में सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में पांच आतंकवादी मारे गए

श्रीनगर। कश्मीर जोन पुलिस ने कहा कि शुक्रवार की तड़के जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में आतंकवादियों और सेना और पुलिस के संयुक्त दलों के बीच हुई मुठभेड़ में पांच विदेशी आतंकवादी मारे गए। क्षेत्र की तलाशी चल रही है, अधिकारियों ने इस खबर की पुष्टि की। एडीजीपी कश्मीर, विजय कुमार ने एएनआई को बताया, 'मुठभेड़ में पांच विदेशी आतंकवादी मारे गए। तलाशी अभियान जारी है।' भारतीय सेना ने एक बयान में कहा इंडियन आर्मी और जम्मू कश्मीर पुलिस द्वारा शुरू किए गए एक ज्वाइंट ऑपरेशन में, आज सुबह केरन सेक्टर, कुपवाड़ा में थ्ध्ण के साथ सतर्क सैनिकों द्वारा घुसपैठ की कोशिश को नाकाम कर दिया गया। 5 आतंकवादियों का सफाया कर दिया गया। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एडीजीपी), कश्मीर, विजय कुमार ने ट्विटर पर कहा, 'मुठभेड़ में पांच (05) विदेशी आतंकवादी मारे गए। इलाके में तलाश जारी है।'

## समान नागरिक संहिता पर बोले केसीआर, धर्मगुरुओं को मठ में रहना चाहिए, राजनीति में न घुसे

नई दिल्ली। तेलंगाना के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने गुरुवार को केंद्र सरकार पर राजनीति में धार्मिक हस्तियों को शामिल करने का आरोप लगाया। केसीआर ने यह आरोप तब लगाया है कि जब विधि आयोग द्वारा समान नागरिक संहिता पर धार्मिक निकायों के विचार मांगने की बात सामने आई है। यूसीसी के बारे में पूछे जाने पर केसीआर ने कहा कि 'कहां से वे (केंद्र) धर्म गुरुओं (धार्मिक नेताओं) को राजनीति में ला रहे हैं?' तेलंगाना के मुख्यमंत्री ने कहा कि धर्म गुरुओं को मठ चलाना चाहिए और पूजा करनी चाहिए। वे (सत्तारूढ़) इसमें घुसपैठ कर हंगामा कर रहे हैं। के चंद्रशेखर राव ने देश में समान नागरिक संहिता के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, "वे (केंद्र सरकार) धर्म गुरुओं को राजनीति में कहां से ला रहे हैं? धर्म गुरुओं को मठ

चलाना चाहिए और पूजा करनी चाहिए। वे (केंद्र सरकार) उनका प्रवेश कराकर हंगामा कर रहे हैं। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि चंद्रशेखर राव ने उनकी भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) महाराष्ट्र में विपक्षी गठबंधन महा विकास आघाड़ी (एमवीए) से गठबंधन नहीं करेगी और नगर निकाय, विधानसभा और लोकसभा चुनाव में राज्य की हर सीट पर अकेले चुनाव लड़ेगी। भारत के विधि आयोग ने बुधवार को समान नागरिक संहिता (यूसीसी) पर राय और टिप्पणियां मांगने के लिए एक सार्वजनिक नोटिस जारी किया। यह 21वें विधि आयोग द्वारा अगस्त 2018 में इसी मुद्दे पर एक परामर्श पत्र जारी करने के बाद से पांच साल के अंतराल के बाद आया है। विधि आयोग ने बताया है उसने राजनीतिक रूप से संवेदनशील मुद्दा 'समान नागरिक संहिता' (यूसीसी) पर लोगों तथा मान्यता प्राप्त धार्मिक संगठनों के सदस्यों सहित विभिन्न हितधारकों के विचार आमंत्रित कर नये सिरे से परामर्श की प्रक्रिया बुधवार को शुरू कर दी।

### बौद्ध बच्चों की शिक्षा के लिए अभियान चलाने पर मिजोरम राज्यपाल ने किया तरुण विजय का सम्मान

देहरादून-आइजॉल। मिजोरम के राज्यपाल डॉ. हरि बाबू कम्भमपति द्वारा आइजॉल राज भवन में उत्तराखण्ड के पूर्व सांसद और युद्ध स्मारक शौर्य स्थल के संस्थापक अध्यक्ष तरुण विजय का सम्मान किया गया।तरुण विजय ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की सुदूर हिमालय पर्वतीय क्षेत्रों में बसे वंचित और आर्थिक दृष्टि से विपन्न समाज की सेवा और शिक्षा की संकल्प-भावना से प्रेरित होकर वे देहरादून से 2500 किमी दूर इन बांग्ला सीमा पर बसे गाँवों में गये थे, जहां सड़क भी नहीं है और उनको नदी मार्ग से गाँव तक पहुँचना पड़ा। राज्यपाल ने इस मानवीय कार्य हेतु उत्तराखंड के नागरिकों व मुख्यमंत्री श्री धामी का धन्यवाद भी दिया।

## घर में आग पर बोले आरके रंजन सिंह, मणिपुर में क़ानून-व्यवस्था खत्म

मणिपुर। हिंसा का दौर लगातार जारी है। भीड़ ने गुरुवार देर रात को विदेश राज्य मंत्री आरके रंजन सिंह के इंफाल के कोंगबा में स्थित उनके आवास पर हमला किया। सुरक्षा बलों और दमकल कर्मियों ने भीड़ की आग लगाने की कोशिश को नाकाम कर दिया और मंत्री के आवास को जलने से बचा लिया। हालांकि, इसको लेकर अब विदेश राज्य मंत्री आरके रंजन सिंह का बयान सामने आया है। अपने बयान में उन्होंने साफ तौर पर कहा कि मणिपुर में क़ानून-व्यवस्था खत्म हो चुकी है और मौजूदा सरकार शांति व्यवस्था बनाने में विफल रही है। केंद्रीय मंत्री डॉ. राजकुमार रंजन ने पूरे मामले पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि मैं कोच्ची में हूं और अपने राज्य (मणिपुर) में नहीं हूं। मैंने बड़ी मेहनत से अपना घर बनाया था। उन्होंने कहा कि मेरे घर पर हमला होने पर मुझे

### शांति बनाने में मौजूदा सरकार विफल

दुख है और अपने राज्य के नागरिकों द्वारा ऐसे रवैये की अपेक्षा नहीं की थी। केंद्रीय मंत्री ने आगे कहा कि मुझे बताया गया कि घर में आग लगी थी लेकिन लोगों ने दमकल की गाड़ी वहां तक पहुंचने नहीं दी। ऐसा लगता है जैसे यह मेरे जीवन पर हमला है। यह दिखाता है कि मणिपुर में क़ानून-व्यवस्था खत्म हो चुकी है और मौजूदा सरकार शांति व्यवस्था बनाने में विफल रही है। मैंने झ्श और गृह मंत्री को बता दिया है। मणिपुर में झड़प और हमलों के मामले इस सप्ताह फिर से सामने आए हैं। मणिपुर में एक महीने पहले मेइती और कुकी समुदाय के लोगों के बीच हुई जातीय हिंसा में 100 से अधिक लोगों की जान चली गई थी। गौरतलब है कि मणिपुर में अनुसूचित जनजाति (एसटी) का दर्जा देने की मेइती समुदाय की मांग के विरोध में तीन मई को पर्वतीय जिलों में आदिवासी एकजुटता मार्च के आयोजन के बाद झड़पें हुई थीं।

## क्यों बदला गया नेहरू स्मारक संग्रहालय का नाम, क्या है इसका इतिहास, किस वजह से है कांग्रेस को आपत्ति

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने जिस परिसर में अपनी अंतिम सांस ली उसे नेहरू मेमोरियल म्यूजियम एंड लाइब्रेरी के नाम से जाना जाता था। नेहरू मेमोरियल को उनकी यादों को संजोने के लिए जाना जाता है। लेकिन अब इसका नाम बदल दिया गया है। एक सरकारी बयान के अनुसार, स्श्थ्् सोसायटी की एक 'विशेष बैठक' में नाम बदलने का निर्णय लिया गया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, जो 29 सदस्यीय निकाय के उपाध्यक्ष हैं, ने इसकी अध्यक्षता की। इसकी अध्यक्षता प्रधान मंत्री मोदी कर रहे हैं, और इसके सदस्यों में केंद्रीय मंत्री अमित शाह, अनुराग ठाकुर, धर्मेंद्र प्रधान, जी किशन रेड्डी, निर्मला सीतारमण हैं। इसका नाम अब प्राइम मिनिस्टर्स म्यूजियम एंड सोसाइटी होगा।

नेहरू मेमोरियल का इतिहास ब्रिटिश शासन के दौरान दिल्ली भारत की राजधानी थी। ऐसे में 1929-30 में एडविन लुटियंस के शाही राजधानी के हिस्से में इस परिसर का निर्माण किया गया था। आजादी से पहले यह भारत के म्दर्स्र्ही-ग्ह-म्ग्फ् का आधिकारिक निवास हुआ करता था। लेकिन आजादी के बाद देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू का यह आधिकारिक निवास बन गया। जवाहरलाल नेहरू परिसर में 1948 से लेकर 27 मई 1964 तक रहे। नेहरू का निधन 27 मई 1964 को हुआ था। पंडित नेहरू के निधन के बाद ही इस परिसर को देश के पहले प्रधानमंत्री को समर्पित किया गया और इस परिसर में उनकी यादों को संजोया जाने लगा। 14 नवंबर 1964 को नेहरू की 75वीं जयंती पर नेहरू स्मारक संग्रहालय का उद्घाटन तत्कालीन राष्ट्रपति एस राधाकृष्णन ने किया था।

कांग्रेस नेता जयराम रमेश में इस पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि संकीर्णता और प्रतिशोध का दूसरा नाम मोदी है। 59 वर्षों से अधिक समय से नेहरू स्मारक संग्रहालय और पुस्तकालय एक वैश्विक बौद्धिक ऐतिहासिक स्थल और पुस्तकों एवं अभिलेखों का खज़ाना घर रहा है। उन्होंने कहा कि अब से इसे प्रधानमंत्री म्यूजियम और सोसायटी कहा जाएगा। पीएम मोदी भारतीय राष्ट्र-राज्य के शिल्पकार के नाम और विरासत को विकृत करने, नीचा दिखाने और नष्ट करने के लिए क्या नहीं करेंगे। अपनी असुरक्षाओं के बोझ तले दबा एक छोटे कद का व्यक्ति स्वघोषित विश्वगुरु बना फिर रहा है।

कांग्रेस के विरोध के बावजूद भी इसका नाम बदला गया। बताया जा रहा है कि 2016 में प्रधानमंत्री मोदी ने नेहरू मेमोरियल को भारत के सभी प्रधानमंत्रियों को समर्पित एक संग्रहालय स्थापित करने की बात कही थी। 25 नवंबर 2016 को एनएमएमएल की बैठक में इसे मंजूरी भी दे दी गई थी। अब यह योजना पूरी हो गई है। इसके बाद किसका नाम बदला गया है। 21 अप्रैल 2022 को प्रधानमंत्री मोदी द्वारा इसका उद्घाटन किया गया था। लेकिन कांग्रेस लगातार विरोध करती रही है। सरकार का मानना है कि यह म्यूज़ियम स्वतंत्र भारत में लोकतंत्र के सामूहिक यात्रा को दर्शाता है और सभी प्रधानमंत्री के योगदान पर भी केंद्रित है। इसी कारण इसका नाम बदला गया और प्राइम मिनिस्टर म्यूजियम एंड सोसाइटी रखा गया है। संग्रहालय को भी पूरी तरीके से अपडेट किया गया है।

# 'जिंदगी के मुश्किल वक्त में हूं, आखिरी पोस्ट में यह शब्द लिखकर काजोल ने सोशल मीडिया से लिया ब्रेक, डिलीट किए सारे पोस्ट

मुम्बई। काजोल ने अपने नयी इंस्टाग्राम पोस्ट से प्रशंसकों को चिंतित कर दिया है। हाल ही में लस्ट स्टोरीज 2 की घोषणा करने वाली अभिनेत्री ने अपने इंस्टाग्राम फीड से अपने सभी पोस्ट हटा दिए हैं। उन्होंने एक नोट साझा किया है जिसके पढकर काजोल के फैंस काफी परेशान हो गये हैं। काजोल ने अपनी आखिरी पोस्ट में लिखा कि मैं जिंदगी के मुश्किल वक्त में हूं। इस पोस्ट के अलावा उन्होंने अपनी सारी पुरानी पोस्ट को डिलीट कर दिया। देश में सबसे शानदार प्रदर्शन करने वालों में से एक है अभिनेत्री काजोल अपने नवीनतम प्रोजेक्ट्स से काफी प्रभावित कर रही है। उन्होंने हाल ही में लस्ट स्टोरीज 2 की घोषणा की थी। अभिनेत्री के प्रशंसक काजोल की इंस्टाग्राम स्टोरी और उस पोस्ट को लेकर काफी चिंतित हैं, जो अभिनेत्री के कुछ मुश्किलों का सामना करने के बारे में यही बात कहती है। कुछ मिनट पहले काजोल ने अपने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर किया था, जिसमें लिखा था, 'मेरे जीवन के सबसे कठिन दौरों में से एक का सामना कर रही हूं।' काजोल ने कैप्शन में लिखा, 'सोशल मीडिया से ब्रेक ले रही हूं।' उन्होंने अपनी इंस्टाग्राम कहानियों में इसे साझा किया। काजोल के इंस्टाग्राम फीड से बाकी पोस्ट हटा दिए गए हैं। काजोल के प्रशंसक चिंतित हैं और अभिनेत्री के लिए उपचार संदेश और प्रार्थनाएं साझा कर रहे हैं। एंटरटेनमेंट की खबरों में काजोल का यह पोस्ट वायरल हो रही है। काजोल फोटोशूट, थ्रोबैक शेयर करतीं और मजाकिया और नासमझ कैप्शन के साथ रील भी पोस्ट करतीं। काजोल के फोटोशूट अक्सर उनके प्रशंसकों को हैरान कर देते हैं। सलाम वेंकी अभिनेत्री भी अपने मूर्खतापूर्ण पोस्ट और कैप्शन के साथ अपने प्रशंसकों को हंसाती थी। हमें आश्चर्य है कि काजोल के साथ क्या हो रहा है और आशा करते हैं कि सभी जल्द ठीक हो जाएं। काजोल लस्ट स्टोरीज की दूसरी एंथोलॉजी सीरीज का हिस्सा हैं। वह एंथोलॉजी श्रृंखला में बाकी कलाकारों में शामिल होंगी जिनमें नीना गुप्ता, तिलोत्तमा शोम, मृणाल ठाकुर, अंगद बेदी, तमन्नाह भाटिया, विजय वर्मा, अमृता सुभाष और कुमुद मिश्रा शामिल हैं। इस बार, एंथोलॉजी का निर्देशन पांच फिल्म निर्माता अमित रविंद्रनाथ शर्मा, कोंकणा सेन शर्मा, आर बाल्की और सुजॉय घोष करेंगे। टीजर के मुताबिक, काजोल साड़ी में सिंपल लुक में हैं। टीज़र में उन्होंने एक युवा लड़के के साथ स्क्रीन स्पेस साझा किया है। अभी वेब सीरीज के बारे में ज्यादा कुछ पता नहीं चला है। लस्ट स्टोरीज का पहला भाग काफी सफल रहा है। इसमें विक्की कौशल, कियारा अदानी, राधिका आप्टे, मनीषा कोइराला, संजय कपूर, भूमि पेडनेकर, नेहा धूपिया और अन्य ने अभिनय किया। पहली एंथोलॉजी का निर्देशन करण जौहर, अनुराग कश्यप, जोया अख्तर और दिबाकर बनर्जी ने किया था।

# अमीषा पटेल, 47 साल में भी फ्लॉन्ट करती हैं

मुम्बई। फिल्म कहो न प्यार है से बॉलीवुड में कदम रखने वाली अमीषा पटेल ने बहुत कम समय में खूब लोकप्रियता कमाई। उन्होंने गदर, हमराज जैसी सुपरहिट फिल्में दी। एक समय था जब अमीषा पटेल की खूबसूरती के लोग दीवाने थे। उनके चेहरे पर दिखने वाली मासूमियत अमीषा को मौजूदा अन्य एक्ट्रेस से अलग बनाती थी। जबरदस्त फैन फॉलोइंग रखने वाली एक्ट्रेस अमीषा अब बहुत बदल चुकी हैं। आज की इस पोस्ट में हम आपको अमीषा पटेल का बदला चेहरा दिखाने जा रहे हैं। कुछ रिपोर्ट की माने तो 2007 में आयी अमीषा पटेल की आखिरी हिट फिल्म भूल भुलैया थी। फिल्म में उन्होंने अक्षय कुमार के साथ काम किया था। इस फिल्म की लीड एक्ट्रेस विद्या बालन थी लेकिन अमीषा को लोग भी प्रमुख था। ऐसे में उनके काम की भी तारीफ हुई थी। इस हिट के बाद से अमीषा के पास कई फिल्में आयी लेकिन एक भी फिल्म अच्छे स्तर पर नहीं चली। अब 2023 में एक बार फिर से सिल्वर स्क्रीन पर अमीषा पटेल शकीना बनकर वापसी करने वाली हैं देखना होगा गदर 2 बॉक्स ऑफिस पर गदर मचा पाती हैं या नहीं। अमीषा पटेल को बड़े स्टर परल लोकप्रियता फिल्म गदर से मिली थी। साल 2001 में आयी फिल्म गदर में अमीषा ने सकीना का किरदार निभाया था। देश के विभाजन के दौरान सकीना भारत में रह जाती हैं। दारा सकीना की जान बचाता है बाद में

दोनों को एक दूसरे से प्यार हो जाता है और दारा और सकीना की शादी हो जाती हैं। सकीना का एक दिन संपर्क अपने पिता से होता है जो पाकिस्तान की सियासत में काफी एक्टिव होते हैं। वह सकीना को पाकिस्तान बुला लेते हैं। फिर वह सकीना को वापस भारत नहीं भेजते। दारा सकीना को पाने के लिए एक लंबी जंग लड़का हैं। अब गदर 2 की कहानी भी यहीं से शुरू होगी। अमीषा एक बार फिर से दमदार वापसी करने के लिए तैयार है। मासूस सी दिखने वाली सकीना का लुक अब काफी हॉट हो गया हैं। अमीषा पटेल सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और अपने फैंस के साथ हॉट हॉट तस्वीरे शेयर करती हैं। कई बार अमीषा पटेल को एक बड़ी उम्र की महिला होने और उनके ड्रेसिंग सेंस को लेकर ट्रोल भी किया जाता है लेकिन अमीषा पटेल इसकी परवाह किए बिना वह लगातार तस्वीरें पोस्ट करती रहती हैं। अमीषा पटेल का जन्म 9 जून 1975 को हुआ था। उन्होंने 2000 में रोमांटिक थ्रिलर फिल्म कहो ना ... प्यार है के साथ अपने अभिनय की शुरुआत की, जो समीक्षकों और व्यावसायिक रूप से सफल रही और सर्वश्रेष्ठ महिला पदार्पण के लिए जी सिने अवार्ड सहित कई पुरस्कार जीते। पटेल को गदरः एक प्रेम कथा (2001) से प्रसिद्धि मिली, जो हिंदी सिनेमा के इतिहास की सबसे बड़ी हिट फिल्मों में से एक बन गई, जिसने उन्हें फिल्मफेयर विशेष प्रदर्शन पुरस्कार दिलाया। उन्होंने सफल बद्री (2000) के साथ तेलुगु फिल्म की शुरुआत की। पटेल हमराज़ (2002), क्या यही प्यार है (2002), हनीमून ट्रैवल्स प्रा. लिमिटेड (2007), भूल भुलैया (2007) और रेस 2 (2013) जैसी फिल्मों का भी हिस्सा रही हैं।

# सनी देओल से भिड़ने को तैयार अक्षय कुमार, बॉक्स ऑफिस की जंग कौन जीतेगा?

मुम्बई। अक्षय कुमार ने ओएमजी 2 की रिलीज की तारीख की घोषणा की है। यह फिल्म सनी देओल स्टारर

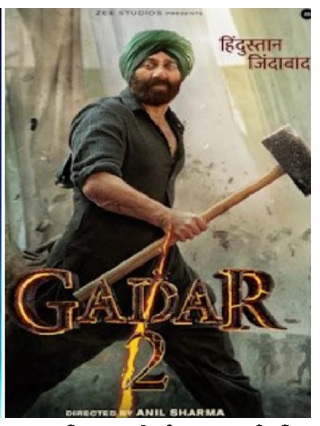



गदर 2 के साथ टकरा रही है। दो बड़ी फिल्में, दोनों सीक्वल और दोनों का दर्शक बेसब्री से इंतजार भी कर रहे हैं। गदर 2, 11 अगस्त 2023 को रिलीज़ हो रही है और अब, अक्षय कुमार ने ऑनलाइन एक पोस्टर साझा करते हुए घोषणा की कि ध्श्उ 2, 11 अगस्त को भी सिल्वर स्क्रीन पर आएगी। वाकई यह एक बड़ी टक्कर होने वाली है। फिल्मों और सितारों दोनों का एक अलग और विशाल प्रशंसक है लेकिन कौन सी फिल्म प्रशंसकों को अधिक प्रभावित करेगी? ये देखना दिलचस्प होगा।

ओएमजी 2 काफी समय से चर्चा में है। अक्षय कुमार स्टारर फिल्म को 2012 की हिट ध्श्उ - ओह माय गॉड का आध्यात्मिक सीक्वल बताया जा रहा है। अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी में अक्षय कुमार ने एक पोस्टर शेयर किया जिसमें वह एक अघोरी अवतार में दिखाई दे रहे हैं। उनके एक हाथ में डमरू है जो उनके सिर के ऊपर उठा हुआ है। पोस्टर नीले रंग में है। '11 अगस्त' पोस्टर पर तारीख पढ़ता है जिसके नीचे ध्श्उ 2 का लोगो है। यह रहस्यवादी वाइब्स देता है। पोस्टर अब एंटरटेनमेंट की खबरों में वायरल हो रहा है। अक्षय कुमार की ओएमजी 2 घोषणा पोस्टर यहां देखें: खैर, उत्साह देखते ही बनता है क्योंकि इंडस्ट्री में बॉक्स ऑफिस क्लैश हमेशा से चलता रहा है। सनी देओल, अमीषा पटेल और उत्कर्ष शर्मा अभिनीत गदर 2 अनिल शर्मा की 2001 की हिट फिल्म का सीक्वल है। यह साल की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। अब, अक्षय के साथ भी एक ही तारीख की बुकिंग के साथ, यह दिलचस्प होगा कि दोनों फिल्में बॉक्स ऑफिस पर कैसा प्रदर्शन करती हैं। गदर 2 को लेकर बज काफी ज्यादा है। दूसरी ओर, ध्श्उ 2 भी पीछे नहीं है, लेकिन यह अपडेट निश्चित रूप से अक्षय कुमार अभिनीत फिल्म के प्रचार को बढ़ावा देने वाला है। ध्श्उ 2 की बात करें तो फिल्म का निर्देशन अमित राय ने किया है। फिल्म में यामी गौतम, आमिर नाइक, फहीम फाजली, पंकज त्रिपाठी और अन्य कलाकार भी हैं। अक्षय की विशेषता वाला एक संभावित पोस्टर पहले भी जारी किया गया था, जिसे काफी आलोचना मिली थी। ऐसा लग रहा था कि अक्षय अपने भीतर के भगवान शिव को चैनल कर रहे हैं और यह बहुत से लोगों को अच्छा नहीं लगा, जिन्होंने खुले तौर पर इसकी आलोचना की।

# रूखी त्वचा के लिए सही खान-पान

मुलायम और हेल्दी त्वचा किसे पसंद नहीं लेकिन बहुत से लोग ऐसे होते है जो कितनी ही कोशिश कर लें लेकिन उनकी त्वचा कोमल और मुलायम नहीं होती शुष्क ही रहती है। इसके लिए वे बार-बार माश्चराइजर क्रीम, लोशन और ना जाने क्या-क्या लगाते हैं लेकिन फिर भी अपनी त्वचा में चिकनाहट नहीं ला पाते। यदि आपकी भी यही समस्या है तो रूखी त्वचा की देखभाल के लिए आपको जरूरत है सही खानपान की। जी हा, सिर्फ क्रीम, या माश्चराइजर से ही आप अपनी त्वचा में नमी वापिस नहीं ला सकते बल्कि आपको अपने खान-पान में खासा बदलाव करना होगा जिससे आपकी त्वचा में नमी बरकरार रह सकें। आइए जानें रूखी त्वचा के लिए यही खान-पान क्या होना चाहिए।

आपको अपने खान-पान में चीजों को शामिल करना होगा जिससे आपकी त्वचा को अधिक से अधिक

पोषण मिल सकें। सिर्फ फल या हरी सब्जिया ही डायट में शामिल करना जरूरी नहीं बल्कि और भी बहुत सी ऐसी चीजें हैं जिन्हें शामिल करना आपको जरूरी है। आप अपनी त्वचा में नमी लाने के लिए क्या लेती हैं क्या नहीं यह बहुत महत्वपूर्ण हैं, ऐसे में आपको तला-भुना, मसालेदार और मीठा कम खाना चाहिए। खानपान के साथ ही आपको एलोवेरा के साथ शहद, संतरे, पपीता, गाजर, सेब, बादाम आदि का पैक बनाकर भी त्वचा पर लगाना चाहिए। इससे आपकी त्वचा में नमी लौट आएगी। खानपान के साथ ही आपको तरल पदार्थ का भी ध्यान रखना चाहिए कि आप एक दिन में कितना पानी या तरल पदार्थ ले रही हैं क्योंकि पानी की कमी से भी त्वचा में रूखापन आ जाता है। इतना ही नहीं पानी से शरीर में व्याप्त विषैले तत्वों को आसानी से बाहर निकाला जा सकता है और त्वचा में ताजगी ला सकते हैं।

त्वचा को कोमल बनाने के लिए विटामिन प्रचुर मात्रा में लेना चाहिए। खासतौर पर विटामिन ए, बी और ई युक्त खाद्य पदाथरें का सेवन करना बाहुत जरूरी हैं -त्वचा का रूखापन दूर करने और त्वचा को माश्चराइज

करने के लिए हरी और पत्तेदार सब्जियों का खूब सेवन करना चाहिए।

-खानपान के साथ ही ध्यान रखें कि चाय या अन्य तरल पदार्थ लेते समय लेते समय तुलसी और अदरक जरूर डालें। इसके अलावा ग्रीन और लेमन टी लें तो ज्यादा अच्छा होगा।

-खानपान में मौसमी फलों के साथ, हरी सब्जियों और फलों के जूस और सूप को शामिल करें और बाहर का जंकफूड बिल्कुल ना खाएं। -त्वचा के रूखापन दूर करने के लिए गाजर, सीताफल और आवले को खाना चाहिए। दरअसल इनमें विटामिन ए, बी कॉम्लेक्स, सी और ई के साथ ही आयरन प्रचुर मात्रा में पाया जाता है। कुछ खाद्य पदार्थ जिन्हें खासतौर पर शामिल करना चाहिएः- टमाटर- लाइकोपीन की मात्रा।

शहद- एमिनो एसिड, विटामिंस, काबरेहाइड्रेट से भरपूर। सोयाबीन- विटामिन ई और प्रोटीन से भरपूर। गाजर- केरोटिनॉयड से भरपूर। ब्रोकोली - विटामिन ए, विट सी और केरोटिनॉयड से भरपूर। बादाम- विटामिन ई से भरपूर। खुबानी - केरोटिनॉयड और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर।

# बढ़ती उम्र के साथ भी दिखना चाहती हैं जवां, तो मेकअप करते समय न करें ये छोटी-छोटी गलतियां

हर महिला की जिंदगी में मेकअप काफी अहमियत रखता है। महिलाओं का आत्मविश्वास मेकअप करने से कई गुना बढ़ जाता है।

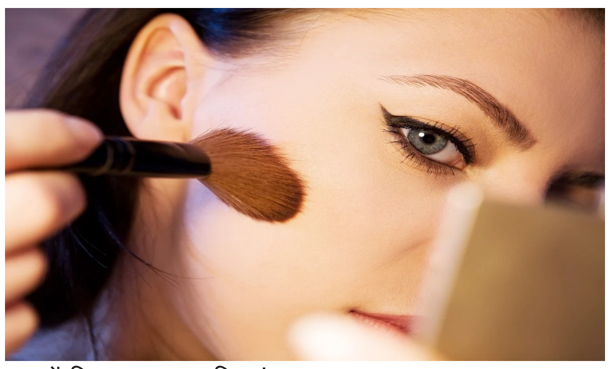

बता दें कि एक समय महिलाएं व लड़कियां मेकअप से दूर रहती थीं। लेकिन समय बदलने के साथ ही महिलाएं न सिर्फ शादी-बारात बल्कि आने-जाने में भी मेकअप का इस्तेमाल करती हैं। क्योंकि मेकअप से महिलाएं काफी ज्यादा खूबसूरत लगने लगती हैं। लेकिन क्या आप जानती हैं कि एक उम्र के बाद मेकअप करने के दौरान एक छोटी सी गलती आपको अजीब लुक दे सकता है। इसलिए मेकअप करने के दौरान उम्र का ख्याल रखना बहुत ज्यादा जरूरी हो जाता है।

वहीं मेकअप करने से पहले आपको अपने स्किन टेक्सचर के बारे में पता होना जरूरी होता है। इससे मेकअप करने में आसानी होती है। अगर आप बिना अपना स्किन टेक्सचर जाने बिना ही मेकअप अप्लाई करती हैं तो इसका सीधा असर आपकी त्वचा पर पड़ता है। इस आर्टिकल में हम आपको बढ़ती उम्र के साथ मेकअप करने के दौरान ध्यान रखने वाली कुछ बातों को बताने जा रहे हैं।

**बेस अच्छे से करें ब्लेंडः** बढ़ती उम्र के साथ ही चेहरे पर झुर्रियां आने लगती हैं। इसलिए बेस लगाते समय इसे अच्छे से ब्लेंड करना बहुत जरूरी होता है। अगर आप ऐसा नहीं करती हैं तो फेस पर झुर्रियों के कारण मेकअप की लाइनें बन जाएंगी। वहीं बेस को अच्छे से ब्लेंड नहीं किए जाने पर मेकअप फेस पर एक ही जगह जमा हो जाता है।

**ज्यादा प्रोडक्ट न करें इस्तेमालः** बढ़ती उम्र के साथ अपने फेस पर ज्यादा प्रोडक्ट का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। अगर आप चेहरे पर ज्यादा प्रोडक्ट या क्रीम आदि का इस्तेमाल करती हैं तो फेस पर इसकी लेयर्स और स्किन नकली लगने लगती है। यह देखने में काफी अजीब लगता है।

**रंगों का जरूर रखें ध्यानः** स्किन पर बेस और आई मेकअप करते समय डार्क या डीप शेड के कलर्स भूलकर भी नहीं चुनने चाहिए। क्योंकि एक उम्र के बाद त्वचा ढीली होने लगती है। जिससे आपका मेकअप काफी अजीब दिखने लगता है।

**ग्लिटर को रखें दूरः** बढती उम्र के साथ ही ग्लिटर का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। क्योंकि बढ़ती उम्र के साथ ही न सिर्फ चेहरे बल्कि आंखों के ऊपर भी झुर्रियां आने लगती हैं। ऐसे में अगर आप आई मेकअप में ग्लिटर का इस्तेमाल करती हैं तो यह आपके लुक को बेकार कर सकता है।

# बड़े काम की है इमली

पानी के बताशे का पानी हों या चटनी बनानी हो या फिर खट्टे सांभर का स्वाद लेना हो, इन सभी चीजों में इमली का इस्तेमाल किया जाता है। खाने-पान के मामले में तो लोग इमली के महत्व के बारे में जानते हैं लेकिन कई लोगों को इसके आयुर्वेदिक गुणों के बारे में पता नहीं होता। पत्तियों को कुचलकर रस तैयार करके गरारा किया जाए, तो गले की खराश दूर हो जाती है। पकी हुई इमली के रस से गरारा किया जाए तो समस्या में आराम मिलता है। तो आइए आज हम आपको इमली के ऐसे ही कुछ गुणों के बारे में बताते हैं- जलन की समस्या दूर होती हैः इमली की पत्तियों को मिट्टी के बर्तन में भून लेते हैं। जब पत्तियां जल जाती हैं, तो चूर्ण तैयार कर लिया जाता है। एक चम्मच तिल के तेल में 4 ग्राम जली हुई पत्तियों के चूर्ण को मिलाकर जले हुए शारीरिक अंग पर लगाने से

जलन शांत होती है और घाव जल्दी सूखता है। **पीलिया से मिलता है छुटकाराः** इमली की पत्तियों और फूल को इकट्ठा कर पानी के साथ उबालकर काढ़ा तैयार किया जाता है और इस काढ़े का सेवन पीलिया से ग्रसित व्यक्ति को दिया जाता है। माना जाता है कि इस काढ़े का सेवन हफ्ते तक दिन में दो बार करने से काफी फायदा मिलता है। **बुखार में राहत मिलती हैः** इमली बहुत काम की होती है। इसका रस बुखार में काफी कारगर होता है। इसके पत्ते के रस से गरारा करने पर खराश में भी आराम मिलता है **घाव सुखाता हैः** लोग इमली की पत्तियों का रस घाव पर लगाते हैं। माना जाता है कि यह रस घाव के जल्दी सूखने में मददगार होता है। भूख लगती हैः पके हुए इमली के फलों को पानी के साथ मसलकर रस तैयार किया जाता है और हल्की सी मात्रा में काला नमक डालकर सेवन किया जाए तो भूख लगने लगती है।

# विजय अरोड़ा

मुम्बई। सन एण्ड सेन्ड होटल में विजय अरोड़ा से मुलाकात हो गई। हमने पहले उनसे उसकी खैरियत मालूम की क्योंकि वह फिल्म कादम्बरी की शूटिंग के दौरान दिल्ली में घायल हो गया थे। खुदा का फज़ल है। विजय ने आस्था भरे स्वर में कहा। उस दिन तो मैं और शबाना बस बाल-बाल बच गए। वरना आज न मालूम किस दुनिया में होते। यादों की बारात से आपको अधिक फायदा नही हुआ। इसका क्या कारण है? आप जैसे कुशल, स्वस्थ और सुन्दर व मधुर भाषी हीरो को तो बहुत ज्यादा बिजी होना चाहिए हमने कहा। अपनी-अपनी किस्मत की बात है। विजय ने संक्षिप्त-सा उत्तर दिया। अच्छा इसका क्या कारण है कि इंस्टीट्यूट से आये हुए लड़के भी अभिनेता की बजाए स्टार बनने के चक्कर में रहते हैं। और स्टार

बनते ही वह सारी डिसिप्लिन भूल जाते हैं। निर्माताओं को परेशान करने लगते हैं आखिर ऐसा क्यों है? हमने पूछा। फिल्म एक कमर्शियल आर्ट है। इसलिए यहां आकर कमर्शियल बनना ही पड़ता है। लेकिन जहां तक निर्माताओं की शिकायतों का सवाल है उसके लिए वे खुद ही कसूरवार है जब देखते हैं कि फ्लां स्टार बहुत ज्यादा बिजी है तो उसे साइन ही क्यों करते हैं? आप कहेंगे कि स्टार साइन ही क्यों करते हैं? लेकिन अगर आपके सामने निर्माता एक भरपूर रकम रख दे तो आप भी साइन कर लेगें। ऐसी सूरत में इंकार में माली नुकसान तो होता ही है किन्तु बदनामी भी होती है। लोग बदनाम करने लगते हैं कि हीरो बढ़ा नकचढ़ा है, घमंडी है, बड़ों का आदर नही करता, न मालूम अपने आपको क्या समझता है?

# आज का राशिफल..........

**मेष राशिः** आज स्वास्थ्य के चलते परेशान रह सकते हैं। काम की अधिकता के कारण आपका स्वास्थ्य बिगड़ सकता है। वाहन चलाने में सावधानी बरतें, नहीं तो दुर्घटना हो सकती है।

**वृषभ राशिः** आज का दिन भागदौड़ परेशानी से भरा रहेगा। आप व्यापार-व्यवसाय में अपने साथियों से संबंध अच्छे रखें, नहीं तो व्यापारिक क्षेत्र में आपको नुकसान उठाना पड़ सकता है।

**मिथुन राशिः** आज का दिन आपका मिलाजुला रहने वाला है। व्यापार में आर्थिक स्थिति में कुछ इजाफा होगा और व्यापार के नए अवसर प्राप्त होंगे।

**कर्क राशिः** आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है। स्वास्थ्य आपका ठीक रहेगा उर परिवार में कुछ दिनों से चली आ रही परेशानियों से आप राहत प्राप्त करेंगे।

**सिंह राशिः**आज का दिन आपका भागदौड़ वाला रहेगा। किसी काम को लेकर आपको बाहर की यात्रा करना पड़ सकता है। किसी विशेष व्यक्ति से मुलाकात होगी।

**कन्या राशिः** आप सतर्कता बरतें अपने विरोधियों से आप धोखे का शिकार हो सकते हैं। किसी बड़े विवाद में आज आप फंस सकते हैं। स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव बना रहेगा।

**तुला राशिः** आपके लिए कोई नई जिम्मेदारी लेकर आएगा। परिवार समाज में आपको नई पद-प्रतिष्ठा प्राप्त हो सकती है। परिवार में धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन हो सकता है।

**वृश्चिक राशिः** आपका अच्छा रहेगा। आप कोई नया काम शुरू कर सकते हैं। कोई बहुत बड़ी डील आपके हाथ लग सकती है। नौकरी वर्ग वालों को पदोन्नति मिल सकती है।

**धनु राशिः** आज का दिन उतार-चढ़ाव से भरा रहेगा परिवार में किसी का स्वास्थ्य बिगड़ सकता है। माता-पिता को लेकर आप चिंतित रह सकते हैं।

**मकर राशिः** आज के दिन थोड़ा संभल कर चलें, वाहन आदि से चोट लग सकती है। आप किसी बड़े विवाद में फंस सकते हैं। वाणी पर संयम रखें और वाद-विवाद से दूर रहें।

**कुंभ राशिः** आपका अच्छा जाने वाला है। सोचे हुए कार्य पूर्ण होंगे। पुराना कोई विवाद समाप्त होगा और परिवार में मांगलिक कार्यक्रम होंगे। घर में कोई नया मेहमान आ सकता है।

**मीन राशिः** आज का दिन आप किसी धार्मिक कार्यक्रम में जा सकते हैं। आज आपका मन आध्यात्मिक ऊर्जा से भरा रहेगा। जिस कार्य का आप सोच रहे हैं वह कार्य आज किसी विशेष व्यक्ति के माध्यम से पूर्ण होगा।

विज्ञापन प्रतिनिधि
श्री सुजीत कुमार
मो. 7007632314

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र.) 211002 से मुद्रित एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। (उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगे।